शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 120 | गुवाहाटी | रविवार, 26 नवंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

हमारी सरकार ने वादे की सीमा से आगे बढ़कर काम किया : पीयूष पेज 3
तेलंगाना के विकास के लिए भाजपा का जीतना जरूरी : शाह पेज 4
हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मिलेगी मदद : मुख्यमंत्री पेज 5
लोकतंत्र के महापर्व में महादान कर लोगों ने निभाया अपना फर्ज पेज 8

अल्फा कैडरों की घर वापसी के लिए सरकार ने शुरू की पहल : डीजीपी

गुवाहाटी। असम के पुलिस महानिदेशक जी पी सिंह ने शनिवार को कहा कि राज्य में अल्फा उग्रवादियों के परिवार के सदस्यों से संपर्क करने और उनके बच्चों को मुख्यधारा में वापस लाने में मदद करने के लिए एक पहल शुरू की गई है। सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) और भारतीय सेना के साथ मिलकर राज्य पुलिस की ओर से शुरू की गई इस संयुक्त पहल का उद्देश्य पूरे क्षेत्र में शांति और मेलमिलाप को बढ़ावा देना है। सिंह ने विभिन्न स्थानों पर अल्फा उग्रवादियों के परिवार के सदस्यों के साथ सुरक्षा कर्मियों की बातचीत की तस्वीरें साझा करते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया कि संघर्ष से सहयोग तक: शांतिपूर्ण भविष्य के लिए विश्वास-निर्माण की पहल। डीजीपी ने कहा कि इस पहल के तहत, अल्फा उग्रवादियों के परिवारों को सेना या केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल शिविरों या पुलिस थानों में *विश्वास निर्माण और उनके बच्चों को मुख्यधारा में लाने में मदद करने* के लिए आमंत्रित किया जाता है। उन्होंने कहा कि विश्वास-निर्माण गतिविधियों के लिए अल्फा उग्रवादियों के परिवारों को आमंत्रित करने की पहल में क्षेत्र में शांति और सुलह को बढ़ावा देने की अपार संभावनाएं हैं। कार्यक्रम के उद्देश्यों में विश्वास और समझ का निर्माण करना है। डीजीपी ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य सुरक्षा बलों और अल्फा उग्रवादियों के परिवारों के बीच अंतर को पाटना, आपसी सम्मान और समझ का आधार बनाना है। परिवारों के साथ जुड़कर, इसका उद्देश्य अल्फा उग्रवादियों का पुनर्वास -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में 73 वर्षीय महिला ने साबित की नागरिकता

गुवाहाटी। असम के बंगाईगांव जिले में एक स्वतंत्रता सेनानी सेजे बाला घोष की बेटी, 73 वर्षीय महिला को मार्च 2020 में एक विदेशी न्यायाधिकरण (एफटी) से नोटिस मिला और तीन साल की कानूनी लड़ाई के बाद, उन्होंने साबित कर दिया है कि वह बांग्लादेश से अवैध प्रवासी नहीं है। इस सप्ताह की शुरुआत में आदेश की एक प्रति प्राप्त करने के बाद, घोष ने कहा कि उनकी नागरिकता पर सवाल उठाना उनके पिता के बलिदान का अपमान है और सिर्फ उन्हें भारतीय घोषित करना पर्याप्त नहीं है। हालांकि, उन्होंने कुछ खास नहीं मांगा। घोष को 20 नवंबर को बंगाईगांव में एफटी से प्रति मिली और शुक्रवार को उन्होंने बताया कि वह अभी भी अपमानित महसूस कर रही हैं। मेरे पिता एक स्वतंत्रता सेनानी थे। वह चन्द्रशेखर आजाद जी के करीबी सहयोगी थे और उन्होंने इस देश की आजादी के लिए बहुत बलिदान दिया। लेकिन आजादी के सात दशक बाद भी उनकी बेटी को अवैध प्रवासी कहा गया, यह शर्म की बात है। सेजे बाला बंगाईगांव के सालबागान गांव में अपने घर में अकेली रहती हैं और वह भगवान कृष्ण की भक्त हैं। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि मेरी किस्मत में यही लिखा हो, लेकिन जिन लोगों ने मेरी गरिमा का अपमान किया है, उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। मेरे कृष्ण सब कुछ देख रहे हैं। उनके मुताबिक, लॉकडाउन शुरू होने से ठीक पहले मार्च 2020 में पुलिस की एक टीम एफटी से एक नोटिस लेकर उनके घर आई थी। उन्होंने आगे कहा कि मैं इसे पढ़ नहीं सका और मैंने पुलिस से पूछा कि मुझे बताओ कि मेरा अपराध क्या है। उन्होंने कहा कि अदालत (एफटी) का मानना है कि मैं बांग्लादेश से एक अवैध प्रवासी हूं और मुझे अदालत के सामने पेश होना होगा। उधर अधिवक्ता तान्या लस्कर के अनुसार, एफटी दो तरीकों से नोटिस जारी करती है- चुनाव अधिकारियों द्वारा चुनावी भूमिका में संशोधन और पुलिस की सीमा शाखा की रिपोर्ट के आधार पर। उन्होंने कहा कि जब चुनाव अधिकारियों को मतदाताओं के नाम और विवरण में अनियमितताएं मिलती हैं, तो वे सूची पर *डी* चिह्न लगाते हैं और इसे पुलिस को भेजते हैं। दूसरी विधि में, विदेशी अधिनियम की धारा 3 के तहत पुलिस की सीमा शाखा, संदिग्ध नागरिकों की सूची एफटी को भेजती है। उनके अनुसार, एफटी संदिग्ध नागरिकों की सूची प्राप्त करने के बाद, पुलिस से जांच करने के लिए कहता है और जब पुलिस कहती है कि संदेह के घेरे में आए व्यक्ति उचित दस्तावेज पेश करने में विफल रहे जो उनकी भारतीय नागरिकता साबित कर सकें, तो एफटी उन -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर विस समितियों की अध्यक्षता से हटाए गए तीन कुकी विधायक

इंफाल। मणिपुर के तीन विधायकों को मणिपुर विधानसभा की विभिन्न समितियों की अध्यक्षता से हटा दिया गया है। ये तीनों कुकी समुदाय से आते है। ये तीनों विधायक- मायांगलमबम रामेश्वर, लोसी दिखो और इबोमचा है। विधानसभा के एक बुलेटिन में कहा गया है कि मायांगलमबम रमेश्वर को अध्यक्ष ने सार्वजनिक उपक्रम समिति के पिछले अध्यक्ष के स्थान पर अध्यक्ष नियुक्त किया है। मायांगलमबम काकचिंग विधानसभा क्षेत्र से नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के विधायक हैं। यह पद पहले एलएम खौटे के पास -शेष पृष्ठ दो पर

नलबाड़ी में बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं पहल पर सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित

नलबाड़ी। असम के नलबाड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री श्री हरि मंदिर में सामूहिक विवाह कार्यक्रम *शुभ परिणय* का आयोजन किया। दरअसल, पीएम मोदी के *बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ* के दृष्टिकोण को बढ़ावा देने और लागू करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। नलबाड़ी जिला प्रशासन ने पारंपरिक असमिया शादियों की विशेषता वाला एक अनूठा कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में नलबाड़ी जिले के 10 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इस कार्यक्रम में वैवाहिक और पारिवारिक अनुष्ठानों के साथ ही पारंपरिक विवाह के दौरान जोड़े द्वारा खेले जाने वाले खेलों का भी आयोजन किया गया। निचले असम जिले के विभिन्न हिस्सों से हजारों लोगों ने पारंपरिक असमिया सामूहिक विवाह कार्यक्रम देखा। इस अवसर पर असम के पर्यटन मंत्री जयंत मल्ल बरुआ, जिला आयुक्त वर्नाली डेका और अन्य गणमान्य भी मौजूद रहे, जिन्होंने नवविवाहितों को आशीर्वाद -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर सीजेआई बोले

बेंगलुरु। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने बेंगलुरु में आयोजित 36वें लॉ एसिया सम्मेलन में शिरकत की। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के नैतिक इस्तेमाल को लेकर बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि इन दिनों हम एआई के नैतिक इस्तेमाल के बुनियादी सवालों का लगातार सामना कर रहे हैं। यह बातें चीफ जस्टिस ने 36वें लवासिया (लॉ एसिया) कांफ्रेंस में अपने संबोधन के दौरान कहीं। इस कांफ्रेंस में जस्टिस चंद्रचूड़ का टॉपिक था- पहचान, व्यक्ति और राज्य; आजादी के नए पथ। लवासिया एशिया पैसिफिक रीजन के वकीलों, जजों, ज्यूरिस्ट और वैधानिक संगठन का एक एसोसिएशन है। जस्टिस डीवाई -शेष पृष्ठ दो पर

राजस्थान विस चुनाव : कई जगह झड़प, बवाल और बूथ कैप्चरिंग का प्रयास, धौलपुर में फायरिंग

जयपुर (हि.स.)। राजस्थान की 199 विधानसभा सीटों पर शनिवार को शाम 6 बजे मतदान खत्म हो गया। मतदान के लिए प्रदेश में 5 करोड़ 26 लाख 90 हजार 146 मतदाताओं को चुनावी समर में डटे 1862 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करने का अधिकार दिया गया था। मतदान सुबह 7 से शाम 6 बजे तक चला। चुनाव आयोग ने जिला निर्वाचन अधिकारियों के सहयोग से जिलों में शांतिपूर्ण मतदान के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए थे। प्रदेश में अधिकांश स्थानों पर शांतिपूर्ण मतदान के बावजूद कुछ स्थानों पर झड़प, बवाल और बूथ कैप्चरिंग का प्रयास किया गया। धौलपुर में तो फायरिंग तक हुई। दुखद यह रहा कि मतदान के दौरान चार स्थानों पर मतदाताओं, पोलिंग एजेंट समेत अन्य कार्यकर्ताओं की मौत हो गई। अभी भी कुछ बूथों पर मतदान चल रहा है। शाम 5 बजे तक प्रदेश में 68.24 फीसदी मतदान हुआ है। अब मतगणना 3 दिसंबर को होगी। सीकर की फतेहपुर विधानसभा सीट से मतदान के बीच दो पक्ष आपस में भिड़ गए और माहौल खराब हो गया। बताया गया है कि पुलिस को स्थितियां संभालने के लिए यहां हवाई फायर भी करना पड़ा। फतेहपुर स्थित बोचीवाल भवन के पीछे -शेष पृष्ठ दो पर

बाल-बाल बचे सीएम सांग्मा, काफिले में घुसा पिकअप ट्रक

शिलांग। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड सांग्मा बाल-बाल बचे हैं। मुख्यमंत्री सांग्मा के काफिले में मौजूद कार को एक पिकअप ट्रप ने टक्कर मार दी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री सांग्मा पूरी तरह से सुरक्षित हैं। एक पुलिस अधिकारी ने इस हादसे की जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना सुबह लगभग साढ़े नौ बजे हुई। बकौल पुलिस, एक पिकअप ट्रक ने मुख्यमंत्री के काफिले की पायलट कार को टक्कर मार दी। मुख्यमंत्री सांग्मा के काफिले -शेष पृष्ठ दो पर

door graphy
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

कराची के शॉपिंग मॉल में लगी आग, 11 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कराची शहर के एक मॉल में शनिवार को भीषण आग लगने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया सुबह करीब सात बजे दूसरी मंजिल पर लगी आग ने शॉपिंग मॉल की चौथी, पांचवीं और छठी मंजिल को भी अपनी चपेट में ले लिया, लेकिन फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आग किस वजह से लगी। आग पर काबू पाने और इमारत में मौजूद लगभग 42 लोगों को बचाने के लिए दमकल की 12 गाड़ियां और करीब 50 दमकल कर्मियों को घटनास्थल पर बुलाया गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी मुबीन अहमद ने कहा कि आग में 11 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हैं। वहीं, आग पर काबू पाने के लिए इमारत की बिजली आपूर्ति काटनी पड़ी। उन्होंने बताया कि हमारे दल अब भी इमारत में खोजबीन कर रहे हैं ताकि उसमें फंसे किसी भी -शेष पृष्ठ दो पर

सात बांग्लादेशी नागरिक सहित तीन भारतीय दलाल गिरफ्तार

अगरतला (हि.स.)। अगरतला रेलवे स्टेशन से सात बांग्लादेशी नागरिकों और तीन भारतीय दलालों को गिरफ्तार किया गया। सभी के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस ने आज बताया कि यह लोग भारतीय दलालों की मदद से बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर रहे थे। इनकी धरपकड़ एक पुख्ता सूचना के आधार पर की गई।

रूस ने यूक्रेन पर किया अब तक का सबसे भीषण ड्रोन हमला

मॉस्को। इजराइल-हमास युद्धविराम समझौते के शुरू होते ही रूस ने यूक्रेन पर शनिवार को अब तक का सबसे भीषण ड्रोन हमला किया, जिसमें इसकी राजधानी कीव को निशाना बनाया गया। 2022 में व्यापक स्तर पर हमले शुरू करने के बाद से रूस ने यूक्रेन पर यह सबसे बड़ा किया है। सैन्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेनी वायुसेना के कमांडर मायकोला ओलेशचुक ने अपने टेलीग्राम चैनल पर लिखा कि इस हमले में मुख्य रूप से कीव को निशाना बनाया गया। यूक्रेन के सशस्त्र बलों ने कहा कि रूस ने यूक्रेन के खिलाफ लगभग 75 ईरानी निर्मित ड्रोन से हमला किया, जिनमें से 71 को मार गिराया गया। कीव शहर प्रशासन के प्रमुख सेरही पोपको ने कहा कि यह हमला कीव पर ड्रोन से किया गया सबसे भीषण -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
प्रसन्नता परमात्मा की दी हुई औषधी है।
- स्वेट मार्डन

न्यूज गैलरी

बुजुर्ग महिला से मारपीट, आरोपी गिरफ्तार

गुवाहाटी। काहिलीपारा में एक बुजुर्ग महिला पर एक व्यक्ति द्वारा दिनदहाड़े बेरहमी से हमला किए जाने के बाद एक भयावह घटना सामने आई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, घटना शुक्रवार शाम करीब 4.30 बजे काहिलीपारा के लुटुमा इलाके में हुई। वीडियो में हमलावर को महिला को पीटते, उसके बाल खींचते, घसीटते और गालियां देते हुए कैद किया गया है। इस जघन्य कृत्य के पीछे का मकसद अभी भी अज्ञात है। हैरान दर्शक यह दृश्य देख रहे थे, उनके चेहरों पर भय और अविश्वास झलक रहा था। यह वीडियो फिलहाल सोशल मीडिया -शेष पृष्ठ दो पर

खालिस्तान के बहाने भारत पर दबाव बनाने में जुटा क्रिश्चियन वर्ल्ड

वाशिंगटन /नई दिल्ली। अमरीका के अखबार फादनैशियल टाइम्स में आतंकी गुरफ्तवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश को लेकर प्रकाशित हुई खबर ने भारत को लेकर पश्चिमी देशों के रवैये की पोल खोल दी है। फाइनेंशियल टाइम्स की यह खबर सरकारी सूत्रों के हवाले से छापो गई है। इस खबर में यह भी लिखा गया था कि अमरीका की सुरक्षा एजेंसियों ने इस मामले में भारत को आगाह किया था। विदेश नीति के जानकारों का मानना है कि अमरीका अपने फायदे के लिए भारत का इस्तेमाल कर रहा है और भारत के साथ उसका रिश्ता सच्ची दोस्ती बाला नहीं है। यदि दोनों देशों के संबंध सच में बहुत ज्यादा मजबूत होते, तो दोनों देशों के अधिकारियों के मध्य हुई आंतरिक बातचीत इस तरीके से मीडिया में लीक नहीं होती। गुरपतवंत पन्नू से जुड़ा हुआ मामला भारत के लिए इसलिए भी संवेदनशील है क्योंकि 18 जून को सरी में आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडी ने कनाडा की संसद में खड़े होकर भारत का हाथ होने की बात कही है। हालांकि टूडो के इन आरोपों के बाद किसी भी देश ने खुले तौर पर भारत के खिलाफ आवाज नहीं उठाई है। लेकिन अमरीका, यू.के. और आस्ट्रेलिया ने इसे गंभीर मामला बताते हुए भारत को कनाडा के साथ मामले में सहयोग करने के लिए कहा है। 2014 के चुनाव में भारत में हुए सता -शेष पृष्ठ दो पर

पत्रकार हत्याकांड : चार को उम्रकैद पांचवें को तीन साल की सजा

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने टीवी पत्रकार सौम्या विश्वनाथन की 2008 में हुई हत्या के मामले में शनिवार को चार दोषियों को आजीवन कारावास, जबकि पांचवें दोषी को तीन साल जेल की सजा सुनाई। अदालत ने सजा सुनाते हुए कहा कि यह अपराध *दुर्लभ में दुर्लभतम* मामलों की श्रेणी में नहीं आता है, इसलिए मौत की सजा का अनुरोध अस्वीकार किया जाता है। कोर्ट ने चारों आरोपियों पर जुर्माना भी लगाया। हत्या में 25-25 हजार रुपए और मकोका में एक एक लाख रुपए अर्थ दंड. यानी चारों को डबल उम्रकैद और सवा सवा लाख रुपए जुर्माना लगाया गया। सभी दोषियों को मकोका के तहत सजा सुनाई गई है। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

वर्ल्ड हिंदू कांग्रेस में विचारकों ने हिंदुत्व शब्द पर दिया जोर

बैंगॉक। यदि आप हिंदूवाद जिसे अंग्रेजी में हिंदुइज्म कहते हैं, इस शब्द का प्रयोग करते हैं तो यह गलत है क्योंकि इसका अर्थ सनातन धर्म की सही छवि नहीं प्रकट करता लेकिन यदि आप हिंदू और हिंदुत्व शब्द का उपयोग करते हैं तो यह एकदम सही है। आजकल देखने को मिल रहा है कि सनातन धर्म की छवि खराब करने के लिए तमाम तरह के षड्यंत्र रचे जा रहे हैं और पौराणिक ग्रंथों में लिखी गई बातें तथा इतिहास के घटनाक्रमों को अलग दृष्टि से प्रस्तुत कर हिंदू धर्म पर हमला किया जा रहा है। इन्हीं सब मुद्दों पर चिंतन करने के लिए इस समय थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में विश्व हिंदू कांग्रेस का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में देश-दुनिया के तमाम हिंदू विचारक और बुद्धिजीवी अपने विचार रख रहे हैं। विश्व हिंदू कांग्रेस में जो बड़े फैसले लिये गये हैं उसके तहत सनातन धर्म को संदर्भित करने के लिए हिंदुत्व और हिंदू धर्म शब्दों को अपनाया गया है। इसके साथ ही, हिंदूवाद (हिंदुइज्म) शब्द त्यागने का तर्क देते हुए कहा गया है कि यह शब्द दमन और भेदभाव को दर्शाता है। तीसरी विश्व हिंदू कांग्रेस (डब्ल्यूएचसी) ने एक घोषणापत्र को अंगीकार किया जिसमें कहा गया है कि हिंदुत्व शब्द अधिक सटीक है क्योंकि इसमें हिंदू शब्द के सभी अर्थ शामिल हैं। विश्व हिंदू कांग्रेस के घोषणापत्र में कहा गया कि हिंदू धर्म शब्द में पहला शब्द अर्थात् हिंदू एक असीमित शब्द है। यह उन सभी का प्रतीक है जो सनातन या शाश्वत है। और फिर धर्म है, जिसका अर्थ है वह, जो कायम रखता है। घोषणापत्र में कहा गया है कि इसके विपरीत, हिंदूवाद (हिंदुइज्म) पूरी तरह से अलग है क्योंकि इसमें *इज्म* जुड़ा हुआ है, जो एक दमनकारी और भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण या विश्वास के रूप में परिभाषित शब्द है। घोषणापत्र में कहा गया है कि इसी वजह से हमारे कई बुजुर्गों ने हिंदूवाद की तुलना में हिंदुत्व शब्द को प्राथमिकता दी क्योंकि हिंदुत्व अधिक सटीक शब्द है, इसमें हिंदू शब्द के सभी अर्थ शामिल हैं। हम उनसे सहमत हैं और हमें भी ऐसा ही करना चाहिए। घोषणापत्र में कहा गया कि हिंदुत्व कोई जटिल शब्द नहीं है और इसका सीधा सा मतलब हिंदू से संबंधित है। घोषणापत्र में कहा गया कि अन्य लोगों ने विकल्प के तौर पर *सनातन धर्म* का उपयोग किया है, जिसे संक्षिप्त में अक्सर सनातन कहा जाता है। यहां सनातन शब्द हिंदू धर्म की शाश्वत प्रकृति को इंगित करने वाले विशेषण के रूप में काम करता है। घोषणापत्र में कहा गया कि कई शिक्षाविद और बुद्धिजीवी अज्ञानतावश हिंदुत्व को हिंदू धर्म के विपरीत के तौर पर चित्रित करते हैं। घोषणापत्र में कहा गया कि लेकिन अधिकांश लोग हिंदू धर्म के प्रति अपनी गहरी नफरत और पूर्वाग्रहों के कारण हिंदुत्व विरोधी हैं। राजनीतिक एजेंडे और व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों से प्रेरित कई नेता भी उस

लखनऊ मध्य सेक्टर, सीआरपीएफ कार्यालय के प्रांगण में संविधान दिवस आयोजित

लखनऊ। भारत सरकार के आदेशों के अनुपालन में सीआरपीएफ मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा जारी निर्देशों का पालन करते हुए लखनऊ स्थित मध्य सेक्टर, सीआरपीएफ कार्यालय के प्रांगण में 24 नवंबर 2023 को प्रातः 11 बजे सुनील कुमार, पुलिस उप महानिरीक्षक की अध्यक्षता में संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह के दौरान राजपत्रित अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी, तथा अन्य रैंक के कार्मिक एवं जवानों ने भाग लिया। संविधान दिवस समारोह में उपस्थित सभी राजपत्रित अधिकारियों, अराजपत्रित एंव जवानों ने ठीक 11 बजे पूर्वान्ह में भारत के संविधान की प्रस्तावना को पढ़ा। समारोह की अध्यक्षता कर रहे सुनील कुमार, पुलिस उप महानिरीक्षक ने आगे बताया कि भारत एक गणतंत्र देश है। भारत के पहले राष्ट्रपति देशरल डॉ. राजेन्द्र प्रसाद संविधान सभा के अध्यक्ष थे। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता वाली प्रारूप समिति ने भारतीय संविधान का मसौदा तैयार किया तथा 2 वर्ष 11 माह 18 दिनों की कड़ी मेहनत के बाद तैयार किए गए भारत के संविधान को 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा द्वारा अंगीकृत एवं आत्मार्पित किया गया। इसी उपलक्ष्य पर भारत सरकार द्वारा पहली बार 26 नवंबर 2015 को संविधान दिवस मनाया गया तथा तभी से प्रत्येक वर्ष संपूर्ण भारत में संविधान दिवस मनाया जा रहा है। कुमार ने आज के दिन पढ़ी जाने वाली प्रस्तावना की विशेषता के बारे में बताते हुए कहा कि संविधान की प्रस्तावना भारत को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित करती हैं और इसका उद्देश्य देश के सभी नागरिकों को न्याय, स्वतंत्रता, समानता सुनिश्चित करना और राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए बंधुत्व को बढ़ावा देना है। हमारे संविधान ने ब्रिटेन, आयरलैंड, जापान, अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी, आस्ट्रेलिया और कनाडा से भी उनके संविधान के अच्छे गुणों को अपने अंदर समाहित किया है। भारतीय संविधान की मूल संरचना भारत सरकार के अधिनियम, 1935 पर आधारित है तथा संविधान की मूल हस्तलिखित प्रतियां संसद भवन के पुस्तकालय में संरक्षित हैं। इस प्रकार हमारा संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ तथा भारत एक गणराज्य बना। इस अवसर पर उन्होंने सभी को भारतीय संविधान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। कुमार ने अपने ओजस्वी भाषण के दौरान सभी से अपील किया कि संविधान एवं देश की सुरक्षा के लिए हमें सर्वदा तत्पर रहना है और मातृभूमि की रक्षा के लिए हमें अपना-सर्वस्व न्योछावर करनें के लिए भी तैयार रहना है।

छेड़खानी का विरोध करने पर छात्रा के परिजनों के साथ मारपीट

ग्वालियर। शहर में एक कोचिंग सेंटर के बाहर हुई मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि एक छात्र द्वारा छात्रा के साथ छेड़खानी कर दी गई और जब छात्रा ने मामले की शिकायत अपने परिजनों से की और परिजन कोचिंग सेंटर पर आरोपी छात्र को समझाने पहुंचे तो छात्र के पिता और आधा दर्जन अन्य साथी भी मौके पर पहुंच गए और छात्रा के पिता एवं परिजनों से जमकर मारपीट की है। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया है इंदरगंज थाना पुलिस ने आरोपी छात्र उसके पिता और आधा दर्जन अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। यह पूरी घटना शिंदे की छावनी इलाके की है। यहां पर मौजूद कोचिंग सेंटर पर झगड़ा हुआ है और झगड़े के बाद कोचिंग सेंटर के बाहर जमकर मारपीट भी हुई।

नौकाओं में आग लगने की गुत्थी सुलझी, दो गिरफ्तार

विशाखापत्तनम / नई दिल्ली (हि.स.)। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम बंदरगाह पर 19 नवंबर की रात मछली पकड़ने वाली 30 नौकाओं में आग लगने की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। इस घटना के लिए जिम्मेदार दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह जानकारी पुलिस आयुक्त (सीपी) रविशंकर अय्यनार ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में दी। उन्होंने आग लगने के कारणों का खुलासा करते हुए बताया कि आग लगने की घटना जलती हुई सिगरेट से हुई थी। जलती हुई सिगरेट के संपर्क में आने से नायलान के जाल में आग लगी थी, जिससे आसपास की 30 नौकाएं पूरी तरह जल गईं। पुलिस आयुक्त ने बताया कि इस घटना में दो आरोपित वासुपल्ली नानी और सत्यम को गिरफ्तार कर लिया गया है। वे दोनों घटना के दिन सुबह से शराब पी रहे थे और वे नौका संख्या 885 में वहां पहुंचे थे। जहां उन्होंने मछली पकाई और शराब भी पी। इसके साथ धूम्रपान किया। इस दौरान जली हुई सिगरेट मछली पकड़ने के जाल पर बगल की नौका पर फेंक दी। वहां नायलॉन का जाल था, जो बहुत ज्वलनशील था। इस तरह उस विशेष जाल में आग लग गई। वहां से यही आग ईंधन टैंक और डीजल ईंधन तक फैल गई। फिर आग ने आसपास की नौकाओं को अपनी चपेट में ले लिया। उन्होंने बताया कि घटना के बाद ये दोनों आरोपित अपनी मोटरसाइकिल से घर चले गए। हालांकि बाद में वे फिर से घटनास्थल पर आए। उन्होंने बताया कि टावर डंप विश्लेषण और कॉल डिटेल विश्लेषण के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज का उपयोग करके तकनीकी साक्ष्य की मदद से अपराध स्थल के साथ-साथ अपराध का पता लगाया गया।

पृष्ठ एक का शेष

अल्फा कैडरों की ...

और समाज के मुख्यधारा में फिर से शामिल होने को प्रोत्साहित करना है। शीर्ष पुलिस अधिकारी सिंह ने कहा कि समग्र उद्देश्य क्षेत्र में शांति और मेल-मिलाप की भावना को बढ़ावा देना है, जिससे अधिक सामंजस्यपूर्ण और शांतिपूर्ण भविष्य का मार्ग प्रशस्त हो सके। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 16 नवंबर को कहा था कि पिछले दो वर्षों में राज्य भर में विभिन्न संगठनों के 8,756 उग्रवादियों का पुनर्वास किया गया है।

राज्य में 73 वर्षीय...

व्यक्तियों को नोटिस जारी करता है और उनसे पूछता है। उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि ज्यादातर मामलों में, पुलिस संदिग्ध व्यक्ति के घर गए बिना ही रिपोर्ट सौंप देती है और नोटिस भी ठीक से नहीं देती है। परिणामस्वरूप, एफटी ने कई मूल भारतीयों को अवैध प्रवासी घोषित कर दिया, जिन्होंने बाद में उच्च न्यायालयों में अपनी पहचान साबित की। वहीं 2020 में पहले लॉकडाउन के दौरान, असम स्थित एनजीओ, सिटीजन्स फॉर जस्टिस एंड पीस (सीजेपी) के सदस्य उनके पास पहुंचे और कानूनी सहायता प्रदान करना शुरू किया। उन्होंने ट्रिब्यूनल में सेजे बाला का मामला पेश करने के लिए दीवान अब्दुर रहीम नाम के एक वकील को नियुक्त किया। रहीम ने कहा कि दस्तावेजों से पता चलता है कि सेजे बाला के पिता, दिगेंद्र घोष और बरदा बाला घोष 1947 में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आए और असम में बस गए। सेजे बाला का जन्म 1951 में मंगलदोई जिले के बालोगरा गांव में हुआ था और उसी वर्ष उनके पिता का नाम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) में आया था। अधिवक्ता के अनुसार, 1954 में पासपोर्ट जारी किया गया था और उनका नाम 1958 और आने वाले कई वर्षों की मतदाता सूची में शामिल था। उन्होंने कहा कि उन्होंने 13 वैध दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं जो दिखाते हैं कि सेजे बाला का परिवार 1951 से पहले असम में था। दिगेंद्र घोष और सेजे बाला की व्यक्तिगत पहचान से संबंधित दस्तावेजों के साथ, हमने उनके रिश्ते (पिता और बेटी के रूप में) स्थापित करने के लिए दस्तावेज भी प्रस्तुत किए। एफटी के सत्यापन में सभी दस्तावेज वैध पाए गए। सेजे बाला पहली बार 2021 में एफटी के सामने पेश हुईं, लेकिन इससे पहले एक दुर्घटना में उनका बायां पैर टूट गया और इसके कारण उन्हें व्हीलचेयर पर ले जाया गया। कई सुनवाइयों के बाद, एफटी ने इस साल 4 नवंबर को अपनी राय दी और घोषणा की कि वह विदेशी नहीं है। एफटी ने पाया कि सेजे बाला का परिवार 1947 में भारत चला आया और यहीं रह गया। एफटी के सदस्यों ने उल्लेख किया कि दस्तावेज वैध हैं और दिखाते हैं कि उनके पिता का नाम शरणार्थी पंजीकरण प्रमाणपत्र, पासपोर्ट, 1951 की एनआरसी और 1958 की मतदाता सूची में दर्ज था। उनकी मां का नाम 1962 की दान पर्ची और 1966 की मतदाता सूची में दर्ज है। सेजे बाला का नाम बंगाईगांव में 1989, 1997, 2005, 2011 और 2020 की मतदाता सूची में दिखाई दिया। उन्हें ओबीसी प्रमाण पत्र और राशन कार्ड आदि भी दिया गया था। उन्होंने 1994 में बंगाईगांव नगर बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा जारी एक संबंध प्रमाण पत्र (अपने पिता दिगेंद्र चौधरी घोष के साथ) प्रस्तुत किया था और एफटी ने इसे एक वैध दस्तावेज माना था। सीजेपी के सदस्यों के मुताबिक, एफटी के आदेश की कॉपी हाथ में पाकर वह रो पड़ीं। उन्होंने कहा कि वह इस अपमान के लायक नहीं थी। सीजेपी के राज्य प्रभारी नंदा घोष ने कहा कि वह इस बात से नाराज हैं कि एफटी ने उन्हें बांग्लादेशी कहा। लेकिन वह नहीं चाहती थीं कि कोई माफी मांगे, इसके बजाय उन्होंने कहा कि भगवान उन्हें न्याय देंगे। नंदा ने कहा कि सेजे बाला के बेटे की कुछ साल पहले मौत हो गई थी और परिवार के अन्य सदस्यों ने उन्हें छोड़ दिया है। वह अपने घर पर अकेली रहती है और पड़ोसी उसकी देखभाल करते हैं। उनके मुताबिक, गोपाल घोष नाम का एक भतीजा भी उनकी मदद करता है।

मणिपुर विस समितियों ...

था, जो चुराचांदपुर सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। वहीं, माओ निर्वाचन क्षेत्र के नागा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के विधायक लोसी दिखो को सरकारी आश्वासनों पर समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। यह पद पहले सैतू निर्वाचन क्षेत्र के निर्दलीय विधायक हाओखोलेट किपगेन के पास था। लमलाई से भाजपा विधायक के इबोमचा को वुंगजागिन वाल्टे के स्थान पर विधानसभा पुस्तकालय समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। बता दें कि मणिपुर में मेइतीस और कुकिस के बीच जातीय हिंसा की शुरुआत के दौरान भीड़ द्वारा हमला किए जाने के बाद वाल्टे को गंभीर चोटें आईं थीं। नियुक्तियों से संबंधित बुलेटिन बुधवार को जारी किए गए। हालांकि, अधिसूचना में प्रतिस्थापन के लिए कोई कारण नहीं बताया गया है, लेकिन विधानसभा के नियम 198 (2) के अनुसार, अगर अध्यक्ष किसी कारण से कार्य करने में असमर्थ है, तो अध्यक्ष उसके स्थान पर किसी अन्य अध्यक्ष को नियुक्त कर सकता है।

नलबाड़ी में बेटी ...

दिया। जिला प्रशासन के अनुरोध पर, कई लोग अपना आशीर्वाद देने के लिए आगे आए और यहां तक कि दूल्हे और दुल्हन की शादी का खर्च भी वहन किया। इस कार्यक्रम में राज्य के पर्यटन मंत्री, डीसी, पुलिस अधीक्षक और कई अन्य प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित थे। इसके अलावा, सामूहिक विवाह समारोह में, जिला प्रशासन ने हरित विवाह को भी बढ़ावा दिया, जिसके तहत संपूर्ण विवाह कार्यक्रम प्लास्टिक-मुक्त था। इस कार्यक्रम में मुख्य मुद्दों पर सामाजिक जागरूकता पैदा करने के साथ-साथ मेगा-इन्फोटेनमेंट भी शामिल था। नलबाड़ी जिले की जिला आयुक्त वर्णाली डेका ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व और सम्मान की बात है कि हम 10 जोड़ों को शामिल करते हुए इस सामूहिक विवाह का आयोजन कर सके। हमने उनकी शादी के सभी पहलुओं और लोगों की भी मदद की। पर्यटन मंत्री ने उन प्रयासों का नेतृत्व किया, जिसमें प्रशासन, विभिन्न विभागों के साथ-साथ *जनभागीदारी* (सार्वजनिक भागीदारी) की भावना से लोग भी शामिल थे। डेका ने कहा कि हमने इस कार्यक्रम में पारंपरिक असमिया शादी की रस्मों का पालन किया है। हर कोई इस पहल का समर्थन करने के लिए आगे आया। उत्सव का माहौल है और हर कोई उत्सव के मूड में है। यह एक पहल है, जिसे हमने पीएम मोदी के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के दृष्टिकोण के अनुरूप शुरू किया है। प्रशासन इसमें हर बेटी का ध्यान रखता है। हम सभी कॉलेजों में सैनिटरी नैपकिन मशीनें स्थापित कर रहे हैं और जिले में शहरी स्कूल भी स्थापित कर रहे हैं। इसके अलावा, हमारा उद्देश्य था शून्य-अपशिष्ट, पूरी तरह से प्लास्टिक-मुक्त शादी का आयोजन करना। असम के पर्यटन मंत्री जयंत मल्ल बरुआ ने कहा कि मुझे आज अपने आसपास उत्सव जैसा माहौल महसूस हो रहा है और मैं इस अनूठी पहल के लिए जिला प्रशासन और श्री श्री हरि मंदिर प्रबंधन समिति को धन्यवाद देता हूं। बरुआ ने कहा कि जो लोग आर्थिक रूप से पिछड़े हैं और शादी के बंधन में बंधना चाहते थे, उन्होंने सामूहिक विवाह कार्यक्रम के लिए आवेदन किया। जिला प्रशासन, श्री श्री हरि मंदिर की मदद से, इन जोड़ों को उनके विवाह के लिए एक साथ लाया। उन्होंने कहा कि कुल 10 जोड़े आज शादी के बंधन में बंधे। हमने इस विवाह समारोह के लिए सभी असमिया पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन किया है। इस कार्यक्रम में सभी वर्गों के लोगों ने भाग लिया। उनमें से कई ने इन धन्य जोड़ों को वित्तीय मदद भी दी। उम्मीद है, हम हर साल ऐसे और आयोजन करेंगे। हमने हरित समारोह का आयोजन किया बरुआ ने कहा कि शादी में हमने ऐसी किसी भी सामग्री का इस्तेमाल नहीं किया जो हमारे पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सके। नलबाड़ी जिले के दूल्हे राजू दास ने कहा कि वह बहुत खुश और आभारी हैं कि प्रशासन ने इस तरह का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि हम आर्थिक रूप से पिछड़े हैं और अकेले इस कार्यक्रम का आयोजन नहीं कर सकते थे। हम बहुत खुश हैं कि जिला प्रशासन और सरकार हमारी शादी में मदद कर सके। नलबाड़ी की एक दुल्हन जूरी दास ने कहा कि मैं इस तरह की पहल के लिए जिला प्रशासन की सराहना करती हूं। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) की शुरुआत पीएम मोदी ने जनवरी 2015 में हरियाणा के पानीपत में की थी। यह घटते बाल लिंग अनुपात (सीएसआर) और जीवन-चक्र निरंतरता में महिला सशक्तिकरण के संबंधित मुद्दों को संबोधित करना चाहता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को ...

चंद्रचूड़ ने कहा कि आजादी कुछ नहीं बल्कि अपने लिए फैसला लेने योग्यता है जिससे हमारा जीवन बदल जाए। चीफ जस्टिस ने कहा व्यक्ति की पहचान की उसकी एजेंसी और जीवन में लिए गए उसके फैसलों से जुड़ी है। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग अपनी जाति, जाति, धर्म, लिंग या यौन रूझान के कारण भेदभाव का सामना करते हैं। उन्हें हमेशा उत्पीड़न का सामना करना पड़ेगा। यह सामाजिक रूप से प्रभावी है। मुख्य न्यायाधीश ने यह भी बताया कि डिजिटल युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कई आकर्षक पहलुओं का सामना कैसे किया जाता है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और व्यक्तित्व के बीच एक जटिल संबंध है।

राजस्थान विस चुनाव...

स्थित एक मोहल्ले में किसी बात को लेकर दो गुटों के बीच पहले कहासुनी हुई और फिर देखते ही देखते मारपीट होने लगी। विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया कि दोनों गुटों ने एक-दूसरे पर जमकर पथराव किया। दोनों तरफ से बेकाबू हुई स्थितियों से मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। दोनों पक्षों के बीच पथराव की इस घटना से स्थानीय क्षेत्र के लोग इतने डरे-सहमे रहे कि उन्होंने अपने-अपने घरों में दुबककर जान बचाई। इधर, सूचना मिलने के बाद पुलिस और चुनाव ड्यूटी में तैनात अन्य सुरक्षा कर्मी मौके पर पहुंचे और स्थिति संभाली। राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए मतदान दिवस के दिन दो जगहों से बुरी खबर आई। दोनों ही घटनाएं चलते मतदान के दौरान हुई, जिसने संबंधित मतदान केंद्र पर हड़कंप मचा कर रख दिया। एक जगह जहां मतदान केंद्र पहुंचे बुजुर्ग वोटर की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में मौत हुई, तो वहीं एक जगह पोलिंग एजेंट की हार्ट अटैक आने से मौत हो गई। झालावाड़ा के खानपुर स्थित एक मतदान केंद्र में वोट डालने पहुंचे एक 70 वर्षीय बुजुर्ग की अचानक तबीयत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। बकानी क्षेत्र के मोल्क्या कलां गांव में कन्हैयालाल नाम के एक बुजुर्ग कतार में लगकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान कतार में खड़े-खड़े ही वे बेसुध हो गए और गश खाकर जमीन में गिर पड़े। मतदान केंद्र पर पहुंचे अन्य वोटर्स और वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों ने कन्हैयालाल को सम्भाला और उन्हें नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने उनका स्वास्थ्य परीक्षण करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग वोटर को हार्ट अटैक आया था। हालांकि इस घटना के बीच मतदान केंद्र पर वोटिंग का काम लगातार जारी रहा। पाली के सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र में एक पोलिंग एजेंट की हृदय गति रुकने से मौत होने की घटना ने भी सभी को स्तब्ध कर दिया। यह हादसा मनिहारी गांव के एक बूथ का बताया जा रहा है। मृतक पोलिंग एजेंट की पहचान 65 वर्षीय शांतिलाल राजपुरोहित के तौर पर बताई गई। बताया ये भी गया है कि शांतिलाल भाजपा प्रत्याशी के एजेंट के तौर पर तैनात था। लेकिन आज सुबह अचानक उन्हें हार्ट अटैक आया जिनकी बाद में मौत की पुष्टि हुई। इस घटना के दौरान कुछ देर के लिए मतदान जरूर रुका था। शव को पाली अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। उदयपुर ग्रामीण के एक पोलिंग बूथ पर 69 साल के वोटर्स की कुछ ऐसी ही मौत हुई। अजमेर जिले के पुष्कर विधानसभा में 81 साल के त्रिलोक चंद नाहर की मतदान के बाद घर पहुंचते ही मौत हो गई। त्रिलोक चंद पुष्कर शहर के सावित्री मोहल्ला के रहने वाले थे। राजधानी जयपुर के पलवाला जाटान गांव के ग्रामीणों ने क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए चुनाव का बहिष्कार किया। ग्रामीणों ने चुनाव का बहिष्कार इसलिए किया है क्योंकि पिछले कई सालों से उनकी मांग है कि गांव को तुंगा से जोड़ा जाए। हालांकि, किसी भी सरकार ने उनकी मांग को अभी तक पूरा नहीं किया। यहां मतदान शुरू होने से लेकर शाम तक गांव से एक भी ग्रामीण बूथ पर वोट डालने नहीं पहुंचा। ये ग्रामीण पिछले सात चुनावों का भी बहिष्कार कर चुके हैं। राज्य सरकार एवं अधिकारियों की उदासीनता और समस्याओं के समाधान में जन प्रतिनिधियों की निष्क्रियता से नाराज गांव के लोगों ने इस बार भी चुनाव का बहिष्कार करने का फैसला किया। पोलिंग बूथ संख्या 155 पर तैनात एसडीएम, एसीपी फूलचंद मीना और पुलिसकर्मी मतदान के लिए ग्रामीणों का इंतजार करते रहे। सूत्रों के अनुसार, प्रशासन के आग्रह पर केवल 6 से 7 राज्य कर्मचारियों ने वहां मतदान किया। जयपुर के सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र में भाजपा और कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में झड़प हो गई। एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर किडनैप कर ले जाने का भी आरोप लगाया। स्थानीय जनता के बीच पर आने पर आरोपी मौके से गाड़ी लेकर फरार हो गए। इस संबंध में सोडाला थाना पुलिस ने तीन लोगों को शांतिभंग में गिरफ्तार किया है। जयपुर (दक्षिण) डीसीपी योगेश गोयल ने बताया कि सुशीलपुरा में झगड़े की सूचना मिली थी। इसके बाद सोडाला थाना पुलिस को मौके पर भेजा गया। गोयल का कहना है कि सुशीलपुरा के बूथ संख्या 157 पर कुछ लोगों का भाजपा कार्यकर्ता दीपक शर्मा के साथ झड़प हो गई थी। वहीं भाजपा ने आरोप लगाया है कि उनके कार्यकर्ता दीपक शर्मा के साथ ना सिर्फ मारपीट की गई, बल्कि अपहरण का भी प्रयास किया गया। भाजपा के कार्यकर्ता दीपक शर्मा ने बताया कि वह पहले कांग्रेस पार्टी का कार्यकर्ता था, लेकिन एक महीने पहले भाजपा ज्वाइन की। इसके चलते ही उसके साथ मारपीट की गई और गाड़ी में डालकर ले जाने का प्रयास किया। हालांकि आस-पास खड़े लोगों ने उनको भगाया तो वह बच गया। जयपुर के झोटवाड़ा विधानसभा सीट के एक मतदान केंद्र पर खासा हंगामा हुआ। यहां फर्जी वोटिंग की शिकायत ने देखते ही देखते इतना ज्यादा तूल पकड़ लिया कि भाजपा प्रत्याशी राज्यवर्धन सिंह ना सिर्फ मौके पर पहुंचे, बल्कि उन्होंने यहां धरने पर बैठकर अपना विरोध भी दर्ज करवाया। इस घटनाक्रम का पता चलने पर कांग्रेस प्रत्याशी अभिषेक चौधरी भी मौके पर पहुंच गए। कांग्रेस-भाजपा के दोनों प्रत्याशियों और उनके समर्थकों के एक जगह पर पहुंचने से कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बनी रही। ये पूरा घटनाक्रम झोटवाड़ा के सिंवार ग्राम पंचायत स्थित पोलिंग बूथ पर हुआ।

बाल-बाल बचे ...

में पिकअप ट्रक ने ऊपरी शिलांग में टक्कर मारी, जब मुख्यमंत्री एक आधिकारिक कार्यक्रम के लिए भारत-बांग्लादेश सीमा के पास स्थित दाउकी शहर जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक, एक पिकअप ट्रक ने मुख्यमंत्री के काफिले की पायलट कार को टक्कर मार दी, जिससे दोनों गाड़ियां आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गईं।

कराची के शॉपिंग ...

व्यक्ति को निकाल लिया जाए। हमने 42 लोगों को बचाया है जिनमें सभी पुरुष हैं और वे आज सुबह करीब सात बजे आग लगने के समय इमारत में मौजूद थे। कराची के मेयर मुर्तजा वहाब ने कहा कि आग लगने की घटना में नौ लोगों की मौत हो गई, लेकिन पुलिस अधिकारी सुम्मैया सैयद ने कहा कि अब तक 11 शव दो अस्पतालों में लाए गए हैं। उन्होंने बताया कि नौ शवों को जिन्ना अस्पताल ले जाया गया, जबकि दो अन्य को सिविल अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि बचाए गए लोगों में से छह की हालत गंभीर है। मुबीन ने कहा कि वे आग लगने के कारण का पता लगा रहे हैं। दमकल विभाग एवं बचाव अभियान के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि आग पर काबू पा लिया गया है।

रूस ने यूक्रेन...

हवाई हमला था। पोपको ने बताया कि कीव पर हमला स्थानीय समयानुसार प्रातः चार बजे शुरू हुआ, जो छह घंटे से अधिक समय तक जारी रहा। उन्होंने बताया कि हमले से 77 आवासीय भवनों और 120 संस्थानों में बिजली गुल हो गई। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि शहर में कई घंटों तक हुए ड्रोन हमलों में कम से कम पांच नागरिक घायल हो गए और कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। उन्होंने बताया कि घायलों में 11 वर्षीय एक लड़का भी शामिल हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने *टेलीग्राम* पर लिखा कि हमारे जवानों ने ज्यादातर ड्रोन मार गिराए। हम अपनी वायु रक्षा को मजबूत करने और भी ड्रोन को मार गिराने के लिए काम करना जारी रखे हैं। कीव के अलावा, सुमी, निप्रॉपेट्रोस, जापोरिजिया, मायकोलाइव और किरोवोह्रद क्षेत्रों को भी निशाना बनाया गया।

खालिस्तान के बहाने ...

परिवर्तन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भारत की विदेश नीति में भारी बदलाव आया है और भारत अच पश्चिमो देशों का पिछलग्गु बनने की बजाय आक्रामक रूप से विदेश नीति कर रहा है। यही बात क्रिश्चियन वर्ल्ड को अखर रही है और पश्चिमी देश कभी मणिपुर में चत्रों पर हुए हमलों के बहाने तो कभी खालिस्तानियों के बहाने भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। पश्चिमी देशों को भारत की अर्थव्यवस्था में आ रही तेजी और मजबूत लीडरशिप रास नहीं आ रही है, लिहाजा पश्चिमी देश भारतीय चुनाव को प्रभावित करने के लिए वैश्विक स्तर पर भारत के खिलाफ इस तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। पश्चिमी देश निज्जर की हत्या के मामले में भारत को तो कनाडा का सहयोग करने की बात कह रहे हैं, लेकिन कनाडा की धरती पर बैठकर भारत में आतंकी गतिविधियां चला रहे और टार्गेट किलिंग कर रहे गैंगस्टरों को भारत के हवाले करने के लिए कनाडा पर दवाव नहीं बना रहे। भारत कई चार इस विषय में कनाडा को डाबियर देकर कनाडा में बैठे और भारत में वाछित अपराधियों के काले कारनामे बता चुका है, लेकिन इसके बावजूद इन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। भारत द्वारा कनाड़ा को लगातार की जा रही गुजारिश पर पश्चिमी देशों की चुप्पी ने भी भारत को लेकर पश्चिमी देशों के दोहरे रवैये की पोल खोल दी है। पिछले कुछ वर्षों से अमरीका और चीन के मध्य रिश्तों में खटास चल रही थी। खाम तौर पर कोरोना महामारी के फैलने के लिए पश्चिमी जगत चीन को ही विलेन मानता रहा है और अमरीका और चीन के मध्य कई कार टकराव की स्थिति भी पैदा हो गई। खास तौर पर ताईवान के मामले में अमरीका ने खुलकर ताईवान का साथ दिया और चीन के खिलाफ पश्चिमी देशों को एकजुट किया। चीन के साथ चल रहे टकराव के कारण अमरीका ने भारत के साथ नजदीकी बनाई और भारत का भी इस्तेमाल करने की हद तक चला गया। दक्षिण एशिया में चीन का प्रभाव कम करने के लिए बनाए गए क्वाड देशों के समूह में भारत को शामिल किया गया। इस समूह में भारत के अलावा कनाडा, जापान, अमरीका और आस्ट्रेलिया शामिल है और इस समूह का इस्तेमाल भी चीन के खिलाफ ही किया जाता है। अमरीका के साथ भारत की नजदीकी के चलते ही भारत ने रूस और यूक्रेन के मध्य चल रहे युद्ध में खुले तौर पर रूस का साथ नहीं दिया, जबकि रूस भारत का पुराना मित्र है। विदेश नीति के जानकारों का मानना है कि भारत की इसी नीति के कारण चीन रूस के करीब हो गया और अब चीन और अमरीका के मध्य बढ़ रही नजदीकियों और राष्ट्रपति जो बाइडेन व शी जिनपिंग के मध्य हुई मुलाकात के बाद अमरीकी प्रशासन के अधिकारियों ने भारत के खिलाफ जाने वाली इस खबर को मीडिया में लीक करवा दिया। अमरीका के अखबार फाइनेंशियल टाइम्स में प्रकाशित इस रिपोर्ट के बाद खालिस्तानियों को वैश्विक स्तर पर भारत के खिलाफ प्रोपगंडा फैलाने का मौका मिल गया है। सखालिस्तानी पहले से ही दुनिया भर के गुरुद्वारों में एकजुट होकर भारत के खिलाफ भड़ास निकालने का काम कर सहे हैं और हरदीप सिंह निम्वर की हत्या के बाद भारत के खिलाफ यह प्रोपेगंडा ज्यादा तेज हो गया था। लेकिन अब अमरीका में गुरपतवंत पन्नू की हत्या की साजिश की खबर के सामने आने के बाद अमरीकी प्रशासन ने खालिस्तानियों की और ज्यादा आक्रामक होने का मौका दे दिया है।

पत्रकार हत्याकांड : चार ...

दिल्ली की साकेत कोर्ट ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया था। बता दें कि 30 सितंबर 2008 को दिल्ली के नेल्सन मंडेला मार्ग पर महिला टीवी पत्रकार सौम्या विश्वनाथन की हत्या हुई थी। तब सौम्या नाइट शिफ्ट करके दफ्तर से अपने घर लौट रही थीं। पुलिस को सौम्या की लाश उनकी कार में मिली थी। इस मर्डर केस का खुलासा पुलिस ने करीब 6 महीने के बाद किया था। पुलिस ने किसी दूसरे हत्याकांड में आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जिन्होंने सौम्या की हत्या की बात भी कबूल ली। वहीं, सुनवाई के दौरान सौम्या की मां से जज ने पूछा कि कुछ कहना है? इस पर पीड़ित मां ने कहा कि 15 साल बाद न्याय मिल जाए। मेरे पति आईसीयू में भर्ती हैं और न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इसके बाद साकेत कोर्ट ने चारों दोषी रवि कपूर,अमित शुक्ला, बलजीत सिंह मलिक और अजय कुमार को भारतीय दण्ड विधान की धारा 302 के तहत सौम्या की हत्या का दोषी करार दिया। इसके चलते अजय सेठी को आईपीसी के सेक्शन 411 के तहत दोषी करार दिया गया।

बुजुर्ग महिला से ...

पर तेजी से फैल रहा है, जिससे व्यापक आक्रोश फैल रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद गुवाहाटी पुलिस ने तुरंत आरोपी को पकड़ लिया, जिसकी पहचान अरूप शर्मा के रूप में हुई।

हमारी सरकार ने वादे की सीमा से आगे बढ़कर काम किया : पीयूष

गुवाहाटी (हिंस)। असम के सूचना जनसंपर्क आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा कि डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार का लक्ष्य एक लाख 35 हजार युवाओं को नौकरी प्रदान करना है। रंगिया क्षेत्र में एक समारोह और कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, हजारिका ने कहा कि डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के पिछले ढाई वर्षों में 87 हजार युवाओं को नौकरियां प्रदान की हैं, और अगले ढाई वर्षों में हम अन्य 48 हजार युवाओं को नौकरियां प्रदान करने और सृजन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके अलावा, मंत्री ने हिमंत विश्व शर्मा

के वादे की याद दिलाई कि अगर वोट दिया गया तो एक लाख युवाओं को नौकरी दी जाएगी, लेकिन अब राज्य सरकार का लक्ष्य युवाओं को एक लाख 35 हजार नौकरियां प्रदान करना है। पीयूष हजारिका ने पिछली सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी के भ्रष्ट रवैए ने केवल उन उम्मीदवारों को नौकरी पाने में मदद की जो रिश्वत दे सकते थे। हालांकि, भाजपा सरकार ऐसी प्रथाओं के खिलाफ खड़ी हुई और भ्रष्टाचार को समाप्त कर दिया और किसी भी नौकरी चाहने वालों के लिए उचित प्रवेश सुनिश्चित किया। हजारिका ने कहा कि प्रमुख वादों में से एक अरुणोदय योजना को चरणबद्ध तरीके से लागू करना और चरणबद्ध तरीके से वित्तीय वृद्धि के साथ अरुणोदय का दायरा बढ़ाना था।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद किया गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम, काकचिंग, कांगपोकपी और थौबल जिलों के सीमांत और संवेदनशील क्षेत्रों में तलाशी अभियान चलाया। अभियान में कांगपोकपी जिले के कौट्रक गांव के पास एक पीटी 303 एमके-4 राइफल, एक पीटी 303 राइफल की मैगजीन, एक 12 बोर सिंगल बैरल बंदूक, एक डेटोनेटर, 36 एचई हैंड ग्रेनेड, एंटीना के साथ एक हैंड हेल्ड रेडियो सेट, छह 12 बोर जिंदा कारतूस, चार 12 बोर खाली कारतूस बरामद किया गया।

टैक्स बार एसोसिएशन, गुवाहाटी ने आयकर विभाग के आउटरीच कार्यक्रम में भाग लिया

गुवाहाटी। टैक्स बार एसोसिएशन, गुवाहाटी ने आयकर भवन, गुवाहाटी में आयोजित *चैरिटेबल ट्रस्ट, एनजीओ और नॉट फॉर प्रॉफिट ऑर्गनाइजेशन* पर आउटरीच कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर, मनीष कनौजिया, आयकर आयुक्त (छूट), कोलकाता; चंद्र भानु मंडल, आयकर उपायुक्त (छूट), कोलकाता; और बुभूति कर्माकर, आयकर अधिकारी (छूट), गुवाहाटी उपस्थित थे और उन्होंने प्रतिभागियों को पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से चैरिटेबल ट्रस्ट, एनजीओ और नॉट फॉर प्रॉफिट संगठन से संबंधित विभिन्न आयकर प्रावधानों के बारे में बताया। वक्ताओं ने प्रतिभागियों के प्रश्नों का भी उत्तर दिया। टैक्स बार एसोसिएशन, गुवाहाटी ने मनीष कनौजिया, आयकर आयुक्त (छूट), कोलकाता और चंद्र भानु मंडल, उप आयकर आयुक्त (छूट), कोलकाता को सम्मानित किया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष एडवोकेट दिनेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में एसोसिएशन के 20 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने सक्रिय रूप से भाग लिया। आज जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में, एसोसिएशन के सचिव सीए गोपाल सिंघानिया ने कहा कि विभाग द्वारा विभिन्न हितधारकों के साथ इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन विभिन्न वैधानिक प्रावधानों के सामंजस्य और उनके उचित कार्यान्वयन की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है।

समाजसेविका सुशीला देवी कयाल का निधन, शोक

होजाई (निसं)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की होजाई शाखा की सक्रिय सदस्या व विशिष्ट व्यवसाई सज्जन कयाल की धर्मपत्नी सुशीला देवी कयाल (शीलू) (60) के निधन के समाचार से उनके शुभचिंतकों व परिवार के सदस्यों में शोक की लहर छा गई। गौरतलब है की सुशीला देवी कयाल का निधन शुक्रवार को गुवाहाटी के एक अस्पताल में हुआ। वे कई दिनों से अस्वस्थ थी। वे कई सामाजिक संगठनों से जुड़ी हुई थी। वे धर्म परायण, मृदुभाषी, मिलनसार, हंसमुख स्वभाव की धनी व सबों को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती थी।

गुवाहाटी में तीन दिवसीय गुरु नानक जयंती का आयोजन

गुवाहाटी (हिंस)। विश्व गुरु गुरु नानक देव की 554वीं जयंती आज से गुवाहाटी के गोपीनाथ नगर गुरुद्वारा में तीन दिवसीय (25, 26 और 27 नवंबर) कार्यक्रमों के साथ मनाई जा रही है। 25 और 26 नवंबर को शाम 6.30 बजे से रात 9 बजे तक कीर्तन की भी व्यवस्था की गई है। रविवार 26 नवंबर को फैंसी बाजार गुरुद्वारा से दोपहर 12 बजे से धार्मिक जुलूस (नगर-कीर्तन) निकाले जाएंगे। सोमवार, 27 नवंबर को सुबह 11 बजे से एक दिन के कार्यक्रम के साथ एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें 15 से 20 हजार श्रद्धालुओं का आगमन होगा।

नगरबेड़ा में 17 दिवसीय रास महोत्सव की तैयारियां शुरू

नगरबेड़ा (विभास)। नगरबेड़ा में आज से 91वें नगरबेड़ा क्षेत्रीय रस महोत्सव का उद्घाटन हो गया है। नगरबेड़ा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षक जगदीश दास ने सुबह मांगलिक कार्यक्रम के साथ लालफिता काटकर रास महोत्सव के मुख्य द्वार का अनावरण किया। नगरबेड़ा का समग्र वातावरण अयति उरुली, नाम-कीर्तन से भर जाता है। बाद में श्री श्री कृष्ण के रस महोत्सव का आधिकारिक उद्घाटन नगरबेड़ा क्षेत्रीय रस महोत्सव विभूति ठाकुरिया के अध्यक्ष द्वारा किया गया। पटाखे फोड़कर एक विशेष समारोह के माध्यम से हर्षोल्लास के माहौल में आज औपचारिक रूप से उद्घाटन किया गया नगरबेड़ा क्षेत्रीय रस महोत्सव 11 दिसंबर तक चलेगा। सभी धर्म प्राण लोगों को नगरबेड़ा रास महोत्सव में सर्वोत प्रकार की सहायता सहयोग मांगा आयोजकों ने।

फर्जी भूमि दस्तावेज मामले में लाट मंडल गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। पुलिस ने आज लगातार पूछताछ के बाद आज एक लाट मंडल (लेखपाल) को फर्जी भूमि दस्तावेज मामले में गिरफ्तार किया गया है। दिसपुर रेवेन्यू सर्किल के लाट मंडल बापधन दास (58) को फर्जी भूमि दस्तावेज के मामले में आज शाम को लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया। लाट मंडल गुवाहाटी के भरलुमुख रेलवे गेट नंबर 7, बीआर फूकन रोड के हाउस नंबर 31 में रह रहे थे। हालांकि, वे नलबाड़ी जिला के विला डिंगडिंगी के निवासी बताए गए हैं। इस संदर्भ में साइबर पीएस केस नंबर 12/23; यू/एस 120 (बी)/419/420 आईपीसी, आर/डब्ल्यू धारा 66 सी/66डी आईटी अधिनियम, धारा 409/468/471 आईपीसी के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। आगे पूछताछ जारी है।

बंगाईगांव में श्री सालासर हनुमानजी उत्सव के दूसरे दिन कई कार्यक्रम आयोजित

बंगाईगांव। बंगाईगांव में चल रहे श्री सालासर हनुमान जी के उत्सव के दूसरे दिन विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में श्री सालासर हनुमान जी का चोला स्नान, पूजन आरती के साथ अखंड रामायण पाठ एवं हनुमान चालीसा पाठ का समापन हुआ। हवन पूर्णाहुति के साथ रुद्राभिषेक भी किया गया। आज के जजमानों में अरुण माहेश्वरी, जुगल अग्रवाल, हनुमान जाजोदिया, नवीन देशवाल, अभिषेक नाहटा, अभिषेक पटावरी, हर्षित सिंधी, विवेक अग्रवाल तथा रमेश प्रजापत ने सपत्नी पूजा कराई। दोपहर को पंजाबी महिला समिति द्वारा गुरु सुखमणि साहिब का पाठ का सुंदर आयोजन हुआ। सांय काल आरती के पश्चात श्री सालासर भक्त मंडल द्वारा भजनों की अमृत वर्षा हुई। सुप्रसिद्ध भजन गायक नवीन अग्रवाल ने बालाजी महाराज के अलावा विभिन्न भजनों से अमृत वर्षा की जिसमें उपस्थित सभी भक्तों ने आनंद लिया। नवीन अग्रवाल ने भजनों की ऐसी समा बांधी की उपस्थित भक्तगण नाचने को मजबूर हो गए। श्रीमती वसुधा कोठारी एवं श्रीमती कोयल

अग्रवाल ने भी सुंदर-सुंदर भजन प्रस्तुत किया। कोलकाता से पधारे भास्कर पार्टी के द्वारा कृष्ण भक्त धन्ना जाट पर बहुत ही आकषर्णीय नृत्य नाटिका का मनमोहन मंचन किया। उपस्थित सभी भक्तों ने इस नाटिका की प्रशंसा की। आज का मंच संचालन महेश कुमार अग्रवाल ने किया। भजन संध्या के दौरान नि:शुल्क लाटरी ड्रा का भी आयोजन किया गया था। इस लकी ड्रॉ को सफलतापूर्वक संचालन करने में झलक सिंधी तथा युवराज सिंधी का पूर्ण सहयोग रहा। अंत में बालाजी की आरती के साथ दूसरे दिन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। रविवार 16 अक्तूबर को बाबा की स्वामिनी, बाबा का छप्पन भोग, श्री हनुमान घाट भक्त मंडल, गुवाहाटी के द्वारा भजनों की वर्षा तथा रात्रि को सुजानगढ़ से पधारे नवरत्न पारीक एवं गुवाहाटी के सुभाष पारीक द्वारा भजनों की अमृत वर्षा एवं नित्य नाटिका की प्रस्तुति दी जाएगी। सालासर हनुमान सेवा समिति चैरिटेबल ट्रस्ट के और से मनोज सिंधी ने सभी भक्तों से रविवार के सभी कार्यक्रमों में उपस्थित होने का आग्रह किया।

रंगिया में भाजपा का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

रंगिया (विभास)। भारतीय जनता पार्टी और हमारे सहयोगी अगले लोकसभा चुनाव में कम से कम 12 निर्वाचन क्षेत्र जीतेंगे। यह बात शनिवार को रंगिया में विशाल भाजपा सदस्यता ग्रहण समारोह एवं कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए असम सरकार के कैबिनेट मंत्री पीयूष हाजोरिका ने कही। उन्होंने कहा कि पिछले 20 दिनों में यह उनकी 10वीं सार्वजनिक बैठक है और वह पिछले 20 दिनों से असम के कई जिलों में सार्वजनिक बैठकों में भाग ले रहे हैं। मंत्री ने कहा कि इन 20 दिनों के अनुभव से भारतीय जनता पार्टी और भाजपा के मित्र दल आगामी लोकसभा चुनाव में कम से कम 12 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि आज असम के चारों ओर सिर्फ बीजेपी-बीजेपी का माहौल है। मैं जहां भी सभाओं में जाता हूं, हजारों लोग इकट्ठा हो जाते हैं। अगर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने काम नहीं किया होता, तो हजारों लोग इस तरह उनकी सभाओं में नहीं आते। मंत्री ने कहा कि लोग आज बैठक में इसलिए आए क्योंकि सरकार लोगों के लिए काम कर रही है। अपने भाषण में मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा कि अगर नरेंद्र मोदी, पिछले सात वर्षों में असम में भाजपा सरकार और हिमंत विश्व शर्मा की सरकार ने असम के लोगों की मदद नहीं की होती, तो आज रंगिया में 2, 000 से भी अधिक लोग इसतरह

भाजपा में शामिल नहीं होते। आज लोग कांग्रेस पार्टी से नफरत करते हैं, लोग अन्य पार्टियों का नाम तक नहीं जानते। मंत्री ने कांग्रेस, एजीपी और राइजोर दल की जमकर समालोचना की। उन्होंने कहा कि कहीं भी एजीपी का एक भी विधायक नहीं है, कहीं भी एक भी जिला परिषद सदस्य नहीं है, एक सांसद तो दूर की बात है। दूसरी ओर राइजोर दल नामक एक पार्टी है, उनमें से एक विधायक है और दूसरा कौन है यह असम के लोगों को नहीं पता। इसलिए राइजोर दल के अखिल गोगोई लोगों से जुड़ने की कोशिश कर रहे हैं। अखिल गोगोई का दो साल तक जनता से कोई जुड़ाव नहीं रहा इसलिए जुड़ने की कोशिश करने के लिए अखिल को कुछ साइकिलें लेकर संजोग स्थापित करने की कोशिश करनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में 15 पार्टियां हैं लेकिन लोगों को पार्टियों के नाम तक नहीं पता। ये समूह दो या तीन लोगों के समूह या सभाएं हैं। मंत्री ने कहा कि लोगों का इन पार्टियों से अब मोहभंग हो गया है और भाजपा पर उनका विश्वास बढ़ गया है, यही वजह है कि आज कांग्रेस, एजीपी और राइजोर दल के कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए हैं। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता के नेतृत्व में आज असम के हर कोने में भाजपा मजबूत हुई है और- और भी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि हमने अरुणोदय योजना की धनराशि दो बार बढ़ा दी है। 850 से 1, 000 रुपए और 1, 000 से अब 1, 250 रुपए, साथ ही मंत्री ने अगले दो महीने के भीतर राशि को और भी बढ़ाकर 1, 450 रुपए करने का वादा किया। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री के वादे के मुताबिक हमने ढाई साल में 87, 000 बेरोजगार युवाओं को नौकरी दी है। मंत्री ने अगले ढाई वर्षों में और 45, 000 बेरोजगार युवाओं को नौकरियां प्रदान करने का वादा किया। उन्होंने कहा कि हम अपने वादे पूरे करने का रिकॉर्ड बनाएंगे। हमारी सरकार के दौरान कहीं भी भ्रष्टाचार नहीं हुआ है। सभी जानते हैं कि कांग्रेस सरकार के दौरान एपीएससी और एसीएस नौकरियों के नाम पर किस तरह भ्रष्टाचार किया गया था। एक पोस्ट के लिए 50 लाख और 70 लाख रुपए की बोली लगी। लेकिन हमने इस भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। हमने योग्यता के आधार पर नौकरियों की व्यवस्था की है, इसमें अमीर-गरीब का कोई भेद नहीं किया। इस प्रकार हमने असम का माहौल बदल दिया है और इस तरह हम असम को आगे ले जाने में सफल रहे। महिलाओं को मैक्रोफाइनेंस ऋण से बचाने के मुख्यमंत्री के फैसले का जिक्र करते हुए मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा कि सरकार का गठन करने के बाद मुख्यमंत्री ने अपने दिए हुए वादे पूरे किए हैं। उन्होंने महिलाओं को मैक्रोफाइनेंस ऋण से बचाया है।

नगरबेड़ा के स्टार अकादमी की स्वागत बैठक आयोजित

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत ग्रेटर नगरबेरा में एक निजी क्षेत्र के शैक्षणिक संस्थान स्टार एकेडमी की नवागंतुक की स्वागत बैठक आज एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ आयोजित की गई। इस अवसर पर ध्वजारोहण समारोह के बाद वृक्षारोपण और नए छात्रों के परिचित पर्वतीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके बाद दोपहर 2 बजे स्कूल के शासी निकाय के अध्यक्ष मोहिदुल इस्लाम की अध्यक्षता में एक खुली बैठक हुई, जिसके बाद स्कूल के छात्रों द्वारा एक सभा आयोजित की गई। उद्घाटन भाषण नगरबेड़ा क्षेत्रीय मौजा समिति के अध्यक्ष उदय शंकर मेधी ने दिया। बैठक को नगरबेड़ा क्षेत्रीय मौजा समिति के सचिव भावेश तालुकदार, स्कूल प्रबंधन समिति की सदस्य नमिता तालुकदार और स्कूल के प्रिंसिपल जुबिन चौधरी ने संबोधित किया। अपने भाषणों में वक्ताओं ने कहा कि आज नए छात्रों के लिए इस अवसर पर संकल्प लेने का दिन है और छात्रों से कड़ी मेहनत के माध्यम से अपने जीवन का निर्माण करने और क्षेत्र को आगे बढ़ाने का आग्रह किया। बैठक में कई अन्य गणमान्य व्यक्ति, स्कूल के छात्र, शिक्षक उपस्थित थे। स्कूल की स्वागत सभा के उपलक्ष्य में शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सतिया कछारी गांव की ऐतिहासिक रास महोत्सव की तैयारी जोरों पर

विश्वनाथ (विभास)। सतिया कछारी गांव की ऐतिहासिक रास महोत्सव कछारी गांव रंग मंच में 26 व 27 नवंबर को दो दिवसीय कार्यक्रम की तैयारी जोरों पर है तीन सो साल पूर्ण होने वाले इस मोहोत्सव का गांव वासियों के लिए एक परंपरा व गौरव हासिल ह नदूवार अंचल शलाल बोर गोहाई शासन स्थापन और दक्षिण पार के विभिन्न राजां घरिया अधिकारीयो के उतर पार के आगमन के समय से ही कछारी गांव में इस रास महोत्सव शुरू हुआ था तब से लेकर आज तक गांव वासी इस परंपरा का पालन करते आ रहे हैं। इस साल पूरे गांव वासी रास महोत्सव की तैयारी बड़े धूम धाम से कर रहे हैं। इस वर्ष रास में कंश के रूप में अभिनय करेंगे स्थानीय विधायक व गांव के गौरव पद्म हजारिका प्रथम दिन रास महोत्सव आयोजन का शुभारंभ करेंगे।

महानिदेशक, केरिपु बल ने सीआरपीएफ की 175वीं बटालियन का किया दौरा

गुवाहाटी। आज 175वीं बटालियन, केरिपु बल, रानी, कामरुप (असम) का डॉ. सुजॉय लाल थाउसेन, भापुसे, महानिदेशक केरिपु बल द्वारा दौरा किया गया। उनके बटालियन मुख्यालय आगमन पर सर्वप्रथम राजीव कुमार झा, कमांडेंट 175वीं बटालियन केरिपु बल द्वारा उनका स्वागत किया गया और बटालियन मुख्यालय के दौरा के दौरान उनकी अगुवाई की गई। इस अवसर पर मुख्यालय 175वीं बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के क्वार्टर गार्ड पर महानिदेशक महोदय को सलामी दी गई। महोदय ने इस बटालियन मुख्यालय में अवस्थित सभी संस्थानों/ शाखाओं/ मैस/ अधिनस्थ अधिकारी मैस/ समवाय में दौरा किया। इसके अतिरिक्त महानिदेशक ने सैनिक सम्मेलन के माध्यम से बटालियन मुख्यालय में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं सभी जवानों को संबोधित भी किया। अपने संबोधन में महोदय ने जीवन मूल्यों, टेकनोलॉजी का अच्छा उपयोग, अपने कार्य में शत-प्रतिशत योगदान देना, बल के द्वारा की जाने वाली विलक्षण ड्यूटियों आदि विषयों पर जोर दिया। इस अवसर पर विनोद कुमार सिंह, भापुसे, अतिरिक्त महानिदेशक, पूर्वोत्तर अंचल, श्री अनुराग अग्रवाल, भापुसे, महानिरीक्षक, पूर्वोत्तर सेक्टर, अनिल कुमार, उप महानिरीक्षक (परिचालन) रेंज गुवाहाटी, तथा 175वीं बटालियन के समस्त अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारीगण एवं जवान उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी ने वीर लाचित बरफूकन की 401वीं जयंती मनाई

विश्वनाथ (विभास)। हिंदी भाषा व साहित्य समृद्धि के साथ अन्य भाषाओं के साहित्य को हिंदी के साथ समन्वय स्थापित में जुटी असम के प्रमुख न्यास पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी, तेजपुर, असम द्वारा प्रत्येक वर्ष की भाँति असम के महान सपूत व वीर पुरुष लाचित बरफूकन का 401वां जयंती व काव्य गोष्ठी ऑनलाइन मंच गुगल मीट पर भव्यता के साथ मनाया गया। आज संध्या 7 बजे प्रथम सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के संस्थापिका व अध्यक्ष रीता सिंह सर्जना की अध्यक्षता में आयोजित और विश्वनाथ जिला इकाई के जिला सचिव व शिक्षक संतोष कुमार महतो की कुशल संचालित सभा में उपस्थित अतिथि को स्वागत किया गया। सर्वप्रथम सभा के अध्यक्षा रीता सिंह ने मंच पर उपस्थित सभी को महानुभावों को लाचित दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं ज्ञापन की। इसके बाद सभा के संचालक संतोष कुमार महतो आह्वान पर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, उपस्थित अतिथियों असम के महान योद्धा लाचित बरफूकन की जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। सभा के मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा

विभाग, केंद्रीय हिंदी निदेशालय के सहायक निदेशक साहित्यकार डॉ. किरण झा ने कहा पूर्वोत्तर में ऐसे- ऐसे करनामे हुए जिन्हें हम अगर सभी को शब्दों में पिरोने लगे तो शायद एक महासागर का निर्माण हो। लाचित बरफूकन की 401वीं वर्षगांठ पर उनको स्मरण किया जाना, उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करना और हम कृतज्ञ देशवासी है, उनके कार्यों के प्रति श्रद्धा अर्पित करते हैं। वीरों को याद, नमन, श्रद्धांजलि करने का यह अवसर है। उनसे हम प्रेरणा लेते हैं कि किस प्रकार विपरीत परिस्थितियों में भी रहते हुए और इतने संघर्ष झेलते हुए एक सामान्य और एक औसत कद, दर्जे के व्यक्ति भी अपने संघर्ष, पराक्रम व शौर्य से बहुत ऊंचाई पर जाकर अपना नाम सदियों के लिए तारांकित अंकित कर देते हैं। उनके प्रति देश कृतज्ञ बोध अर्पित करते हैं और कृतज्ञता से नत होते हैं। ब्रह्मपुत्र अपने विरासता के लिए प्रसिद्ध है और उसका स्वरूप भी काफी विस्तृत है। इस नद किनारे उनके विशाल प्रतिमा स्थापित की गई है एक सेनानी की प्रतिमा है, जिनके साथ उनके वीर और भी सहयोगी भी है जिसे देखकर कोई भी रोमांचित हो उठता है। इस शहीद, वीर व पराक्रम के प्रति राष्ट्र को कृतज्ञ होना है, और इसके लिए हमें उनका स्मरण रखना बहुत आवश्यक है। अंत में अकादमी को साधुवाद देते हुए इसी प्रकार असम के शौर्य, वीर के प्रति कृतज्ञता जनाते हुए कार्यक्रम की दिशा बढ़ाते रहे। विशिष्ट अतिथि विश्वनाथ के वरिष्ठ साहित्यकार व सेवानिवृत्त अध्यापक हरिप्रसाद लुइटैल ने लाचित बरफूकन जी जीवन की समग्र झलक सुरुचिपूर्ण प्रस्तुत करते हुए कहा लाचित बरफूकन का बचपन से ही साहस का परिचय मिलता था। वह एक मेधावी संपन्न, वीर सपूत थे। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित असम के जाने माने वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सांवरमल सांगानेरिया जी ने लाचित बरफूकन के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनकी मातृभूमि के प्रेम पर महत्वपूर्ण बातें कही और शराइघाट के युद्ध के ऊपर प्रकाश डाले। इसके बाद दूसरे सत्र में काव्य गोष्ठी हुआ, काव्य गोष्ठी में हिंदी कविता क्रमश: विश्वनाथ के मनीषा पाल, उदालगुड़ी के कवयित्री तुलसी छेत्री, हिंदी सेवी मानव दे, गीता लिम्बू, सैनिक कवि विशाल के सी, मध्यप्रदेश के बड़वानी से विजय पाटिल, पंजाब के संगरूर से तरुण बंद्रा, उत्तर प्रदेश के देवरिया से प्रेम नारायण तिवारी, अरुणाचल प्रदेश से कागो मादो, प्रेम विश्वकर्मा, दिल्स लक्ष्मीन्द्र सिन्हा ने सभी श्रोताओं को भाव विभोर किया। इस मौके पर तेजपुर विश्वविद्यालय, हिंदी विभाग के सहायक आचार्या डॉ. गोमा अधिकारी, वरिष्ठ लेखिका डॉ. अनीता पंडा, वरिष्ठ कवयित्री ममता गिनोड़िया, कवि किशोर अग्रवाल, शिक्षक सुजीत कुमार शर्मा ने ऑनलाइन मंच पर उपस्थित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढाई। इस समारोह में पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के सदस्य व हिंदी सेवी मानव दे कार्यक्रम में उपस्थित सभी महानुभावों को विशेष धन्यवाद से सभा का समापन किया गया।

तेलंगाना के विकास के लिए भाजपा का जीतना जरूरी : शाह

नई दिल्ली/हैदराबाद, (हि.स.)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि तेलंगाना के विकास से लिए राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार समय की मांग है। शाह ने शनिवार को हैदराबाद में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि तेलंगाना में केसीआर की सरकार ने भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति की है। कांग्रेस, बीआरएस और एआईएमआईएम तीनों पार्टियों को सिर्फ अपने परिवार की चिंता है। राज्य का विकास इनकी प्राथमिकता नहीं है। शाह ने कहा कि वह तेलंगाना की जनता से कहना चाहते हैं कि आपने कांग्रेस को मौका दिया वो बीआरएस में शामिल हो गए, बीआरएस को मौका दिया तो उन्होंने भ्रष्टाचार व तुष्टीकरण के अलावा कोई काम नहीं किया। इस बार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनाइये, हम तेलंगाना निर्माण के लिए जिन युवाओं ने बलिदान दिया, उनके स्वप्नों को पूरा करने का काम करेंगे। शाह ने कहा कि किसी भी सरकार की विश्वसनीयता इससे पता चलती है कि उसने जो वादे किये थे वो पूरे हुए या नहीं। लेकिन केसीआर की सरकार ने तेलंगाना की जनता से किए वादे पूरे न करके केवल घोटाले करने का काम किया है। उन्होंने अपने घोषणा पत्र में 01 लाख नौकरियां देने का वादा किया था लेकिन 08 से ज्यादा पेपर लीक हुए, भर्तियां तो हुई ही नहीं। केसीआर ने वादा किया था कि वह 40 लाख बच्चों को मुफ्त शिक्षा देंगे, वो भी नहीं हुआ। 07 लाख गरीबों को घर देने का वादा भी नहीं पूरा कर पाए। उल्लेखनीय है कि तेलंगाना में 119 विधानसभा सीटें हैं। यहां एक ही फेज में 30 नवंबर को मतदान होगा और मतगणना 3 दिसंबर को होगी।

मोदी ने तेजस से भरी उड़ान और कहा आत्मनिर्भरता में हम किसी से कम नहीं

बेंगलुरु,(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एचएएल निर्मित स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस से शनिवार को उड़ान भरी। दरअसल आज सुबह पीएम मोदी बेंगलुरु स्थित हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के कारखाने पहुंचे थे। यहां उन्होंने तेजस में उड़ान भरने के साथ ही सोशल मीडिया पर अपने अनुभव साझा किए। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने आज तेजस विमान में उड़ान भरने का अनुभव लिया।

पीएम मोदी मैन्यूफैक्चरिंग हब (विनिर्माण) का निरीक्षण करने के लिए बेंगलुरु पहुंचे थे। इसी बीच उन्होंने तेजस विमान में उड़ान भरने का अनुभव लिया और अपने अनुभव को सोशल मीडिया में साझा किया। अनुभव साझा करते हुए उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि आज तेजस में उड़ान भरते हुए गर्व के साथ कह सकता हूं कि हमारी मेहनत और लगन के कारण हम आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में विश्व में किसी से कम नहीं हैं। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय वायुसेना, डीआरडीओ और एचएएल के साथ ही समस्त भारतवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी प्रारंभ से ही रक्षा उत्पादों के स्वदेशी उत्पादन और निर्माण पर जोर देते रहे हैं।

कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री की विदेश दौरे की अनुमति की मांग वाली याचिका पर कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोपित और कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की विदेश जाने की अनुमति देने की मांग वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। स्पेशल जज विकास ढल ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। डीके शिवकुमार ने यूनाइटेड नेशन क्लाइमेट चेंज कॉन्फ्रेंस से जुड़े कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दुबई जाने की अनुमति मांगी है। सुनवाई के दौरान ईडी ने डीके शिवकुमार की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि सरकारी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विदेश मंत्रालय से राजनीतिक मंजूरी ली जाती है। इस पर शिवकुमार के वकील ने कहा कि कर्नाटक सरकार उप मुख्यमंत्री शिवकुमार को विदेश यात्रा पर जाने की मंजूरी दे चुकी है। विदेश यात्रा की राजनीतिक मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को भी आवेदन दिया जा चुका है। शिवकुमार ने 29 नवंबर से 03 दिसंबर तक दुबई जाने की अनुमति मांगी है। दो अगस्त को कोर्ट ने इस मामले के चार आरोपितों को जमानत दी थी। कोर्ट ने जिन आरोपितों को जमानत दी थी उनमें सचिन नारायण, सुनील कुमार शर्मा, आंजनेय हनुमंतैया और राजेन्द्र एन शामिल हैं। शिवकुमार को दिल्ली हाई कोर्ट पहले ही जमानत दे चुका है। 31 मई को कोर्ट ने शिवकुमार समेत पांच आरोपितों के खिलाफ ईडी की ओर से दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। ईडी ने सभी आरोपितों के खिलाफ 26 मई 2022 को चार्जशीट दाखिल की थी। कोर्ट ने 31 मई 2022 को चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। शिवकुमार को 3 सितंबर 2019 को ईडी ने गिरफ्तार किया था। 23 अक्टूबर 2019 को दिल्ली हाई कोर्ट ने शिवकुमार को 25 लाख रुपये के मुचलके पर जमानत दी थी। शिवकुमार को दिल्ली हाई कोर्ट से मिली जमानत को ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने 15 नवंबर 2019 को ईडी की याचिका खारिज कर दी थी।

दिल्ली दंगा: शरजील की वैधानिक जमानत याचिका पर 2 दिसंबर को फैसला

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट ने दिल्ली दंगा मामले के आरोपित शरजील इमाम की वैधानिक जमानत याचिका पर फैसला टाल दिया है। एडिशनल सेशंस जज अमिताभ रावत ने वैधानिक जमानत याचिका पर 2 दिसंबर को फैसला सुनाने का आदेश दिया। कोर्ट ने 13 अक्टूबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट ने 29 अगस्त को दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया था। शरजील इमाम की ओर से वकील अहमद इब्राहिम और तालिब मुस्तफा ने याचिका में कहा है कि उसने अधिकतम 7 साल की सजा की आधी सजा काट ली है। ऐसे में उसे तत्काल जेल से रिहा किया जाए। याचिका में कहा गया है कि शरजील इमाम 28 जनवरी, 2020 से हिरासत में है। वैधानिक जमानत याचिका का विरोध करते हुए दिल्ली पुलिस ने कहा कि अपराध की गंभीरता को नजरंदाज नहीं किया जा सकता है। दिल्ली पुलिस का कहना था कि सिर्फ इसलिए कि आरोपित ने उसके ऊपर दर्ज मामलों में मिलने वाली अधिकतम सजा का आधा हिस्सा जेल में बिता लिया है, इस आधार पर जमानत नहीं दी जा सकती। दिल्ली पुलिस ने शरजील इमाम के खिलाफ यूएपीए के तहत दाखिल चार्जशीट में कहा है कि शरजील इमाम ने नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ प्रदर्शन को अखिल भारतीय स्तर पर ले जाने की जी तोड़ कोशिश कर रहा था। दिल्ली पुलिस ने शरजील इमाम के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए, 153ए, 153बी और 505(2) के तहत एफआईआर दर्ज की थी।

दिल्ली के लोगों की सांसों पर सितम, हवा की गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लोगों की सांसों पर सितम जारी है। हवा की गुणवत्ता में फिलहाल कोई सुधार होता नहीं दिख रहा। प्रदूषण के कारण दिल्ली की हवा 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, आज (शनिवार) सुबह राजधानी के कई स्थानों पर समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 पार दर्ज किया गया है। जहांगीरपुरी में 468, बवाना में 466, आनंद विहार में 450, अशोक विहार में 441, द्वारका सेक्टर-8 में 439, बुराड़ी में 427, आईजीआई एयरपोर्ट पर 423, आईटीओ पर 388 और आया नगर में 383 एक्यूआई दर्ज किया गया है। पिछले 24 घंटे पहले की बात करें तो शुक्रवार सुबह आनंद विहार में एक्यूआई 411, अलीपुर में 432, वजीरपुर में 443, आरकेपुरम में 422 दर्ज किया गया था । केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, गुरुवार को दिल्ली का एक्यूआई 390 रहा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली के अनुसार, अगले दो-तीन दिन के बीच हवा की गति आमतौर पर दस किलोमीटर से नीचे रहने की संभावना है। ऐसी स्थिति में प्रदूषक तत्वों का बिखराव संभव नहीं है।

दिल्ली कूच से रोका तो पूर्व सैनिकों ने अंबाला में ट्रेनें रोकी

चंडीगढ़, (हि.स.)। वन रैंक वन पेंशन को लेकर दिल्ली में हो रही रैली में भाग लेने के लिए पंजाब से दिल्ली जा रहे सैनिकों को पंजाब-हरियाणा के शंभू बार्डर पर रोक लिया गया। जिसके बाद गुस्साए पूर्व सैनिक रेल की पटरियों पर ही बैठ गए। जिसके चलते अमृतसर-दिल्ली रेलवे लाइन से निकलने वाली गाड़ियां प्रभावित हुईं। पंजाब से बड़ी संख्या में पूर्व फौजी वाहनों पर सवार होकर दिल्ली के लिए निकले थे, लेकिन शनिवार को उन्हें शंभू बॉर्डर पर रोक लिया गया। वन रैंक वन पेंशन के अलावा अन्य मांगों को लेकर यह सभी रिटायर फौजी दिल्ली की तरफ जा रहे थे। बॉर्डर पर तैनात पुलिस ने सूचना मिलने के बाद इन्हें दिल्ली नहीं जाने दिया। इस दौरान करीब एक घंटे तक पूर्व फौजी व पुलिस कर्मचारी आपस में उलझते रहे। कोई नतीजा न निकलने पर पूर्व सैनिकों ने रेलगाड़ियां रोक दी। पूर्व सैनिक पानी की टंकी पर चढ़ गए और प्रदर्शन शुरू कर दिया। पूर्व सैनिकों के हंगामे को देखते हुए पंजाब-हरियाणा सीमा पर भारी पुलिस बल को तैनात किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पंजाब के घनौर से नायब तहसीलदार हरीश कुमार तथा हरियाणा के अंबाला से पुलिस व सिविल प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पूर्व सैनिक दिल्ली कूच की मांग पर अड़े हुए हैं। जिस कारण पिछले पांच घंटे से रेल व सड़क मार्ग बाधित है। दोनों प्रदेशों के अधिकारी पूर्व सैनिकों के साथ बातचीत में जुटे हुए हैं।

शनिवार सुबह क्लासरूम में बच्चों के बीच पहुंचीं दिल्ली की शिक्षा मंत्री

अजय त्यागी

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्री आतिशी ने शनिवार सुबह डॉ.बी.आर.अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस, ह्यूमैनिटीज, गांधी नगर का दौरा किया और छात्रों के साथ उनकी पढ़ाई को लेकर चर्चा की। इस दौरान शिक्षा मंत्री से अपने अनुभवों को साझा करते हुए छात्रों ने कहा कि स्कूल में उन्हें हर विषय को बारीकी से समझाया जाता है। इस कारण वो अब किताबों में नहीं बल्कि जीवन के अनुभवों से परीक्षा के सवालों के जबाव ढूंढते है। छात्रों ने कहा कि स्कूल में पढ़ाई केवल किताबों तक सीमित नहीं है। यहां किताबों से परे विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है और उसमें हर बच्चे की भागीदारी सुनिश्चित की जाती है। इस एक्सपोजर के जरिए हमें समाज, देश-दुनिया के बड़े मुद्दों के बारे में जानने समझने का मौका मिल रहा है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि एक समय पर किसी ने सोचा तक नहीं होगा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों में इतना आत्मविश्वास होगा। केजरीवाल सरकार ने स्पेशलाइज्ड शिक्षा और शानदार एक्सपोजर के जरिए इसे सच में तब्दील कर दिया है। मुझे ये देखकर खुशी है कि किताबों से परे मूट कोर्ट, मॉडल यूनाइटेड नेशन, यूथ पार्लियामेंट, डिबेट आदि गतिविधियाँ इस स्कूल में बच्चों के सीखने का साथी बन रही हैं। उन्होंने कहा कि एसओएसई से स्पेशलाइज्ड शिक्षा पाकर हमारे बच्चे न केवल बेहतर प्रोफेशनल बनेंगे बल्कि एक जागरूक नागरिक बनकर समाज की बेहतरी के लिए भी काम करेंगे।

क्या है दिल्ली सरकार का ह्यूमैनिटीज एसओएसई : ह्यूमैनिटीज एसओएसई उन विद्यार्थियों को ह्यूमैनिटीज और सोशल साइंस में वर्ल्ड-क्लास एजुकेशन प्रदान करेगा, जो भविष्य में वकील, जर्नलिस्ट, डेवलपमेंट प्रोफेशनल, रिसर्चर, अर्बन प्लानर और दूसरे अन्य प्रोफेशनल बनने की इच्छा रखते हैं। ये एसओएसई विद्यार्थियों में क्रिटिकल थिंकिंग, रिसर्च, लॉजिकल रीजनिंग जैसे स्किल्स डेवलप करने के साथ-साथ हिस्ट्री, जियोग्राफी, पॉलीटिकल साइंस, इकोनॉमिक्स, फिलोसफी, सोशियोलॉजी, साइकोलॉजी इत्यादि सब्जेक्ट्स में स्पेशलाइजेशन प्रदान करते है। ह्यूमैनिटीज एसओएसई के विद्यार्थी विभिन्न ऑर्गनाईजेशन्स के निर्माण और उन्हें कैसे मजबूत बनाया जाए, सीखने के साथ ही जटिल सामाजिक-आर्थिक मुद्दों को हल करने के लिए भी तैयार होंगे और अपने चुने हुए क्षेत्रों में भविष्य के टॉप प्रोफेशनल बनेंगे।

पंजाब के फिरोजपुर में बीएसएफ ने पकड़ा पाकिस्तानी घुसपैठिया

चंडीगढ़, (हि.स.)। बीएसएफ ने भारत-पाक सीमा पर फिरोजपुर सेक्टर से एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को काबू किया है। पकड़ा गया घुसपैठिया पाकिस्तानी नागरिक है। बीएसएफ के अनुसार आरोपित को शुक्रवार की रात जेसीसी बैरियर के पास से बीएसएफ 155 बटालियन के जवानों द्वारा भारतीय सीमा में घुसपैठ करते हुए पकड़ा गया है। पाक नागरिक से बरामद हुए आधार कार्ड के अनुसार युवक की पहचान रबीब बिलाल निवासी फैसलाबाद के तौर पर हुई है। आधार कार्ड के अनुसार वह पाकिस्तान स्थित कोसी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड पर मशीन ऑपरेटर के रूप में काम करता है। तलाशी के दौरान उसके पास से दो आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, माचिस व टूथब्रश बरामद हुआ। पकड़े गए आरोपित से बीएसएफ के जवानों द्वारा पूछताछ की जा रही है। इसके बाद ही पता चल सकेगा कि उसका भारत की सीमा में दाखिल होने के पीछे क्या कारण है। फिलहाल पकड़े गए आरोपित के पास से कोई संदिग्ध वस्तु नहीं बरामद हुई है, परंतु उसने भारतीय सीमा में क्यों प्रवेश किया, इसकी जांच सुरक्षा एजेंसियों द्वारा की जा रही है। बीएसएफ द्वारा आरोपित की बॉडी स्कैन करवाई जाएगी, जिससे यह पता लग सकेगा कि उसके शरीर में किसी तरह की चिप आदि तो नहीं है।

भाजपा सरकार प्रदेश में निरंतर करवा रही है विकास कार्य : कंवरपाल

-स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने जगाधरी में अपने कार्यालय पर सुनी जन समस्याएं

यमुनानगर, (हि.स.)। हरियाणा के स्कूल शिक्षा वन एवं पर्यटन मंत्री कंवरपाल ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार समाज के सभी वर्गों के प्रति समर्पित सरकार है, जो पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रदेशवासियों के हितों के लिए कार्य कर रही है। यह बात उन्होंने शनिवार को जगाधरी स्थित अपने आवास पर जन समस्याएं सुनते हुए कही। यमुनानगर और आस-पास के जिलों से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनते हुए स्कूल शिक्षा वन एवं पर्यटन मंत्री ने अधिकतर समस्याओं का मौके पर ही समाधान करवाया और शेष के संबंध में विभागाध्यक्षों से फोन पर बात कर आगामी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि व्यापक जनहित के कार्यों के लिए अधिकारियों को अपने स्तर पर ही त्वरित कदम उठाने चाहिए और ऐसे कार्यों में किसी भी प्रकार की कोई कोताही ना की जाए। उन्होंने कहा कि "सबका साथ-सबका विकास" और पूर्ण पारदर्शिता की सोच के साथ प्रदेश में निरंतर विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा गत 9 वर्षों में किए गए विकास कार्य तथा जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रदेशवासियों के जीवन में अद्भुत उत्साह तथा खुशहाली आई है इस मौके पर जगाधरी भाजपा मंडल अध्यक्ष विपुल गर्ग, भाजपा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष निश्चल चौधरी, जिला मीडिया प्रमुख कपिल मनीष गर्ग भी उपस्थित रहे।

आज 26/11 हमले के 15 साल पूरे होंगे, पर सरकार अब भी समुद्री सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं ?

मुंबई, (ईएमएस)। आज मुंबई में हुए 26/11 हमले की 15वीं बरसी है। 2008 में लश्कर-ए-तैयबा के इस आतंकी हमले में 160 लोगों की जान चली गई थी. जबकि 300 नागरिक घायल हुए थे। इस घटना के 15 साल बाद भी लोगों के जेहन में इस आतंकी हमले का खौफ बरकरार है. वहीं यह दिख रहा है कि समुद्री सुरक्षा को लेकर सरकार गंभीर नहीं है. समुद्र के रास्ते हुए इस हमले के बाद सरकार ने मुंबई की 24 घंटे सुरक्षा के लिए 46 नावें खरीदी थीं. चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि आज सिर्फ 8 नावें ही काम कर रही हैं. इनमें से कई नावें खराब हो गई हैं. हालांकि खबर है कि 22 नई नावों का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है. इनमें से 3 दर्जन से अधिक नावें, जिन्हें सुरक्षा के लिए ले जाया गया था, अब मझगांव के लकड़ी बंदर में जर्जर हालत में पड़ी हैं। ज्ञात हो कि 2008 के हमले के बाद सरकार ने समुद्री सुरक्षा को लेकर कदम उठाए और घटना की जांच के लिए एक प्रमुख समिति का गठन किया. इस समिति की रिपोर्ट के बाद सरकार ने समुद्री सुरक्षा को लेकर अगले 3 साल में 46 गश्ती नौकाएं खरीदने का फैसला किया. इसमें 23 स्पीड बोट, 19 बोट हैं जो पानी और किनारे दोनों पर चल सकती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि इसमें से केवल 8 स्पीड बोट ही आज काम कर रही हैं और बाकी 19 बोट जो दोनों जगह चल सकती हैं और 4 स्पीड बोट खराब हैं। ये सभी बोट न्यूजीलैंड से खरीदी गई थीं, आधुनिक नावें मरम्मत के लिए महंगी हैं, इसलिए उचित रखरखाव के आभाव में आज कई नावें धूल खा रही हैं। 23 स्पीड बोट में से 19 बोट के इंजन को ठेकेदारों ने मरम्मत के दौरान बदल दिया था और यह घटना सामने आने के बाद पुलिस में मामला दर्ज कराया गया था. इस बीच खबर है कि सरकार ने समुद्री सुरक्षा के लिए पुलिस के मोटर वाहन विभाग के लिए 22 नई नौकाओं की खरीद का प्रस्ताव दिया है। इसके साथ ही सूत्रों ने बताया कि सरकार ने पुरानी नाव के आधुनिकीकरण, नये घाट के निर्माण, प्रशासनिक भवन को लेकर एक प्रस्ताव कोर्ट में पेश किया है.

विभिन्न क्षेत्रों की छह हस्तियों को मिलेगा डॉ. मंगलम स्वामीनाथन राष्ट्रीय पुरस्कार

- दिल्ली के मंडी हाउस स्थित श्रीराम सेंटर में 29 नवंबर को होगा विशेष समारोह

अजय कुमार

नई दिल्ली। डॉ. मंगलम स्वामीनाथन फाउंडेशन ने वर्ष 2023 के लिए पत्रकारिता, विज्ञान रिपोर्टिंग, कला और संस्कृति, चिकित्सा, कदाचार जांच और सामाजिक सेवा में उत्कृष्टता सहित विभिन्न क्षेत्रों में छह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कारों की घोषणा की है। यह पुरस्कार 29 नवंबर को शाम 5 बजे दिल्ली के मंडी हाउस स्थित श्रीराम सेंटर में आयोजित विशेष समारोह में प्रदान किए जाएंगे। फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. आर. बालाशंकर ने बताया कि विज्ञान रिपोर्टिंग में राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श में योगदान के लिए दूरदर्शन (दिल्ली) के वरिष्ठ सलाहकार संपादक और एंकर अशोक श्रीवास्तव को डॉ. मंगलम स्वामीनाथन राष्ट्रीय पुरस्कार 2023 प्रदान किया जाएगा। उन्हें यह पुरस्कार उत्कृष्टता और अनुसंधान तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी की श्रेणी में दिया जाना है। पत्रकारिता में उल्लेखनीय योगदान के लिए मनोरमा टीवी के निदेशक जॉनी लुकोस, कला और संस्कृति क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दैनिक मातृभूमि (कोझिकोड) के आर्ट एडिटर पीवी मदनमोहनन, कला और संगीत के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दक्षिण भारत के अग्रणी पार्श्व गायक एमजी श्रीकुमार, चिकित्सा कदाचार जांच और उच्च पदों पर व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए वेब मीडिया मरुनादन मलयाली के संस्थापक एवं एडिटर-इन-चीफ साजन सकारिया को

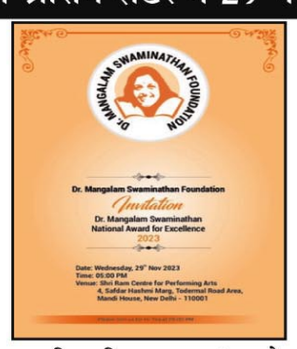

सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए स्वामी चैतन्यानंद स्वामी मदुरानंद, वेल्लिमलाई श्री विवेकानंद आश्रम, कालापडी, तमिलनाडु को 'श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी सेवा सम्मान-2023' से सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल समेत कई गण्यमान्य मौजूद रहेंगे। दरअसल, डॉ. मंगलम स्वामीनाथन फाउंडेशन पत्रकारिता, समाज सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को हर वर्ष सम्मानित करता है। वरिष्ठ पत्रकार और पूर्व राज्यसभा सदस्य आरके सिन्हा को वर्ष 2020 के पत्रकारिता में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'डॉ. मंगलम स्वामीनाथन' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वरिष्ठ पत्रकार श्रीराम जोशी को वर्ष 2021 के लिए पत्रकारिता में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'डॉ. मंगलम स्वामीनाथन' पुरस्कार से सम्मानित किया था। मलयालम मनोरमा के वरुघिस थॉमस और शलभ उपाध्याय को क्रमशः वर्ष 2020 और 2021 के लिए विज्ञान पत्रकारिता में उत्कृष्ट योगदान के फाउंडेशन की ओर से सम्मानित किया जा चुका है। भारत विकास परिषद को देशभर में सेवा एवं संस्कार कार्यों में उत्तम योगदान के लिए फाउंडेशन सम्मानित कर चुका है। बीते वर्ष दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संपादक विष्णु त्रिपाठी को पत्रकारिता में उत्कृष्ट योगदान के लिए फाउंडेशन ने सम्मानित किया था।

गाजीपुर से बृजेश सिंह, जौनपुर से धनंजय के लोकसभा चुनाव लड़ने के संकेत

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में चुनावों में बाहुबली की छवि रखने वाले नेताओं व माफियाओं के चुनाव लड़ने का सिलसिला पुराना है। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 से पहले गाजीपुर लोकसभा सीट से बृजेश सिंह और जौनपुर लोकसभा सीट से धनंजय सिंह के चुनाव लड़ने के संकेत मिल रहे हैं। इसी तरह घोसी लोकसभा सीट से मुख्तार अंसारी के समर्थक रहे अतुल राय के फिर से चुनाव लड़ने की अटकलें भी लग रही है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने एनडीए गठबंधन में शामिल होने के बाद गाजीपुर लोकसभा सीट पर दावा किया था। गाजीपुर लोकसभा सीट से ओमप्रकाश राजभर अपने पुत्र को चुनाव लड़ाना चाहते है। फिलहाल राजनीति के बड़े खिलाड़ी ओमप्रकाश ने एक बयान में गाजीपुर लोकसभा सीट से बृजेश सिंह का नाम लेकर सभी को चौका दिया है। ओमप्रकाश राजभर ने अपने बयान में कहा है कि बृजेश सिंह को वह अपने पार्टी से टिकट देकर गाजीपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ाना चाहते हैं। गाजीपुर लोकसभा सीट को भाजपा के शीर्ष नेतृत्व नेताओं ने उन्हें दिया तो उनकी यह तमन्ना आगे पूरी भी हो जायेगी। बृजेश सिंह के लोकसभा चुनाव मैदान में उतरने की सूचना से पूर्वांचल की राजनीति गरम हो गयी है। गाजीपुर के आसपास की लोकसभा सीटों पर इसका असर दिखेगा। गाजीपुर से जुडे मऊ जनपद की घोसी लोकसभा सीट पर भी इस-ाका असर होगा। घोसी लोकसभा सीट से बसपा के टिकट पर अतुल राय सांसद है, जो मुख्तार अंसारी के खेमे से जुड़ा हुआ बड़ा नाम रहे है। सांसद अतुल राय वहीं हैं, जिनके ऊपर दुष्कर्म पीड़िता और उसके साथी को आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज है और इस वक्त अतुल राय जेल में बंद है।

घोसी सीट पर भाजपा व एनडीए गठबंधन भूमिहार जाति से उम्मीदवार उतारना चाहती है, जिससे गाजीपुर और घोसी दोनों ही लोकसभा सीटों पर गठबंधन को फायदा हो। इसमें दिवंगत कृष्णानन्द राय के परिवार के सदस्य को भी गाजीपुर या घोसी से चुनाव लड़ाने पर चर्चा है। इसके अलावा भाजपा अपने पुराने भूमिहार नेताओं पर भी दांव खेलने पर विचार कर रही है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले में चुनाव हो और धनंजय सिंह का नाम सामने ना आये, ऐसा कभी हुआ नहीं है। धनंजय सिंह आजकल जनता दल युनाइटेड (जदयु) के महासचिव है और आईएनडीआईए गठबंधन की मुख्य राजनीतिक दल जदयु से जौनपुर लोकसभा सीट पर अपनी दावेदारी कर रहे हैं। वहीं उत्तर प्रदेश में जनाधार बढ़ाने के लिए लम्बे अरसे से प्रयास कर रही जदयु के लिए भी यह एक सुनहरा मौका है।

धनंजय सिंह के समर्थकों की मानें तो जौनपुर में सपा और भाजपा पार्टियों के उम्मीदवारों को कड़ा मुकाबला देने वाला कोई चेहरा है तो वह धनंजय सिंह है। वहीं धनंजय सिंह के विरोधी कहते है कि ताल ठोकने के बाद भी वह कई चुनाव हारे हैं। फिलहाल लोकसभा चुनाव 2024 के लिए धनंजय सिंह के समर्थक सोशल मीडिया पर प्रचार शुरू कर चुके है। धनंजय सिंह ने जौनपुर में बड़ा बयान देते हुए कहा है कि जनता दल युनाइटेड के टिकट पर वह चुनाव मैदान में होंगे और निश्चित ही जनता के आशीर्वाद से चुनाव लड़कर विजयी होगें। इस बार कोई ताकत उन्हें रोक नहीं सकती है। एमपी एमएलए कोर्ट से दो वर्ष की अवधि से ज्यादा की सजा मिलने के बाद कुछ दबंग छवि के नेता व माफिया जैसे विजय मिश्रा, अफजाल अंसारी, मुख्तार अंसारी न ही चुनाव टिकट मांग सकेंगे और ना चुनाव लड़ सकेंगे। लोकसभा चुनाव से पहले कुछ और भी चेहरे इसमें शामिल हो सकते हैं। जिनके मुकदमों में एमपी एमएलए कोर्ट से फैसले होने हैं।

हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मिलेगी मदद : मुख्यमंत्री

- जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी ने सुनीं 300 लोगों की समस्याएं

गोरखपुर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को हर जरूरतमंद तक बेहतरीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने सभी पात्रों का आयुष्मान हेल्थ कार्ड बनाने और किसी के पास यह कार्ड न होने पर, बड़े संस्थानों में उसके इलाज के लिए इस्टीमेट बनाकर शासन को भेजने की हिदायत दी है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से भरपूर मदद दी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुन रहे थे। जनता दर्शन में उन्होंने लगभग 300 लोगों की समस्याएं सुनीं और समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक समाधान के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और बड़े इत्मीनान से उनकी बात सुनने के बाद उनके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी लोगों को भरोसा दिलाया कि सबकी पीड़ा दूर की जाएगी। जनता दर्शन में पहुंची एक महिला ने मुख्यमंत्री को अपनी बिटिया के गंभीर रूप से बीमार होने की जानकारी दी। इस पर सीएम योगी ने उससे आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। महिला ने बताया कि आयुष्मान कार्ड नहीं बना है। मुख्यमंत्री ने पास

में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि सबसे पहले महिला की बिटिया को लखनऊ के एसजीपीजीआई या केजीएमयू में भर्ती कराकर तुरंत इलाज शुरू कराया जाए। इसमें जो भी खर्च आना है, अस्पताल से इस्टीमेट बनाकर शासन को उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को उक्त महिला का आयुष्मान कार्ड बनवाने का भी निर्देश दिया। साथ ही कहा कि जो भी जरूरतमंद आयुष्मान हेल्थ कार्ड से वंचित रह गए हैं, उनके कार्ड प्राथमिकता के आधार पर बनवाए जाएं। जनता दर्शन में पुलिस व राजस्व से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी जिले स्तर पर ही समस्या का समाधान सुनिश्चित करें ताकि लोगों को परेशान न होना पड़े। उन्होंने दो टूक हिदायत देते हुए कहा कि जनसमस्याओं के निस्तारण में हीलाहवाली अक्षम्य होगी। हर व्यक्ति की समस्या का पूरी प्रतिबद्धता और पारदर्शिता से न्यायोचित समाधान शासन-प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होती है और इसमें किसी ने भी लापरवाही की तो उसे दंड का भागी बनना पड़ेगा। इसलिए अधिकारी संवेदनशीलता से लोगों की समस्याओं को सुनें और गुणवत्तापूर्ण, त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।

मुरादाबाद में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत बंधे 2427 जोड़े

मुरादाबाद, (हि.स.)। उप्र मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत शनिवार को मुरादाबाद में दिल्ली रोड स्थित बुद्धि विहार के मैदान में सामूहिक विवाह समारोह सम्पन्न हुआ, जिसमें 2427 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। एक पंडाल के नीचे विवाह और निकाह विधि विधान से मंत्रोच्चार और कुरान पाक की आयतों को पढ़कर जोड़ों को एक दूजे के संग परिणय सूत्र बंधन में बांधा गया। नवविवाहित दंपति के परिवार के सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल रहे। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शेफाली सिंह व नगर विधायक रितेश गुप्ता ने कहा कि शुभ मुहूर्त में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत ऐसे आयोजन का संकल्प मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार अपने कार्यकाल में करा रही है। विधान परिषद सदस्य व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सतपाल सिंह सैनी ने कहा कि विवाह बंधन में बंधने के बाद जीवन में सभी सुख-दुख साथ निभाने को गृहस्थ जीवन में कदम रखने वाले जोड़े सुखमय जीवन व्यतीत करें। जिलाधिकारी मानवेन्द्र सिंह ने नव विवाहित जोड़ों के सुखमय जीवन की प्रार्थना कर सभी को बधाई दी। मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव नव दंपति आने वाले समय जीवन में सुख समृद्धि लेकर आए यही शुभकामनाएं हैं। डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त व गोपाल अंजान और भाजपा जिलाध्यक्ष आकाश पाल ने कहा कि विवाहित जोड़ों को शादी के बाद सुखमय गृहस्थ जीवन के लिए सरकार की ओर से 35,000/- रुपये वधुओं के खाते में आनलाइन माध्यम से भेजा गया। आयोजन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना, एडीएम नगर ज्योति सिंह, एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया, समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र गौतम, पीडी सतीश प्रसाद मिश्रा, सुनील कुमार धनवंता आदि ने सामूहिक विवाह में वर और वधु को आशीर्वाद दिया।

सर्विस बुक में प्रथम बार दर्ज जन्मतिथि संशोधित नहीं की जा सकती : हाईकोर्ट

प्रयागराज, (हि.स.)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि कर्मचारी के सर्विस बुक में प्रथम बार दर्ज जन्म तिथि संशोधित नहीं की जा सकती। फैसले में कोर्ट ने आगे कहा कि भले ही जन्म तिथि को संशोधित कर सही कर दिया गया हो, परंतु नौकरी के समय सर्विस बुक में रिकॉर्ड की गई जन्मतिथि बाद में सर्विस बुक में संशोधित नहीं की जा सकती। यह निर्णय जस्टिस मंजीव शुक्ला ने झांसी जिले में प्राथमिक विद्यालय में नौकरी कर रही अध्यापिका श्रीमती कविता कुरील की याचिका को खारिज करते हुए दिया है। याचिका दाखिल कर अध्यापिका ने बेसिक शिक्षा अधिकारी झांसी के 19 अप्रैल 2023 के उसे आदेश को चुनौती दी थी जिसके द्वारा बेसिक शिक्षा अधिकारी ने अपने पूर्व पारित आदेश दिनांक 25 मई 23 को वापस ले लिया था तथा यूपी रिक्रूटमेंट आफ सर्विस रूल्स 1994 के नियम दो के तहत टीचर की सर्विस बुक में रिकॉर्ड की गई जन्मतिथि को संशोधित करने से मना कर दिया था। याची टीचर की तरफ से उसके अधिवक्ता के एस कुशवाहा का कहना था कि याची का का हाई स्कूल सर्टिफिकेट के अनुसार डेट ऑफ बर्थ 3 नवम्बर 1967 है। इसे माध्यमिक शिक्षा परिषद ने सर्टिफिकेट में अपनी गलती मानते हुए ठीक भी कर दिया है। ऐसी स्थिति में हाईस्कूल सर्टिफिकेट के आधार पर उक्त नियमावली के तहत याची अध्यापिका के सर्विस बुक में जन्मतिथि 3 नवम्बर 1960 की जगह 3 नवम्बर 1967 दर्ज किया जाए। जबकि बेसिक शिक्षा अधिकारी झांसी की तरफ से अधिवक्ता रामानंद पांडेय का कहना था कि याची की नियुक्ति बतौर सहायक अध्यापिका वर्ष 2006 में औरैया में हुई थी। हाईस्कूल सर्टिफिकेट के अनुसार उस समय याची की उम्र 3 नवम्बर 1960 दर्ज थी। सर्टिफिकेट के आधार पर और उसमें दर्ज जन्मतिथि को आधार मानते हुए सर्विस बुक में 3 नवम्बर 1960 जन्मतिथि दर्ज की गई। याची का तबादला औरैया से झांसी हो गया और याची टीचर के रूप में स्कूल सुल्तान पुरा की माता, चिरगांव, झांसी में कार्यरत रही है और अब सर्विस बुक में दर्ज जन्मतिथि के आधार पर रिटायर कर दी गई है।

देव दीपावली पर्व पर गंगा घाटों पर आधुनिक उपकरणों के साथ मुस्तैद रहेगी एनडीआरएफ

वाराणसी, (हि.स.)। देव दीपावली पर्व पर गंगा के सभी 84 घाटों पर उमड़ने वाली लाखों की भीड़ की सुरक्षा को लेकर एनडीआरएफ भी सतर्क है। महापर्व पर गंगा घाटों पर आधुनिक उपकरणों के साथ एनडीआरएफ मुस्तैद रहेगी। एनडीआरएफ की 8 टीमों को विभिन्न घाटों जैसे नमो घाट, राज घाट, पंचगंगा घाट, ललिता घाट, दशाश्वमेध घाट, चेतसिंह घाट, अस्सी घाट और नजदीकी घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा में गंगा नदी में तैनात किया जाएगा। इसके अतिरिक्त एनडीआरएफ की मेडिकल टीम वाटर एम्बुलेंस के साथ विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं के निःशुल्क उपचार हेतु मौजूद रहेगी। उप महानिरीक्षक 11 एनडीआरएफ मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि गोताखोर, पैरामेडिक्स, डीप डाइविंग सेट, लाइफ जैकेट, लाइफ बॉय व अन्य आधुनिक बचाव उपकरणों, 32 नावों और लगभग 150 से अधिक बचावकर्मियों के साथ वाराणसी के प्रमुख घाटों पर एनडीआआरएफ टीम मुस्तैद रहेगी। उन्होंने बताया कि देव दीपावली के इस अद्भुत नजारे को देखने के लिए देश-विदेश से लाखों पर्यटक व श्रद्धालू घाटों पर उपस्थित होते हैं।

झारखंड में बढ़ने लगा ठंड का प्रकोप

रांची, (हि.स.)। राज्य के कई हिस्सों में मौसम के बदलने से तापमान में गिरावट आई है। राज्य में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। दिन भी ठंड का एहसास होने लगा है। रांची मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने शनिवार को बताया कि 29 नवंबर से राज्य में ठंड बढ़ने की संभावना है। 28 नवंबर तक राज्य के कुछ हिस्सों में बादल छाये रह सकते है। 26 नवंबर को आंशिक बादल छाये रहेंगे जबकि 27 और 28 नवंबर को बादल गहरा सकते है। 29 नवंबर से राज्य में बादल का असर नहीं देखा जायेगा लेकिन तापमान में ठंड की वृद्धि होगी। लोगों को ठंड का एहसास होगा। आनंद के मुताबिक 28 नवंबर तक राज्य में बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव का असर देखा जायेगा। 26 नवंबर से बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र के कारण हवा की दिशा में बदलाव होगा। पुरवईया हवा चलने से लोगों को नमी का एहसास होगा, जिससे ठंड में वृद्धि महसूस की जायेगी। इसका विशेष असर राज्य के पूर्वी और मध्य भाग में देखा जायेगा, जिसमें धनबाद, बोकारो, रामगढ़, रांची, हजारीबाग, खूंटी, गुमला, पूर्वी सिंहभूम जिले शामिल हैं। विभाग के अनुसार 26 से 28 नवंबर तक राजधानी रांची समेत राज्य के कई हिस्सों में सुबह से लेकर शाम तक कोहरे का नजारा देखने को मिल सकता है। हवा में नमी के कारण दिन में भी कोहरा जैसी स्थिति बन सकती है। 25 नवंबर को मौसम साफ रहेगा। 27 नवंबर तक राज्य के तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी होने की संभावना है। 29 नवंबर तक पूरे राज्य के तापमान में गिरावट होने की संभावना है। रांची का न्यूनतम तापमान 13 से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

झारखंड में घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिए चलेगा 'नई चेतना' अभियान

रांची, (हि.स.)। घरेलू हिंसा से प्रभावित महिलाओं के लिए विशेष तौर पर नई चेतना अभियान 22 दिसंबर तक संचालित होगा। इसकी शुरूआत शनिवार से हो गयी है। झारखंड में इस अभियान के संचालन में ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड (जेएसएलपीएस) की भूमिका अहम होगी। पिछले वर्ष भी केंद्र की पहल पर 25 नवंबर से 23 दिसंबर तक इसका आयोजन किया गया था। एक बार फिर महिला हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने और लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से ग्रामीण विकास मंत्रालय (केंद्र सरकार) द्वारा नई चेतना अभियान का शुभारंभ 25 नवंबर से किया गया है। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने सुषमा स्वराज भवन, दिल्ली में दीप प्रज्जवलित कर लिंग आधारित हिंसा के विरुद्ध राष्ट्रीय अभियान नई चेतना के उद्घाटन समारोह का शुभारंभ किया। इस अभियान का आयोजन देश भर में 25 नवंबर से 22 दिसंबर तक किया जाना है। जेएसएलपीएस के अनुसार झारखंड राज्य में उसके द्वारा गांव एवं पंचायत स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

इस दौरान लोगों को इस अभियान से जोड़ा जाएगा। इसमें दो लाख 85 हजार सखी मण्डल की ग्रामीण महिलाओं की भूमिका अहम रहेगी। एसएचजी के माध्यम से करीब 33 लाख महिलाएं जुड़ी हुई हैं। अभियान के दौरान राज्य भर में विशेषकर गांवों में नुक्कड़ नाटक, रैली का आयोजन होगा।अवेयरनेस के लिए पेंटिंग और अन्य प्रतियोगिता होंगे। चर्चा परिचर्चा का आयोजन होगा। बैनर, पोस्टर के माध्यम से जागरुकता लाने का प्रयास होगा। नई चेतना अभियान के दौरान जेएसएलपीएस के द्वारा संचालित जेंडर जस्टिस सेंटर की भी मदद ली जायेगी। इस सेंटर के जरिये घरेलू हिंसा, डायन कुप्रथा, मानव तस्करी आदि की शिकार महिलाओं को न्याय दिलाये जाने का काम शुरू हुआ है। जेंडर जस्टिस सेंटर महिला थाना एवं अन्य सरकारी समर्थक तंत्रों के साथ जुड़कर महिलाओं को न्याय दिलाने में सहयोग करता है। राज्य के 12 जिलों बोकारो, दुमका, गिरिडीह, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, लातेहार, पलामू, रांची, सिमडेगा एवं पश्चिम सिंहभूम में कुल 55 सेंटर कार्यान्वित हैं। अबतक इनमें 549 मामले आए हैं। इनमें घरेलू हिंसा के अलावे बाल यौन उत्पीड़न, यौन उत्पीड़न, दहेज, मानव तस्करी, बाल विवाह एवं डायन कुप्रथा से संबंधित केस हैं जिन पर सेंटर के सदस्यों के द्वारा उचित कार्रवाई की गयी है।

शराब घोटाले के आरोपित योगेंद्र तिवारी ने दाखिल की जमानत याचिका

रांची, (हि. स.)। झारखंड शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी ने शनिवार को ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की। इससे पूर्व 21 नवम्बर को अदालत ने मामले में अगली सुनवाई की तिथि दो दिसम्बर निर्धारित की है। उल्लेखनीय है कि ईडी ने योगेंद्र तिवारी को रिमांड अवधि समाप्त होने

के बाद कोर्ट में पेश किया था, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया था। अदालत से मंजूरी मिलने के बाद ईडी ने छह दिन और आठ दिन कुल 14 दिनों तक रिमांड पर लेकर योगेन्द्र तिवारी से पूछताछ की थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड में हुए शराब घोटाले में मनी लांड्रिंग के आरोप में शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी को 19 अक्टूबर को देर शाम गिरफ्तार किया था।

बड़ा तालाब में 26 को मां गंगा की होगी दिव्य आरती

रांची, (हि. स.)। रांची के बड़ा तालाब(विवेकानंद सरोवर) में गुरु पूर्णिमा के पूर्व संध्या पर रविवार संध्या पांच बजे मां गंगा की दिव्य आरती का आयोजन किया गया है। बड़ा तालाब के समीप पीयूष पाठक ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि यह मां गंगा की दिव्य आरती का आयोजन बड़ा तालाब में जलस्रोतों के स्वच्छता और निर्मलता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक संकल्प के लिए किया जा रहा है। बनारस के पीयूष पाठक ने बताया कि अपने सहयोगी आचार्यों के साथ वह आरती करेंगे और उनके साथ दो डमरू वादक, झाल , शंख ,घंट के साथ आरती की शोभा बढ़ायेगे । उन्होंने बताया कि स्वच्छता अभियान

के तहत रांची नगर निगम भी रांची वासीयों से अपील कर रही है कि गंगा आरती में शामिल होकर जलस्रोतों के स्वच्छता ,निर्मलता एवं संरक्षण का संकल्प लें । पाठक ने कहा कि जो लोग बनारस और हरिद्वार जाकर गंगा आरती नहीं देख पाएंगे वह अपने ही क्षेत्र में बनारस के गंगा आरती दर्शन कर पुण्य के भागी बने एवं जलस्रोतों को बचाने का संकल्प लें । उन्होंने कहा कि जन -जन में जागृति लाना है , नदी तालाब बचाना है ।

बिहार की दुर्दशा के लिए राजद-जदयू व भाजपा समान रूप से जिम्मेदार : संजय

-जन सुराज कार्यशाला शिविर सह प्रशिक्षण शिविर संपन्न

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। बिहार को रसातल में पहुंचाने में सभी राजनैतिक दल समान रूप से जिम्मेदार है। बिहार में व्याप्त गरीबी, अशिक्षा और बेरोजगारी की समस्या को सभी दलो ने मिलकर विकराल बना दिया है। जिसमे राजद-जदयू और भाजपा समान रूप से जिम्मेदार है, अब इन दलो को सत्ता में बने रहने का कोई हक नहीं है। उक्त बाते जन सुराज के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय कुमार ठाकुर ने मोतिहारी स्थित जनसुराज कार्यालय में शनिवार को कही। उन्होंने कहा पिछले बत्तीस वर्षों से बिहार में जात-पात और धर्म-मजहब की राजनीति हो रही है। पन्द्रह वर्षों तक लालू यादव-राबड़ी देवी की सरकार ने जात-पात की राजनीति कर जंगल राज चलाया, तो नीतीश कुमार ने सांप्रदायिकता फैला कर सत्ता हथियाने वाली भाजपा के साथ मिलकर बिहार को रसातल में पहुंचा दिया। इन तीनों दलों की सरकारो ने बिहार में गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी को बढाया है। उन्होने कह कि इतने लंबे समय तक सत्ता में रहने के बाबजूद इन सरकारो ने बिहार में कोई

कल कारखाना नहीं खोला,गया और ना ही शिक्षा की सुदृढ़ व्यवस्था की गई। ठाकुर ने कहा कि दस वर्षों से देश में भाजपा की सरकार चल रही है। लेकिन पीएम मोदी को बिहार और बिहारियों की दुर्दशा आज तक नहीं दिखाई दी।

पन्द्रह वर्षों तक भाजपा के समर्थन से जदयू के नीतीश कुमार की सरकार चलती रही, लेकिन एक भी बड़ा कारखाना नहीं खोला गया। जबकि गुजरात में रोज नये कारखाने लगाए जा रहे हैं। ढ़ाई करोड़ बिहारी यहां से पलायन कर देश के दूसरे प्रदेशों में मजदूरी कर रहे हैं, जहां अपमान और जिल्लत की जिंदगी जीने को मजबूर हैं। उन्होने कहा कि बिहार में एक बड़े परिवर्त्तन को लेकर जन सुराज के प्रणेता प्रशांत किशोर गांवों में पदयात्रा कर रहे हैं। जहां लोगो की भारी उमड़ रही है।जिससे यह साफ होता है,कि जनता सब कुछ समझने लगी है। उन्होने कहा कि जन सुराज बिहार में तीसरा राजनीतिक विकल्प के रूप में स्थापित हो रहा है। मौके पर जिला प्रवक्ता रवीश मिश्रा,डॉ मंजर नसीम, ई. अजय कुमार आजाद, जिला अध्यक्ष वीर प्रसाद महतो, महासचिव जयमंगल कुशवाहा, जिला महिला अध्यक्ष विभा शर्मा, सिकरहना अनुमंडल अध्यक्ष मुन्ना सिंह, सिकरहना के प्रवक्ता साहेब राज, हरसिद्धि प्रवक्ता डॉ. इस्माइल अंसारी आदि मौजूद थे।

लैंगिक समानता एवं लिंग आधारित हिंसा को रोकने को लेकर निकाली गयी जागरूकता रैली

सहरसा, (हि.स.)। महिला विकास निगम एवं जीविका के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को विकास भवन सभागार परिसर से जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। नई पहल चेतना के अंतर्गत लैंगिक समानता एवं लिंग आधारित हिंसा को रोकने संबंधी मुद्दे को लेकर रैली एवं शपथ ग्रहण का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत शपथ दिलाई गई कि आज नई चेतना अभियान के प्रथम दिवस पर हम शपथ लेते हैं कि हिंसा के खिलाफ आवाज उठाएंगे।साथ ही कभी मुकदर्शक बनकर नहीं रहेंगे। हम शपथ लेते हैं की सहायता मांगने और एवं सहायता देने में पीछे नहीं रहेंगे और सबको हिंसा के खिलाफ जोड़ेंगे। हम शपथ लेते हैं कि सबके साथ समान व्यवहार करेंगे और इसकी शुरूआत हम अपने घर से करेंगे। हम शपथ लेते हैं कि लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ चुप्पी को तोड़ेंगे। महिला विकास निगम के केंद्र प्रशासिका मुक्ति श्रीवास्तव एवं आईसीडीएस की डीपीओ कुमारी पुष्पा ने बताया कि लैंगिक समानता एवं लिंग आधारित हिंसा को रोकने को लेकर 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक पखवाड़ा आयोजन जिले के विभिन्न प्रखंडों में कार्यक्रम चलाया जाएगा।

जिसमें सेविका सहायिका एवं जीविका दीदियों द्वारा बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया जा रहा है। इस अवसर पर जिलाधिकारी, आरक्षी अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, महिला विकास निगम के राज्य प्रतिनिधि अरुण कुमार चौधरी एवं उपेंद्र कुमार सिंह सहित जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी,जीविका डीपीएम, सामाजिक विकास प्रबंध बाल विकास परियोजना सहित अन्य मौजूद थे।

माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष शिक्षाविद रामवृक्ष बाबू को श्रद्धांजलि

नवादा (हि स)। नवादा जिले के कौआकोल के पाण्डेयगंगौट के गया सिंह स्मृति धर्मशाला मढ़ी में शनिवार को जनार्दन प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में शोक सभा का आयोजित कर आदर्श शिक्षक राम वृक्ष सिंह की चतुर्थ पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार नरेन्द्र प्रसाद सिंह ने अपने उद्बोधन में दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे एक आदर्श शिक्षक, समाजसेवी एवं साम्प्रदायिक सौहार्द्रता के जीवंत प्रतिमूर्ति थे। इन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन मानवता के कल्याण, शिक्षा के उन्नयन और गरीब बच्चों को पढ़ाने में ही लगाया। विनोद सिंह ने कहा कि वे रुपौ प्रखंड निर्माण के प्रथम आवेदक के रूप में अपना नाम दर्ज किया था लेकिन दुर्भाग्यवश सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंगी। जीवन ज्योति पब्लिक स्कूल के निदेशक व रामवृक्ष बाबू के पुत्र चंद्रशेखर सिंह नौसेना ने कहा कि मेरे पिता गुरु थे ,जिन्होंने जीवन मूल्यों का एहसास कराते हुए उच्च आदर्श के साथ शिक्षा से भी अनुप्राणित किया। यही वजह है कि आज इस तरह श्रद्धांजलि सभा में इलाके के हजारों लोग उपस्थित होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। रामवृक्ष बाबू लंबे समय तक

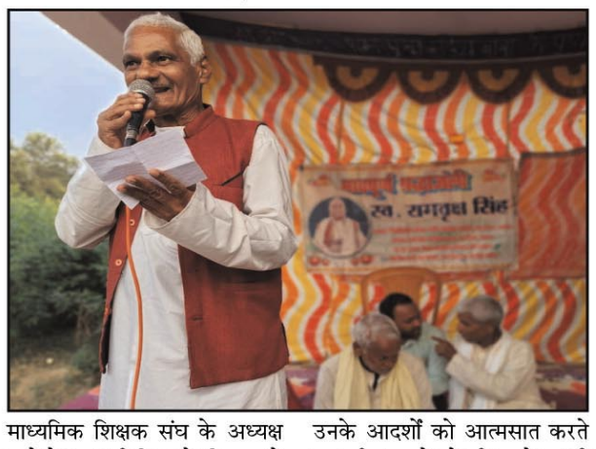

माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष रहने के साथ ही शिक्षा के विकास में अमूल्य योगदान किया ।उन्होंने नवादा जिले में गरीब बच्चों की पढ़ाई के लिए कई स्कूलों का संचालन भी कराया, जो आज के दिन शिक्षा का केंद्र बना है। ग्रामीणों ने कहा कि रामवृक्ष बाबू की स्मृति में एक भव्य पुस्तकालय का निर्माण के साथही उनकी आदमकद प्रतिमा भी लगाई जाएगी ।ताकि समाज के लोग उनके आदर्शों से परिचित हो सकें ।गीत संगीत के साथ वेद मंत्र के उच्चारण के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की गई ।सभी ने अपने संदेश के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की। रमेश बाबू के कनिष्ठ पुत्र चंद्रशेखर कुमार नौसे ने उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए गरीब बच्चों को फ्री पढ़ाने का भी संकल्प लिया था, जिसे अमलीजामा पहनाया जा रहा है। उनके नाम पर मुफ्त शिक्षा का केंद्र भी संचालन किया जाएगा ।ताकि उनकी स्मृतियों को जीवित रखा जा सके। मौके पर वरिष्ठ साहित्यकार नरेन्द्र प्रसाद सिंह,चन्द्रमौलीसिंह, चन्द्रशेखर सिंह उर्फ नौसे जी, वीरेंद्र सिंह श्याम किशोर सिंह मनोज कुमार जादूगर ,सुरेंद्र प्रसाद, नवल किशोर सिंह, शालिग्राम सिंह ,सत्येन्द्र महाराज, प्रमोद पाण्डेय,कवि भास्कर, सीतादेवी, अशोक कुमार, वीरेंद्र सिंह, सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

संपादकीय

हिमाचल की शिक्षा दृष्टि

शिक्षा अपनी साधना और जटिलता से बाहर अब प्रदर्शन की कवायद में सरकारी पैमानों की जिद्द बन चुकी है। हिमाचल के संदर्भ में शिक्षा हमेशा से देश के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण पेश करती आई है और यही वजह थी जब नोबल पुरस्कार विजेता अमत्र्य सेन ने यहां की प्राथमिक शिक्षा प्रणाली को एक रोल मॉडल माना। बेशक मात्रात्मक दृष्टि से हिमाचल में शिक्षा के पैगाम और इसकी निकटता दूर दराज इलाकों तक पहुंची, लेकिन बेहतर ढांचे के बावजूद अभिभावकों की तलाश नित नए निजी संस्थानों के करीब पहुंच जाती है। बात सिर्फ टाई, यूनिफार्म या इंग्लिश मीडियम की नहीं, बल्कि ऐसे पाठ्यक्रम की तलाश है जो या तो सीबीएसई या आईसीएसई के मार्फत पूरी होती है या बाहरी राज्यों की तरफ निकल पड़ती है। यानी कुछ तो हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम से शिकायत है, वरना निजी स्कूलों में भी अव्वल वही हैं जो इससे इतर अपना पंजीकरण करवा रहे हैं। एक बार फिर सरकारी स्कूलों की काबिलीयत में रंग भरने का काम सुक्खू सरकार करने जा रही है। प्राइमरी शिक्षा के उत्थान में इंग्लिश का प्रादुर्भाव हो रहा है, जबकि बच्चों की वैज्ञानिक सोच बढ़ाने के लिए साइंस और गणित भी पहली कक्षा से पाठ्यक्रम का हिस्सा बन रहे हैं। इतना ही नहीं एक्सपोजर विजिट के लिए शिक्षकों को विदेश के अनुभव से पारंगत किया जाएगा। सरकार पहले ही राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूलों के माध्यम से हर विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा के गुणात्मक फलक का विस्तार करने के लिए प्रयत्नशील है। शिक्षा के नए दौर में करियर का प्रतिभा तक पहुंचना एक अलग तरह की चुनौती है क्योंकि भविष्य अब सिर्फ किसी पाठ्यक्रम की परिपाटी नहीं, बल्कि ज्ञान और हुनर का मिलन है। यह उस पहचान का नजरिया भी है जो बच्चों के भीतर मानसिक संतोष और महत्त्वाकांक्षा का सम्मेलन करवाता है। यानी डिग्री तो अब एक आधार है, जबकि करियर और व्यवसाय के लिए एक खास तरह की परवरिश की जरूरत है। हिमाचल के ही कई बच्चे गीत-संगीत, कला, नृत्य, नए उद्योग-धंधों और हुनर की नई मंजिलों पर चलते हुए सफल हो रहे हैं। ऐसे में व्यावसायिक शिक्षा के नाम पर अब तक हुए प्रयासों का भी विश£षण होना चाहिए। कभी जूनियर आईटीआई तक की पढ़ाई से ही युवा इतने प्रोत्साहित व सक्षम हो जाते थे कि जिंदगी के लिए एक सफल व्यावसायिक दृष्टि और कर्म हासिल कर लेते थे। आज भी हिमाचल में उपलब्ध रोजगार अवसरों का फायदा बाहरी राज्यों के लोग उठा रहे हैं। शिक्षा के अपने उद्देश्य भले ही उपलब्धि बन जाएं, लेकिन हिमाचल की आर्थिक गतिविधियों की क्षमता में नए पाठ्यक्रम निरूपित होने चाहिएं। प्रदेश में 22 लाख पंजीकृत वाहनों के अलावा बाहरी आवागमन जोड़ लें तो लगभग पचास लाख गाडियां और इनसे जुड़े व्यवसाय यहां चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन इनकी क्षमता में पैदा हुआ रोजगार हिमाचली बच्चों व युवाओं को प्रेरित नहीं कर पा रहा। ऐसे में स्कूली शिक्षा के प्रयोग भले ही भाषा, विज्ञान और गणित को परिमार्जित करें, लेकिन वहां ऐसी कार्यशालाओं की जरूरत है जहां फर्नीचर का काम, गीत-संगीत की शिक्षा, नृत्य की व्याख्या, ऑटो उद्योग से रोजगार के रिश्ते तथा पर्यटन से संबंधित ज्ञान व प्रशिक्षण अगर उभारा जाए, तो शिक्षा की पृष्ठभूमि में करियर के नक्शे स्पष्टता के साथ उभर आएंगे। हिमाचल की शिक्षा दृष्टि में ऐसा हर पहलू समाहित करना होगा, जो आगे चलकर युवाओं की शक्ति से स्वरोजगार का रास्ता अख्तियार करे। हिमाचल के स्कूलों के भ्रमण तथा कार्यशाला जिस दिन मिट्टी, आबोहवा, लोक कलाओं और बोलियों के साथ जुड़ गई, उस दिन ऐसी खूबियां सामने आएंगी जो राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में करियर की उड़ान को मुकम्मल करेंगी। इतना ही नहीं कुछ और स्कूलों को डिनोटिफाई करके तथा शहरी स्कूलों के सदुपयोग के लिए प्राइवेट पार्टनरशिप में शिक्षा के लक्ष्यों को सफल करने की नीति बनानी होगी। कई शहरी स्कूल अगर सीबीएसई तथा आईसीएसई पाठ्यक्रम से जोड़ दिए जाएं, तो विदेश से प्रशिक्षण प्राप्त सरकारी अध्यापक इन्हें सर्वोच्च शिक्षण संस्थान बना सकते हैं। इसी के साथ यह भी जरूरी है कि सरकारी अध्यापकों का अधिकतम समय शिक्षा प्रणाली, अध्ययन व अध्यापन की कार्यशाला में ही गुजरे ताकि नवाचार का नया दौर विकसित हो सके।

सरकारी स्कूलों की काबिलीयत में रंग भरने का काम सुक्खू सरकार करने जा रही है। प्राइमरी शिक्षा के उत्थान में इंग्लिश का प्रादुर्भाव हो रहा है, जबकि बच्चों की वैज्ञानिक सोच बढ़ाने के लिए साइंस और गणित भी पहली कक्षा से पाठ्यक्रम का हिस्सा बन रहे हैं। इतना ही नहीं एक्सपोजर विजिट के लिए शिक्षकों को विदेश के अनुभव से पारंगत किया जाएगा। सरकार पहले ही राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूलों के माध्यम से हर विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा के गुणात्मक फलक का विस्तार करने के लिए प्रयत्नशील है। शिक्षा के नए दौर में करियर का प्रतिभा तक पहुंचना एक अलग तरह की चुनौती है क्योंकि भविष्य अब सिर्फ किसी पाठ्यक्रम की परिपाटी नहीं, बल्कि ज्ञान और हुनर का मिलन है। यह उस पहचान का नजरिया भी है जो बच्चों के भीतर मानसिक संतोष और महत्वाकांक्षा का सम्मेलन करवाता है। यानी डिग्री तो अब एक आधार है, जबकि करियर और व्यवसाय के लिए एक खास तरह की परवरिश की जरूरत है। हिमाचल के ही कई बच्चे गीत-संगीत, कला, नृत्य, नए उद्योग-धंधों और हुनर की नई मंजिलों पर चलते हुए सफल हो रहे हैं।

कुछ अलग

मिथकीय कथाएं इतिहास नहीं

आजकल 'रामायण' और 'महाभारत' को स्कूली पाठ्यक्रम में पढ़ाने की चर्चा चल रही है। यदि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान परिषद (एनसीईआरटी) की संबद्ध समिति की सिफारिश स्वीकार की गई, तो स्कूलों में 'इतिहास' की कक्षाओं में इन दोनों महान महाकाव्यों को पढ़ाया जाएगा। यहां कुछ सांस्कृतिक और आस्थामयी गड़बड़ हो सकती है, क्योंकि ऐसी पौराणिक कथाओं को भारतीय संस्कृति में इतिहास से भिन्न माना जाता है। इतिहास में सिकंदर-पोरस, चंद्रगुप्त मौर्य, हूण, यवन, मुगल और अंग्रेजी साम्राज्यों के विवरण भी हैं। किसने भारत पर कितने साल राज किया? किसने, कितने आक्रमण किए और देश को लूटा? साम्राज्यों के नाम और कालखंड क्या थे? युद्ध, हिंसा और हत्याओं के कितने अंतहीन दौर भारत ने देखे और झेले हैं? इतिहास उनका दस्तावेजी संकलन हो सकता है। उनके ब्योरे देते हुए इतिहासकारों की सोच और दृष्टि भी भिन्न रही है, लिहाजा तथ्यों और विश्लेषणों में भी भिन्नता और फासले हैं। 'रामायण' और 'महाभारत' इनसे बिल्कुल अलग हैं। वे सृजनात्मक कृतियां हैं। उनके आधार पर काव्य-शास्त्र की संरचना की गई है। बेशक इन महाकाव्यों में भी कहानियां हैं। इन महाकाव्यों में भी कथाओं के अलावा, साम्राज्य और युद्ध हैं, लेकिन इनके पात्र भारत में आक्रांता के किरदारों में नहीं हैं, वे भारतीय हैं, लिहाजा दोनों महाकाव्य हमारे रोम-रोम में बसे हैं। इनमें दो मिथकीय पात्र हैं-राम और कृष्ण। वे भारत में और अन्य कई देशों में करोड़ों लोगों के आस्था-देव भी हैं। वे अवतारी हैं, लिहाजा मर्यादा पुरुषोत्तम और गिरधर हैं। दरअसल भारत का मिथकीय कथाओं और पात्रों से आस्था, अध्यात्म और संस्कृति का संबंध है। बेशक आम आदमी को ऐतिहासिक तथ्यों की जानकारी न हो, लेकिन वे राम और कृष्ण को 'आराध्य' रूप में स्वीकार करते हैं, लिहाजा 'रामायण' और 'महाभारत' को अच्छी तरह जानते हैं। उसके मद्देनजर स्कूली पाठ्यक्रम में इन दोनों महाकाव्यों को सारांशतः पढ़ाने का कोई औचित्य नहीं है। यदि छात्रों को पढ़ाया जाए कि राम कितने स्वीकारवादी, समन्वयवादी, दलित-पिछड़ावादी महानायक थे, तो वह सार्थक होगा। इसी तरह 'महाभारत' के संदर्भ में 'गीता-उपदेश' के ही महत्त्वपूर्ण भाष्य पढ़ाए जाएं, तो हमारी अगली पीढ़ी भारतीय संस्कृति और अतीत को गहराई से समझ सकेगी। इसी संदर्भ में हमारे पुराण, उपनिषद और चारों वेदों का सारांश अध्ययन भी महत्त्वपूर्ण होगा। दुनिया इन प्राचीन ग्रंथों का अध्ययन करती है और अपनी भाषाओं में शोध करती है, लेकिन हमारे स्कूली पाठ्यक्रमों में ये ग्रंथ गायब हैं। यदि 'रामायण' और 'महाभारत' को हिंदूवादी सोच और सियासत के मद्देनजर पढ़ाया जाता है, तो सत्तासीन भाजपा इतिहास के साथ कुछ भी खेल कर सकती है। बेशक इसका विरोध होगा, अंततः 'रामायण' और 'महाभारत' के पठन-पाठन को कब तक रोका जा सकता है? ये दोनों महाकाव्य स्थूल और औपचारिक इतिहास से बहुत ऊपर हैं। ये घटनाएं 2500 साल से अधिक प्राचीन हैं। तब न तो कोई विदेशी आक्रांता था, न ही कोई इतिहासकार और इतिहास-लेखन था।

छिछालेदार भाषा का उपयोग कर राजनीतिक मर्यादाओं को तार-तार कर दिया

मोदी के लिये 'पनौती' का इस्तेमाल राजनीतिक दरिद्रता

ललित गर्ग

चुनाव आयोग (ईसी) ने हालिया टिप्पणियों के लिए राहुल गांधी को कारण बताओ नोटिस जारी करके निर्णायक कार्रवाई की है। यह कार्रवाई सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा चुनाव आयोग में दर्ज की गई एक शिकायत का संज्ञान लेते हुए की गयी है। चुनाव आयोग ने जहां पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा पर चिंता व्यक्त की वही भाजपा ने तर्क दिया कि ऐसी भाषा एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता के लिए 'अशोभनीय' है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ की गयी 'पनौती' (अपशकुन), जेबकतरा एवं कर्ज माफी जैसी अशोभनीय टिप्पणियों के कारण निशाने पर हैं। चुनाव आयोग (ईसी) ने हालिया टिप्पणियों के लिए राहुल गांधी को कारण बताओ नोटिस जारी करके निर्णायक कार्रवाई की है। यह कार्रवाई सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा चुनाव आयोग में दर्ज की गई एक शिकायत का संज्ञान लेते हुए की गयी है। चुनाव आयोग ने जहां पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा पर चिंता व्यक्त की वही भाजपा ने तर्क दिया कि ऐसी भाषा एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता के लिए 'अशोभनीय' है। पिछले लम्बे दौर से विश्वनेता के रूप में प्रतिष्ठित देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दर्शन, उनके व्यक्तित्व, उनकी बढ़ती ख्याति, उनकी बहुआयामी योजनाओं व उनकी कार्य-पद्धतियों पर कीचड़ उछाल रहे हैं। पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान में विपक्षी नेताओं और विशेषतः कांग्रेस नेताओं ने अमर्यादित, अशिष्ट, छिछालेदार भाषा का उपयोग कर राजनीतिक मर्यादाओं को तार-तार कर दिया है। विडम्बना देखिये मोदी को गालियां देकर स्वयं को गौरवान्वित महसूस करने वाले राहुल गांधी इसका खामियाजा भी भुगतते रहे हैं, लेकिन राजनीतिक अपरिवक्वता के कारण वे कोई सबक लेने का तैयार नहीं है। निर्वाचन आयोग ने राहुल गांधी को याद दिलाया कि आदर्श चुनाव आचार संहिता नेताओं को राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ असत्यापित आरोप लगाने से रोकती है। लेकिन राहुल गांधी ने राजस्थान में हाल की रैलियों में प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए उनके लिए 'पनौती', जेबकतरे और अन्य विवादित शब्दों का इस्तेमाल किया था। राहुल गांधी के ये अशोभनीय एवं मर्यादाहीन बयान क्या रंग लायेगा, यह भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन स्वस्थ एवं आदर्श लोकतंत्र के लिये देश के प्रधानमंत्री के लिये इस तरह के निम्न, स्तरहीन एवं अमर्यादित शब्दों का प्रयोग होना, एक विडम्बना है, एक त्रासदी है, एक शर्मनाक स्थिति है। केवल कांग्रेस ही नहीं, अन्य राजनीतिक दल के नेता भी ऐसी अपरिपक्वता एवं अशालीनता का परिचय देते रहे हैं। पिछले नौ वर्षों में उद्योगपतियों को चौदह लाख करोड़ रुपये की छूट देने के आरोप भी सत्यता से परे, तथ्यहीन, भ्रामक एवं गुमराह करने वाले हैं। 'जेबकतरे' शब्द का प्रयोग करते हुए

आरोप लगाया गया कि प्रधानमंत्री लोगों का ध्यान भटकाते हैं। जबकि उद्योगपति गौतम अडानी उनकी (लोगों की) जेब से पैसे निकालते हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि जेबकतरे इसी तरह काम करते हैं। आयोग ने राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी के बारे में भी बताया जिसमें कहा गया था कि अगर संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) में बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा की जाती है तो प्रतिष्ठा के अधिकार को भी अनुच्छेद 21 में संरक्षित जीवन के अधिकार का एक अभिन्न हिस्सा माना जाता है। इन दो अधिकारों को संतुलित करना एक संवैधानिक आवश्यकता है। लेकिन राहुल गांधी को यह संतुलन साधना कहा आता है? राहुल गांधी ने अहमदाबाद में विश्व कप क्रिकेट के फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया से भारत की हार के बाद राजस्थान में चुनावी भाषण में मोदी के खिलाफ 'पनौती' जैसे आपत्तिजनक, विवादित एवं अपशब्द का इस्तेमाल किया था। यह एक शब्दभर नहीं है, बल्कि अनेक कुटिलताओं की अभिव्यक्ति है, 'पनौती' मोटे तौर पर ऐसे शख्स के लिये उपयोग किया जाता है, जिसकी मौजूदगी होने भर से बनता काम बिगड़ जाता है। आम तौर पर पनौती शब्द ऐसे व्यक्ति के लिए इंगित किया जाता है जो बुरी किस्मत लाता है। वैसे इसका किसी ज्ञान-विज्ञान और तर्क से नाता नहीं है। जाने-माने भाषाविद् डॉक्टर सुरेश पंत के मुताबिक, हिंदी में -औती प्रत्यय से अनेक शब्द बनते हैं। इनमें कटौती, चुनौती, मनौती, बपौती इत्यादि शामिल हैं। पनौती शब्द नकारात्मकता एवं अशुभता का सूचक है। पनौती को शनि की बुरी दशा का समय माना जाता है। इसका मतलब बाढ़ भी होता है। पनौती तमिल शब्द पन्नादाई का अपभ्रंश भी है। इसका मतलब होता है 'एक ढीला बुना हुआ कपड़ा' या 'मूर्ख'। बात केवल राहुल गांधी की ही नहीं है, कौन भूल सकता है सोनिया गांधी का वह बयान, जिसने वास्तव में गुजरात की जनता को झकझोर कर रख दिया था। तब सोनिया ने गुजरात के तत्कालीन और बेहद लोकप्रिय मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को 'मौत का सौदागर' बताया था। सोनिया ने कहा था, "मेरा पूरा भरोसा है कि आप ऐसे लोगों को मंजूर नहीं करेंगे जो जहर के बीज बोते हैं।" 'मौत का सौदागर' के बाद 'जहर की खेती' के इस बयान ने गुजरात ही नहीं, देश की जनता की भावना को जगा दिया। नतीजा लोकसभा चुनाव के परिणाम के रूप में सामने आया, जिसमें बीजेपी को 278 और कांग्रेस को 45 सीटें मिली। जनता को बेवकूफ एवं नासमझ समझने की भूल कांग्रेस बार-बार करती रही है और बार-बार मात खाती रही है। इन चुनावों में भी ऐसी मात खाने को मिले तो कोई आश्चर्य नहीं है। क्योंकि जनता अपने सर्वोच्च नेतृत्व को मर्यादाहीन तो कत्तई नहीं देखना चाहती। कोई पूर्व केबिनेट मंत्री मणिशंकर अय्यर मोदी को 'नीच' तक कह देता है तो राहुल तो सर्जिकल स्ट्राइक पर 'खून की दलाली' जैसे आरोप लगाते रहे हैं। नोटबंदी को लेकर जहां पूरा देश नरेन्द्र मोदी के साथ खड़ा था, तब विपक्ष को काले कारोबारियों के साथ खड़ा होने में जरा भी शर्म नहीं आई। विपक्ष ने दुनिया के कुख्यात रहे तानाशाह हिटलर, मुसोलिनी, कर्नल गद्दाफी से प्रधानमंत्री मोदी की तुलना कर डाली। इस तरह के स्तरहीन, औछे एवं अमर्यादित बयानों से न केवल विपक्ष दलों के नेताओं बल्कि कांग्रेस पार्टी की न केवल फजीहत होती रही है, बल्कि उसकी बौखलाहट को दर्शाती रही है। इस तरह के लोग राजनीति में जगह बनाने के लिये ऐसी अनुशासनहीनता एवं अशिष्टता करते हैं। राहुल के इस तरह के ओछे, स्तरहीन एवं अशालीन शब्दों के प्रयोग का एक लम्बा सिलसिला है। मोदी पर गाली की बौछार में कभी उनको सांप, बिच्छू और गंदा आदमी कहा था। तो कभी लहू पुरुष, पानी पुरुष और असत्य का सौदागर भी बताया। सत्ता के शीर्ष पर बैठकर यदि इस तरह जनतंत्र के आदर्शों को भुला दिया जाता है तो वहां लोकतंत्र के आदर्शों की रक्षा नहीं हो सकती। राजनैतिक लोगों से महात्मा बनने की आशा नहीं की जा सकती, पर वे अशालीनता एवं अमर्यादा पर उतर आये, यह ठीक नहीं है। महात्मा गांधी ने कहा था कि मेरा ईश्वर दरिद्र-नारायणों में रहता है।' आज यदि उनके भक्तों- कांग्रेसजनों से यही प्रश्न पूछा जाये तो संभवतः यही उत्तर मिलेगा कि हमारा ईश्वर कुर्सी में रहता है, सत्ता में रहता है।

भारत के प्राण भारतीय संविधान

भारतीय संविधान निर्माण की गाथा ऐतिहासिक रही है। जब भारत स्वतंत्र हुआ तो नीति निर्माताओं के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती देश को संचालित करने के लिए अपने कानून, नियमों का होना था जिसकी पूर्ति के लिए संविधान सभा का गठन हुआ जोकि देश के प्रत्येक क्षेत्र की प्रतिनिधि थी। भारतीय संविधान की रचना भी कोई एक दिन की कहानी नहीं है, बल्कि कई वर्षों के अथक प्रयासों का सम्मिलित रूप है। आज की पीढ़ी को सब कुछ थाली में सजा-परोसा मिलता है न, इसीलिए उसे इसकी कीमत पता नहीं है। हमारे देश ने करीब साढ़े तीन सौ सालों तक केवल ब्रिटिश हुकूमत की गुलामी झेली है। यह समय कितना असहनीय और पीड़ादायी रहा है, यह हमारे लिए कल्पना के भी परे है। हम सभी बेहद भाग्यशाली हैं, जो हमने स्वतंत्र भारत में जन्म लिया। हम कुछ भी कर सकते हैं, कहीं भी आ-जा सकते हैं।

किसी भी देश व समाज के संतुलित विकास में उस देश के नियम व कानून बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। भारत में इन कानूनों-नियमों का शासन शास्त्र संविधान कहलाता है। शासन प्रशासन की शक्तियों का स्त्रोत हमारा भारतीय संविधान अपने आप में एक विशेष आयाम रखता है जिस आधार पर ही यह विश्व का सबसे लम्बा व विस्तृत संविधान होने का गौरव प्राप्त है। भारतीय संविधान निर्माण की गाथा ऐतिहासिक रही है। जब भारत स्वतंत्र हुआ तो नीति निर्माताओं के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती देश को संचालित करने के लिए अपने कानून, नियमों का होना था जिसकी पूर्ति के लिए संविधान सभा का गठन हुआ जोकि देश के प्रत्येक क्षेत्र की प्रतिनिधि थी। भारतीय संविधान की रचना भी कोई एक दिन की कहानी नहीं है, बल्कि कई वर्षों के अथक प्रयासों का सम्मिलित रूप है। आज की पीढ़ी को सब कुछ थाली में सजा-परोसा मिलता है न, इसीलिए उसे इसकी कीमत पता नहीं है। हमारे देश ने करीब साढ़े तीन सौ सालों तक केवल ब्रिटिश हुकूमत की गुलामी झेली है। यह समय कितना असहनीय और पीड़ादायी रहा है, यह हमारे लिए कल्पना के भी परे है। हम सभी बेहद भाग्यशाली हैं, जो हमने स्वतंत्र भारत में जन्म लिया। हम कुछ भी कर सकते हैं, कहीं भी आ-जा सकते हैं। कुछ भी बोल सकते हैं। जरा सोचिए, कितना हृदय विदारक होता होगा, जब आपको बात-बात पर यातनाएं दी जाती हों। भारत ने कभी गुलामी स्वीकार नहीं की, बल्कि सदैव संघर्ष किया तथा 1947 में अंग्रेजों को भगाया और देश के कुशल संचालन की चिंता चिंतन में परिवर्तित हुई तथा संविधान सभा ने संविधान को 26 नवम्बर 1949 को पारित किया तथा 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ। यह दिन भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया है, जबकि 26 जनवरी का दिन भारत में गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। दो वर्ष, 11 महीने व 18 दिन तक चले रचना कार्य में निर्माताओं ने एक ऐसा कानूनी दस्तावेज तैयार किया जो वर्तमान की स्थिति, भविष्य की योजना व पूर्व के इतिहास को एक साथ लेकर आगे बढ़ा और आज पूरे विश्व के लिए एक आदर्श मिसाल प्रस्तुत करता है। वर्तमान काल में चिंतन का विषय आ जाता है कि क्या 'शासन का शास्त्र' सही मायने में बन भी पाया है हमारा संविधान, या वास्तविकता कुछ और ही है। वैसे किसी भी राष्ट्र का सबसे पवित्र ग्रंथ उस देश का संविधान होता है, लेकिन भारत में अधिकांश लोगों को संविधान का सार यानी प्रस्तावना तक का एक भी अंश किसी को याद नहीं होगा। लोगों को समझना होगा कि भारत के संविधान का जब निर्माण हुआ था तो यह भारत की भौगोलिक, सांस्कृतिक व राजनीतिक विरासत और समाज तथा परिस्थितियों का एक प्रतिबिंब था। इसका अनुसरण करके हम भारत को समझ सकते थे। हमें यह शासन शास्त्र ऐसे ही विरासत में नहीं मिला है। इसका एक-एक नियम, अधिकार, कत्र्तव्य, निर्देशक सिद्धांत, उपबंध व सभी व्यवस्थाएं कड़े संघर्ष के पश्चात हमें प्राप्त हुए हैं और विकट परिस्थितियों के बीच प्राप्त हुए हैं, लेकिन आज यह भारत का कानून है। देश का कोई भी व्यक्ति इस शासन शास्त्र से उच्च नहीं है और न कभी हो सकता है। यही बात तो हमारे संविधान को जीवंत बना देती है। हमारा संविधान इसलिए भी जीवंत है क्योंकि भारत की प्रत्येक स्थिति व परिस्थिति के अनुसार इसमें उपबंध शामिल हैं जो प्रत्येक अनुकूल व प्रतिकूल स्थिति के अनुसार ढल जाते हैं। भारत के संविधान पर भले ही अन्य विदेशों के संविधानों का थोड़ा या ज्यादा प्रभाव जरूर पड़ा हो, लेकिन इस बात को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है कि हमारे संविधान पर हमारी पुरातन भारतीय संस्कृति की अमिट छाप है। इसे हम सब ने आत्मार्पित किया है। जिस विषय की बात करेंगे वो हर विषय नियमों के रूप में हमारे संविधान में शामिल है। भारतीय संविधान में नागरिकों के लिए मूल अधिकार व कत्र्तव्य शामिल हैं, लेकिन प्रश्नचिन्ह यहीं आकर लग जाता है कि अधिकारों के लिए तो सब कानूनी व संविधानवादी बन जाते हैं, पर जब बात कत्र्तव्यों की आती है तो ये संविधानवादी सोच वाले लोग कहां विलुप्त हो जाते हैं। बात अधिकारों की करें तो अधिकारों में भी माना अभिव्यक्ति का अधिकार है, ठीक है, लेकिन अभिव्यक्ति के नाम पर जब 'देश तेरे टुकड़े होंगे' व 'हमें चाहिए आजादी' जैसे नारे लगते हैं, तो ऐसी अभिव्यक्ति के लिए क्या कहा जाए, क्या यही है स्वतंत्रता का ढोल पीटने वालों की अभिव्यक्ति की आजादी? चिंतन के विषय में बात समानता की भी है। एक तरफ सभी को समान अधिकार व अवसर की समता जैसे अधिकार हैं, लेकिन 75 सालों की आजादी के बाद भी देश का लगभग एक बड़ा वर्ग रात को बिना अन्न खाए सोता है। यदि समानता का अधिकार है, तो देश के प्रत्येक व्यक्ति को यह समानता मिलनी चाहिए। एक तरफ धर्मनिरपेक्ष होने की बात कही जाती है तो दूसरी ओर धर्म के आधार पर सभी राजनीतिक दल अपनी रोटियां सेंकते हैं। संविधान में डॉ. भीमराव अंबेडकर जी ने पिछड़ा वर्गों के उत्थान व विकास के लिए आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया था, लेकिन साथ में यह भी कहा था कि दस वर्ष के पश्चात अवलोकन करके इसकी समीक्षा करके इसे हटा सकते हैं। इधर हटाने की बात तो दूर, बल्कि आरक्षण पर राजनीति करके नेताओं ने कई सरकारें बना ली और कई नए बनाने की आस में हैं। क्या यही सामाजिक न्याय है? शिक्षा हरेक व्यक्ति को उपलब्ध करवाने की बात कही गई, लेकिन सरकारी संस्थाओं में ही फीस इतनी है कि मानो लगता है अनपढ़ रहना ही ठीक है। शिक्षा का व्यवसायीकरण हो गया है जोकि दुख का विषय है। शिक्षा गरीब लोगों से दूर होती जा रही है। भारतीय संविधान में प्रत्येक विषय को शामिल करके संविधान निर्माताओं ने एक बेहतरीन शासन शास्त्र तैयार किया था, मगर आज देश में सब कुछ बंट गया है। और तो और, रंगों का भी बंटवारा हो गया है, लाल किसी का है तो हरा किसी का, तो सफेद किसी का हो गया है। जानवर बांट दिए गए हैं। मतलब जो ज्ञान व शिक्षा सभी में बंटनी चाहिए थी उसको छोड़ कर सब कुछ बंट चुका है।

देश दुनीया से

घोषणापत्रों से गायब है भ्रष्टाचार का मुद्दा

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दलों द्वारा वायदों की लोकलुभावन घोषणाओं के बीच से भ्रष्टाचार का मुद्दा गायब है। विशेषकर गैर भाजपा दलों ने भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाना जरूरी नहीं समझा। किसी भी विपक्षी दल ने चुनावी घोषणा पत्र में भ्रष्टाचार मिटाने का जिक्र तक नहीं किया, जबकि भाजपा सरेआम भ्रष्टाचार के मामलों में विपक्षी दलों के नेताओं पर निशाना साध रही है। विपक्षी दल भाजपा के खिलाफ बदनीयती से ईडी और सीबीआई की कार्रवाई के जरिए चुनावी फायदे का आरोप लगा रहे हैं, किन्तु यह नहीं बता रहे कि भ्रष्टाचार आखिर खत्म कैसा होगा। नेशनल हैराल्ड के मामले में सोनिया गांधी और खडग़े के खिलाफ कार्रवाई के मामले में कांग्रेस ने भाजपा पर ईडी और सीबीआई से डराने-धमकाने का आरोप लगाया है। चुनावी सभाओं में कांग्रेस नेता राहुल गांधी अडानी-अंबानी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मिलीभगत का आरोप लगा रहे हैं। आश्चर्य की बात यह है कि राहुल गांधी सहित कांग्रेस और किसी भी विपक्षी दल के नेता ने अभी तक इन आरोपों को कोर्ट में चुनौती नहीं दी। गौरतलब है कि जनहित रिट याचिकाओं के जरिए पूर्व में भ्रष्टाचार के मामलों में अदालतों ने कई बड़े निर्णय दिए हैं। फ्रांस से लिए युद्धक विमान राफेल में भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट में मामला दायर किया था। इसी तरह विपक्षी दलों ने संयुक्त रूप से प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो के खिलाफ दुर्भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इन दोनों मामलों में विपक्षी दलों को भाजपा के खिलाफ कोई सफलता नहीं मिल सकी। ईडी ने पिछले 9 साल में 5000 केस फाइल किए। इनमें से 95 प्रतिशत केस विरोधी दलों के नेताओं और उनके रिश्तेदारों के खिलाफ हैं। सवाल यही उठता है कि देश के प्रधानमंत्री पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी उद्योगपतियों से मिलकर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे हैं। चुनावी सभाओं में राहुल गांधी ने इसे प्रमुख मुद्दा बनाया हुआ है। इसके बावजूद राहुल गांधी या कांग्रेस इस मुद्दे पर अदालत के जरिए कानूनी कार्रवाई से कतरा रहे हैं। इससे यही साबित होता है कि ये आरोप सिर्फ चुनावी फायदे के लिए लगाए जा रहे हैं। इसके विपरीत ईडी और सीबीआई की कार्रवाई विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ लगातार जारी है। दिल्ली में शराब घोटाले के केस में केजरीवाल की पार्टी के तीन बड़े नेता पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। चुनावी सभाओं में प्रधानमंत्री मोदी भ्रष्टाचार के मामलों में लगातार विपक्षी दलों पर हमला कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने सभाओं में घोटालों की बात की, भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया, फिर कहा कि जनता का पैसा खाने वालों को लूट का माल भी लौटाना पड़ेगा और जेल भी जाना पड़ेगा। शराब घोटाले के केस में अरविंद केजरीवाल ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए। उन्होंने ईडी के समन को मानने से इनकार कर दिया। ईडी के नोटिस को केजरीवाल ने राजनीति से प्रेरित बताया। छत्तीसगढ़ के कांकेर में एक रैली को संबोधित करते हुए नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कोई कितना भी ताकतवर हो, कितने भी बड़े पद पर हो, कितना भी बड़ा नेता हो, अगर भ्रष्टाचार किया है, अगर जनता का पैसा खाया है, तो लूट का माल लौटाना ही पड़ेगा, जेल जाना ही पड़ेगा। मोदी ने सीधे-सीधे न केजरीवाल का नाम लिया, न शराब घोटाले की बात की। पांच राज्यों के चुनाव के दौरान केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई जारी है। प्रवर्तन निदेशालय ने महाराष्ट्र सरकार में मंत्री रह चुके शिवसेना (यूबीटी) नेता रवींद्र वायकर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह मामला वायकर, उनकी पत्नी और अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज किया गया है। वायकर व उनके परिवार पर आरोप है कि वो बीएमसी के नियमों की अनदेखी कर मुंबई के जोगेश्वरी में एक लग्जरी होटल बनाने वाले थे। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और तेलगु देशम पार्टी के मुखिया चंद्रबाबू नायडू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

विपक्षी दल भाजपा के खिलाफ बदनीयती से ईडी और सीबीआई की कार्रवाई के जरिए चुनावी फायदे का आरोप लगा रहे हैं, किन्तु यह नहीं बता रहे कि भ्रष्टाचार आखिर खत्म कैसा होगा। नेशनल हैराल्ड के मामले में सोनिया गांधी और खडग़े के खिलाफ कार्रवाई के मामले में कांग्रेस ने भाजपा पर ईडी और सीबीआई से डराने-धमकाने का आरोप लगाया है। चुनावी सभाओं में कांग्रेस नेता राहुल गांधी अडानी-अंबानी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मिलीभगत का आरोप लगा रहे हैं। आश्चर्य की बात यह है कि राहुल गांधी सहित कांग्रेस और किसी भी विपक्षी दल के नेता ने अभी तक इन आरोपों को कोर्ट में चुनौती नहीं दी।

दृष्टिकोण

सेलिब्रिटीज का इमोशनल होना...

भौतिक संसार में भावनात्मक संतुलन बनाए रखने की सलाह दी जाती है, लेकिन कई मामलों में तो भावनात्मक होते हुए सामान्य रोना नहीं बल्कि खूब रोना, अनेक परेशानियों से बाहर निकलकर, बेहतर ज़िंदगी जीने के लिए ज़रूरी माना जाता है। जापान जैसे विकसित देश में तो आंसू निकलवाने के लिए टियर टीचर्स भी प्रशिक्षित किए जाते रहे हैं। लेकिन हमारा मामला अलग है। हमारे देश में राजनीतिजी ने आम लोगों के आंसू निकाल दिए हैं इतने कि खत्म हो गए लगते हैं। इसलिए जब प्रसिद्ध, महान होते नेता या मंत्री इमोशनल होते हैं तो कायनात भी भीगने लगती है। कमबख्त ढूंढने वाले तो उनके आंसुओं में भी राजनीति खोजने लगते हैं। पता नहीं आंसुओं में राजनीति का तेल होता है या सिर्फ नमकीन पानी, लेकिन जब आंसू निकल आते हैं तो भावुकता शरीर से भी टपकने लगती है। भावना की नदी का बहाव आमंत्रित करता है। राजनेताओं के चेले, चमचे, सहयोगी, अधिकारी, कारें, स्वागत द्वार, फूलों के बुके तक भीग उठते हैं। रुमाल अक्सर हाथ में रहते हैं। यह तत्काल भुला दिया जाता है या याद ही नहीं रहता कि राजनीति में सचमुच कितनी खतरनाक पारिवारिक, क्षेत्रीय, धार्मिक, आर्थिक और जातीय भावनाएं भरी होती हैं। बेचारी आंखों को कई बार छलकना पड़ता है। दिमाग से विरोधी अनेक व्यक्तियों की आंखों में नमकीन पानी उमडऩा नहीं चाहता, लेकिन भावनात्मक माहौल से प्रेरित हो, दिखाने के लिए बेहतर अंदाज़ में टपकाया जाता है। आखिर मामला आम आंखों के आंसुओं का नहीं, प्रसिद्ध आंखों के ख़ास आंसुओं का जो होता है। सेलिब्रेटी के साथ कुछ न कुछ इमोशनल हो जाता है। वहां दस्तूर भी होता है और मौक़ा भी। यह तहजीब का मामला बन जाता है जी। आंसू साबित करते हैं कि राजनीतिजी के राज्य में कोई स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता। असली, खालिस दुर्भावनाएं दबा दी जाती हैं। इस बारे सभी को पता होता है, लेकिन अवसर सेलिब्रेटीज़ के इमोशनल होने का होता है तो खलल नहीं डाली जाती। अनुशासन भी तो एक चीज़ होती है जी। तभी तो सही अवसर का इंतज़ार किया जाता है। स्वाभाविक सच तो यही है कि ज़िंदगी में सफल होने के लिए मेहनत करनी पड़ती है और सफलता को टिकाए रखने के लिए सघन, अलग तरह की मेहनत करनी पड़ती है। वास्तव में समझा जाए तो हमेशा संयमित और अनुशासित जीवन जीने वाले, आम लोगों के साथ कुछ भी हो जाने पर द्रवित न होने वाले सेलिब्रेटीज़ का कभी-कभी इमोशनल होना भी ज़रूरी है। इस मंच पर वे खुद का इनसान होना कबूल करते हैं। हालांकि वे उचित अवसरों पर ही ऐसा रूप धर पाते हैं। वैसे भी वे सबकी तरह हाड़-मांस वाले इनसान ही तो होते हैं, लेकिन उनकी भावनाओं का तो गुंचा भी अनुशासन में बंधा होता है। हम इतने भी जापानी नहीं हैं कि भावनात्मक होने पर आंसू निकालने के लिए सीखना या सिखाना पड़े। खरी सच्चाई यह भी तो है कि आंखों से भावनाएं ज़्यादा बह निकलें, सुबकना शुरू कर दें, शारीरिक रूप से ज़्यादा प्रदर्शित की जाएं तो सांसारिक या भौतिक नुकसान ज़्यादा भी हो सकता है। इसलिए बाज़ार के प्रतिनिधि इस संदर्भ में संयम बरतने की कोचिंग देते रहते हैं, लेकिन कमबख्त बाज़ार ही तो सेलिब्रेटीज़ को उचित अवसरों पर इमोशनल होने की संजीदा सलाह देता है।

24 बंधकों की रिहाई के बाद नेतन्याहू बोले–इजराइल युद्ध के सभी लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध

तेल अवीव।

हमास द्वारा इजराइली बंधकों के पहले बैच को रिहा करने के बाद, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि उनकी सरकार गाजा से सभी बंधकों की वापसी के लिए प्रतिबद्ध है, क्योंकि यह युद्ध के उद्देश्यों में से एक है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में, नेतन्याहू ने कहा, हमने अभी-अभी अपने पहले बंधकों की वापसी पूरी की है: बच्चे, उनकी मां और अतिरिक्त महिलाएं शामिल हैं।

बंधक समझौते के प्रति इजराइल की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने आगे कहा, हम सभी बंधकों को वापस करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह युद्ध के उद्देश्यों में से एक है और हम युद्ध के सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल और हमास के बीच बंधक सौदे के हिस्से के रूप में, इजराइली बंधकों के पहले समूह को रेड क्रॉस के लिए अंतर्राष्ट्रीय समिति के कर्मचारियों को सौंप दिया गया है।

चार दिनों में 50 बंधकों की रिहाई पर सहमति – एक इजराइली अधिकारी के हवाले से पता लगा कि एम्बुलेंस में 13 इजराइली बंधक दक्षिणी गाजा के खान यूनिस से राफा क्रॉसिंग की ओर इजराइल की ओर जा रहे हैं। इन 13 बंधकों की रिहाई चार अपेक्षित चरणों में से पहला चरण है। विशेष रूप से, हमास ने इजराइल के साथ संघर्ष विराम के चार दिनों के दौरान लगभग 50 बंधकों को रिहा करने पर सहमति व्यक्त की है, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 13 इजराइली बंधकों के अलावा, मिस्र के सरकारी मीडिया कार्यालय ने कहा कि उसने 7 अक्तूबर को इजराइल पर हमास के हमले के दौरान अपहरण किए गए 12 थाई बंधकों की अलग से रिहाई के लिए सफलतापूर्वक बातचीत की है। थाईलैंड ने कहा कि उसका मानना है कि उसके 26 नागरिकों को 7 अक्तूबर को बंधक बना लिया गया था।

इस बीच, इजराइल रक्षा बलों ने कहा कि रिहा किए गए बंधकों के साथ आईडीएफ सैनिक भी रहेंगे क्योंकि वे इजराइली अस्पतालों में जा रहे हैं। वे घर पर हैं। आईडीएफ विशेष बल और आईएसए बल वर्तमान में रिहा किए गए बंधकों के साथ हैं। जब वे इजराइली अस्पतालों में जा रहे हैं तो उनके साथ आईडीएफ सैनिक भी रहेंगे।

इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में घोषणा की, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री योव गैलेंट हमास की कैद से रिहा किए गए इस्त्रालियों को लाने के लिए ऑपरेशन के प्रबंधन की बारीकी से निगरानी करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

निज्जर की हत्या मामले में कनाडा में भारतीय राजदूत बोले- बिना जांच के भारत को दोषी ठहरा दिया

ओटावा। कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने इस बात पर आपत्ति जताई है कि कनाडा की धरती पर खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच पूरी जांच के पहले ही नई दिल्ली को दोषी ठहराया गया। हत्या के संबंध में अपने आरोपों के समर्थन में कनाडा से सबूत जारी करने का आग्रह करते हुए भारतीय राजदूत ने कहा कि जस्टिन ट्रूडो के आरोपों में जो कुछ ही प्रासंगिक है नई दिल्ली उस पर गौर करेगी। एक साक्षात्कार में उच्चायुक्त से कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो द्वारा निज्जर की हत्या में भारत सरकार की संभावित संलिप्तता के आरोपों के बारे में पूछा गया था। इस पर जवाब देते हुए वर्मा ने कहा, इस पर दो बिंदु हैं। एक यह है कि जांच पूरी हुए बिना ही भारत को दोषी करार दे दिया गया। क्या यह कानून रूप से सही है यह पूछे जाने पर कि भारत को कैसे दोषी ठहराया गया, उच्चायुक्त ने कहा, क्योंकि भारत को सहयोग करने के लिए कहा गया था और यदि आप विशिष्ट आपराधिक शब्दावली को देखते हैं, जब कोई सहयोग करने के लिए कहता है, तो इसका मतलब है कि आपको पहले ही दोषी ठहराया जा चुका है। भारतीय राजदूत ने कहा, हमने इसे बहुत अलग तरह से लिया। लेकिन, हमने हमेशा कहा है कि यदि कुछ बहुत विशिष्ट और प्रासंगिक है, तो हमें सूचित किया गया है और हम इस पर गौर करेंगे। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की ओर से इस साल की शुरुआत में कनाडा की धरती पर खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता के आरोप लगाए जाने के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। निज्जर की 18 जून को कनाडा के सरे में गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। भारत ने कनाडा की ओर से हत्या का आरोप लगाए जाने के बाद आरोपों को खारिज कर दिया था और इसे बेतुका और प्रेरित बताया था।

यौन संबंधों से भी फैलता है मंकीपॉक्स, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने की पुष्टि

वॉशिंगटन। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पहली बार पुष्टि की है कि यौन संबंधों से भी मंकीपॉक्स फैलता है। बता दें कि अफ्रीकी देश कांगो में इन दिनों बड़े पैमाने पर मंकीपॉक्स का संक्रमण फैल रहा है। अफ्रीकी वैज्ञानिकों ने चेताया है कि अगर अभी इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो यह बेहद खतरनाक हो सकता है। डब्लूएचओ ने गुरुवार को इस बात की पुष्टि की कि मंकीपॉक्स यौन संबंध बनाने से भी फैल सकता है। डब्लूएचओ ने बताया कि बेल्जियम के व्यक्ति ने मार्च में कांगो का दौरा किया था और वह मंकीपॉक्स से संक्रमित पाया गया। डब्लूएचओ ने बताया कि संक्रमित व्यक्ति गे है और उसके कांगो में कई लोगों के साथ शारीरिक संबंध बने। डब्लूएचओ ने बताया कि बेल्जियम के व्यक्ति के साथ शारीरिक संबंध बनाने वाले पांच अन्य लोग भी मंकीपॉक्स से संक्रमित पाए गए हैं। इसके आधार पर डब्लूएचओ ने पुष्टि की है कि यौन संबंधों से भी मंकीपॉक्स के संक्रमण का प्रसार होता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह पहला सबूत है, जिससे पता चला है कि यौन संबंधों से भी मंकीपॉक्स फैलता है, जबकि पहले इस दावे को खारिज कर दिया गया था। बता दें कि मध्य और पश्चिमी अफ्रीका में बीते कई दशकों से मंकीपॉक्स एक महामारी बनी हुई है और आमतौर पर यह चूहों से इंसानों में फैला।

स्कूल के पास चाकूबाजी घटना के बाद 34 गिरफ्तार; हिंसक झड़पों पर लगी लगाम

डब्लिन। डब्लिन में स्कूल के बाहर चाकू से हुए हमले में तीन युवा बच्चों के घायल होने की घटना के बाद इलाके में रात को भारी संख्या में पुलिस की तैनाती की गई। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शन करने वाले 34 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के वाहनों से लेकर अन्य वाहनों में आग लगाने से लेकर दुकानों में तोड़फोड़ और लूटपाट के बाद पुलिस पहले से अधिक सतर्क हो गई है। सड़कों पर पर्यटक और खरीददार दिखे। जले हुए वाहनों को हटाने के साथ पासिंग अधिकारी लूटे गए दुकानों की भी देखरेख कर रहे थे। पुलिस ने कुछ प्रदर्शनकारियों का पीछा करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया। आयरिश प्रधानमंत्री लियो वराडकर ने कहा, जो भी लोग इस हिंसा में शामिल हैं, उन्होंने आयरलैंड, डब्लिन और अपने परिजनों को शर्मसार किया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार नफरत विरोधी कानून के खिलाफ कड़ा कदम उठाएगी। वह अधिकारियों को पहनने वाले कैमरों का उपयोग करने वाले कानून में तेजी लाने की भी योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, एक देश के तौर पर हमें आयरलैंड को वापस हासिल करना होगा। हमें आयरलैंड को उन लोगों से दूर ले जाना होगा, जो कायरों की तरह छिपकर देश में दंगा कराते हैं और हमें डराने की कोशिश कर रहे हैं।

विश्व स्वास्थ संगठन को चीन का जवाब

निमोनिया संक्रमण में उछाल का कारण कोई नया वायरस नहीं, बीमार बच्चों की हालत भी सामान्य

बीजिंग।

चीन ने दावा किया है कि उनके देश में रिपोर्ट किए गए हालिया निमोनिया संक्रमण के मामलों में कोई चिंताजनक बातें सामने नहीं आई हैं। चीन का कहना है कि मौसमी बीमारियों के अलावा देश में किसी असामान्य या नए रोगजनक का पता नहीं चला है। दक्षिणी क्षेत्रों में माइकोप्लाज्मा निमोनिया और इन्फ्लूएंजा फ्लू के बढ़ते मामलों को लेकर चीन के जवाब के बाद वैश्विक चिंताओं के कम होने की संभावना है। खतरा खासकर बच्चों में बीमारी फैलने का था।

वैश्विक चिंताओं को कम करने की कोशिश के तहत चीन ने विश्व स्वास्थ संगठन (डब्लूएचओ) को माइकोप्लाज्मा निमोनिया और इन्फ्लूएंजा फ्लू के बढ़ते मामलों की रिपोर्टों पर पूछे गए सवालों का जवाब दिया। चीन ने कहा कि श्वसन रोगों में उछाल का कारण प्रतिरक्षा अंतराल है। बता दें कि चीन में निमोनिया संक्रमण के मामले सामने आने के बाद भारत सहित दुनिया भर में अलर्ट जारी किया गया।

बता दें कि विश्व स्वास्थ संगठन और चीन दोनों को कोविड-19 महामारी के कारण गैर-पारदर्शी डेटा/सूचना साझा करने के आरोपों का सामना करना पड़ा है। 2019 में चीनी शहर वुहान से शुरू हुआ कोरोना का प्रसार बड़े पैमाने पर महामारी में बदला और दुनियाभर में लाखों लोगों की मौत हुई।

अब माइकोप्लाज्मा निमोनिया और इन्फ्लूएंजा फ्लू के मामलों के कारण चीन में बड़ी संख्या में बच्चे अस्पताल में भर्ती कराए गए। मीडिया रिपोर्टों के जवाब में, विश्व स्वास्थ संगठन ने गुरुवार को चीन से विस्तार से जानकारी मांगी। जिनेवा में जारी विश्व स्वास्थ संगठन के एक बयान में चीनी स्वास्थ्य अधिकारियों से प्राप्त जानकारी का हवाला दिया गया। इसके अनुसार, चीन में किसी भी असामान्य या नए रोगज़नक़ या असामान्य वायरस का पता नहीं चला है। कई कारणों से श्वसन संबंधी बीमारियों में सामान्य वृद्धि दर्ज की गई है।

World Health Organization

थाई पीएम बोले- हिंदू धर्म के मूल्यों से ही मिल सकती है शांति, वेद सह-अस्तित्व की शिक्षा देते हैं

बैंकाक। आशांति से जूझ रही दुनिया को हिंदू धर्म के मूल्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए। अहिंसा, सत्य, सहिष्णुता और आपसी सद्भाव के रास्ते पर चलकर ही शांति प्राप्त हो सकती है। हिंदू मूल्यों को अपनाने से ही शांति स्थापित होगीज्यह कहना है थाईलैंड के प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन का। उन्होंने कहा कि दुनिया में आज हिंदुओं की पहचान एक समृद्धशाली और प्रगतिशील समाज के रूप में हो रही है।

वेदों की तारीफ की– दरअसल, थाईलैंड की राजधानी में विश्व हिंदू सम्मेलन का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम में थाई प्रधानमंत्री को भी शामिल होना था। हालांकि, किसी व्यस्तता के कारण वे शामिल नहीं हो सके। इसलिए उनका संदेश पढ़ा गया। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि हिंदू धर्म धर्म के संदेशों और मूल्यों पर आयोजित विश्व हिंदू सम्मेलन की मेजबानी करना थाईलैंड के लिए सम्मान की बात है। थाई पीएम ने कहा कि वेद शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के सिद्धांतों की कल्पना करते हैं। शांति की अवधारणा भी इन्हीं सिद्धांतों पर स्थापित हैं।

धर्म की विजय का उद्घोष–कार्यक्रम की शुरुआत धर्म की विजय के उद्घोष के साथ दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। इस दौरान प्रख्यात संत माता अमृतानंदमयी, भारत सेवाश्रम संघ के स्वामी पूर्णानंद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहनराव भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले, विश्व हिंदू परिषद के महासचिव मिलिंद परांडे और कार्यक्रम के संस्थापक-संचालक स्वामी विज्ञानानंद उपस्थित थे।

2200 से अधिक गणमान्य हुए शामिल–विश्व हिंदू सम्मेलन में दुनिया के 61 देशों के 2200 से अधिक गणमान्यों को आमंत्रित किया गया था। सभी गणमान्य शिक्षा, अर्थव्यवस्था, शिक्षा, अनुसंधान और विकास, मीडिया और राजनीति सहित अन्य क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियों के लिए प्रसिद्ध हैं। इनमें करीब 25 देशों के सांसद और मंत्री भी शामिल हैं। बता दें, थाईलैंड में भारतीय समुदाय के लगभग 10 लाख लोग रहते हैं। पूरा समुदाय थाईलैंड के व्यापार और आर्थिक विकास में योगदान देता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने कहा–

यह हमारे दिन-रात की मेहनत का परिणाम, हर-एक बंधक को घर पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध

वाशिंगटन।

इजराइल और हमास के बीच युद्ध जारी है। युद्ध में अब तक 14 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच हमास ने शुक्रवार सुबह 13 इजराइली बंधकों को रिहा कर दिया। बंधकों की रिहाई को लेकर अमेरिका ने कहा कि आज का दिन कड़ी मेहनत का परिणाम है। सभी बंधकों ने भयानक जुल्म देखे हैं। बता दें, बंधकों की रिहाई के एवज में इजराइल ने चार दिन का युद्ध विराम घोषित किया है।

हमारे दिन-रात काम का नतीजा

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि आज सुबह 13 इजराइली लोगों को रिहा कर दिया गया। सभी बंधक भयानक जुल्म सह कर आए हैं। पहले दिन जब हमास के आतंकियों ने लोगों को बंधक बनाया तब से मैं अपनी टीम के साथ चौबीस घंटे काम कर रहा हूं। लड़ाई को रोकने के लिए मैं लगातार दबाव डाल रहा हूं। मैंने सुनिश्चित किया कि गाजा में मानवीय सहायता पहुंचे और बंधकों की जल्द से जल्द रिहाई हो। आज बंधकों की रिहाई उसी कठोर मेहनत का परिणाम है, जो हम पहले दिन से कर रहे हैं।

साथ देने वाले देशों को धन्यवाद

उन्होंने आगे कहा कि मैं और मेरी टीम पिछले एक महीने से कतर से अमीर, मिस्र के राष्ट्रपति अल-सिसी, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बार-बार बात की। हमने जॉर्डन, सऊदी अरब, यूएई और भारत सहित तमाम देशों के राष्ट्राध्यक्षों से बात की। हमने सुनिश्चित किया कि कैसे बंधकों की रिहाई संभव हो। इस कार्यवाही में शामिल देशों का धन्यवाद।

और बंधकों की रिहाई भी कराएंगे

बाइडन ने कहा कि गाजा में नागरिकों की रिहाई की प्रक्रिया शुरू हो गई है। हम उम्मीद करते हैं कि कल और अधिक बंधकों को रिहा किया जाएगा और उसके अगले दिन और अधिक बंधकों की रिहाई होगी। हमास के पास अब भी जो बंधक रह गए हैं, हम उन्हें याद करते हैं। जल्द ही उनकी रिहाई भी कराई जाएगी। हम हर एक नागरिक की रिहाई कराएंगे। इसके लिए हम पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं। जब तक एक-एक नागरिक अपने घर नहीं पहुंच जाता, तब तक हम शांत नहीं रहेंगे।

रूस ने की भारत के जी20 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता की तारीफ में कहा- यह बेहद उत्पादक और निर्णायक

मास्को।

जी20 शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन के कारण दुनिया भर में भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ हो रही है। इस बीच एक बार फिर रूस ने नई दिल्ली में आयोजित सम्मेलन की तारीफ की। रूस के राष्ट्रपति आवास क्रेमलिन का कहना है कि भारत की अध्यक्षता में आयोजित हुए शिखर सम्मेलन के परिणामों का मूल्यांकन किया है, जिसे बेहद उत्पादक माना गया है। बता दें, नौ और 10 सितंबर को नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ था।

अच्छे कामों के लिए धन्यवाद दिया–वर्चुअल शिखर सम्मेलन को लेकर उन्होंने कहा कि वास्तव में यूक्रेनी मुद्दे पर स्थिति अलग-अलग है। विभिन्न देशों ने अलग-अलग वाक्यांशों का इस्तेमाल किया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने भी अपनी बात रखी। राष्ट्रपति को सुना गया। राष्ट्रपति ने दूसरों को सुना। दोनों एक-दूसरे को सुने यह महत्वपूर्ण है। इस दौरान पुतिन ने भारत को अच्छे कामों के लिए धन्यवाद दिया।

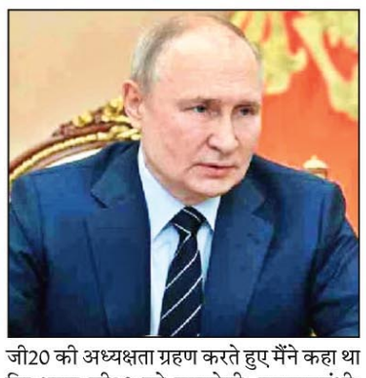

जी20 को भारत ने निर्णायक बनाया–जी20 वर्चुअल शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता के दौरान प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि पिछले साल इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो से जी20 की अध्यक्षता ग्रहण करते हुए मैंने कहा था कि भारत जी20 को समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और कार्य-उन्मुख बनाएगा। मोदी ने कहा कि हमने साल भर में इसे हासिल किया। हमने जी-20 को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।

जी20 में यह नेता शामिल हुए–जी20 देशों के नेताओं के आभासी शिखर सम्मेलन में ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इन सीओ लूला दा सिल्वा, संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, कनाडाई प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो, बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना, यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और आईएमएफ के प्रबंध निदेशक शामिल हुए।

इजराइल द्वारा छोड़े गए 39 फलस्तीनी कैदियों के परिजन बोले– हम खुश हैं, लेकिन दुख भी है

तेल अवीव।

इजराइल और हमास के बीच हुए युद्धविराम समझौते के तहत इजराइल ने 39 फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया। वहीं हमास द्वारा 13 इजराइली नागरिकों को रिहा किया गया है। साथ ही 11 विदेशी बंधकों को भी हमास द्वारा रिहा किया गया है। फलस्तीनी कैदियों को रिहा होने पर उनके परिजनों ने खुशी जताई लेकिन साथ ही कहा कि वह उन लोगों के लिए दुखी भी हैं, जिन्होंने गाजा पट्टी में अपनी जान गंवाई है।

फलस्तीनी बोले- गाजा में जो हो रहा उससे दुखी

रिहा हुई फलस्तीनी महिला मराह बीर की मां सावसान बीर ने कहा कि इससे ज्यादा खुशी कुछ नहीं हो सकती। हालांकि हम इस बात से भी दुखी हैं कि गाजा में क्या हो रहा है। बता दें कि 24 साल की मराह को साल 2015 में चाकू से हमले के आरोप में आठ साल जेल की सजा सुनाई गई थी। अब समझौते के तहत रिहा किए जा रहे कैदियों में मराह भी शामिल है। बता दें कि समझौते के तहत अगले तीन दिनों में 100 और लोगों को रिहा किया जाएगा और अगर सीजफायर बढ़ता है तो और भी लोगों को रिहा किया जा सकता है।

इजराइल द्वारा छोड़े गए लोगों के स्वागत के लिए वेस्ट बैंक के बेतूनिया में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे और छोड़े गए कैदियों की रिहाई का जश्न मनाया। इस दौरान लोगों ने रिहा किए गए कैदियों को कंधे पर बिठाकर घुमाया। लोगों ने फलस्तीन और हमास के झंडे पकड़े हुए थे। वहीं कुछ लोग हमास के समर्थन में नारेबाजी कर रहे थे। रिहा किए गए 17 साल के लैथ ओथमान ने कहा कि वह बता नहीं सकता कि वह कितना खुश है। ओथमान ने कहा कि जेल के भीतर हालात काफी खराब हैं।

हमास द्वारा रिहा इजराइली नागरिकों का चल रहा इलाज

वहीं हमास द्वारा रिहा किए इजराइली और विदेशी नागरिक सेंट्रल इजराइल के अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं, जहां उनके स्वास्थ्य की जांच की जा रही है। जिस अस्पताल में रिहा किए गए लोगों को रखा गया है, उसके डायरेक्टर ने एक बयान जारी करते हुए कहा है कि सभी बंधकों की सेहत ठीक है।

गीर्ट का पीएम बनना तय; कुरान पर बैन जैसे विवादित बयान के कारण खौफ के साये में डच मुसलमान

एम्सटर्डम।

यूरोपीय देश नीदरलैंड में सरकार बदलने वाली है। देश के आम चुनाव में दक्षिणपंथी नेता गीर्ट वाइल्डर्स की जीत के बाद नीदरलैंड में राजनीतिक उथल-पुथल का माहौल है। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में यह भी सामने आया है कि प्रचंड बहुमत के अभाव में गीर्ट को विपक्षी दलों को मनाने की चुनौती का सामना करना पड़ता है। सियासी अटकलों के बीच इनका प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ होना इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि गीर्ट वाइल्डर्स ने मुस्लिम समुदाय को सीधे प्रभावित करने वाले प्रस्ताव सामने रखे हैं। उन्होंने कहा है कि सरकार बनने के बाद वे नीदरलैंड में कुरान पर प्रतिबंध लगाएंगे।

इसके अलावा गीर्ट वाइल्डर्स मस्जिदों को बंद करने और मुस्लिम-बहुल देशों से नीदरलैंड में आने वाले मुसलमानों को दोयम दर्जे का नागरिक बताने जैसे विवादित बयान भी दे चुके हैं। गीर्ट वाइल्डर्स की अगुवाई में नीदरलैंड की सरकार बनने के बाद अगर उनकी सरकार ने मुस्लिम आबादी से जुड़े तमाम प्रस्तावों को कानूनी अमलीजामा पहनाया तो इससे असंतोष पनपने की आशंका है। इससे पहले भारत में पैगंबर मुहम्मद को लेकर हुई बयानबाजी में गीर्ट ने नुपूर शर्मा का समर्थन कर सुर्खियां बटोरीं थीं।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नीदरलैंड के चुनाव में गीर्ट वाइल्डर्स को अप्रत्याशित जीत मिली है। शुक्रवार को उन्होंने सरकार गठन के लिए गठबंधन बनाने और बहुमत के लिए जरूरी आंकड़े जुटाने की आधिकारिक प्रक्रिया शुरू की। खबरों के अनुसार, बुधवार के चुनाव में वाइल्डर्स की पार्टी-पीवीवी फ्रीडम पार्टी को विजेता घोषित किया गया।

गीर्ट वाइल्डर्स कौन हैं–नीदरलैंड में वाइल्डर्स की छवि दक्षिणपंथी नेता के रूप में है। लोकलुभावन वादे और विवादित बयान देने वाले वाइल्डर्स पार्टी फॉर फ्रीडम (पार्टिज वूर डी व्रिजहीद, पीवीवी) के संस्थापक नेता हैं। 6 सितंबर, 1963 को नीदरलैंड के वेनलो में जन्मे वाइल्डर्स ने राजनीतिक करियर की शुरुआत उदारवादी पार्टी पीपुल्स पार्टी फॉर फ्रीडम एंड डेमोक्रेसी (वीवीडी) के साथ की। 2006 में उन्होंने अलग पार्टी बनाने का फैसला लिया। उन्होंने आप्रवासन विरोधी नीतियों पर विशेष जोर दिया।

वाइल्डर्स ने विशेष रूप से गैर-पश्चिमी आप्रवासियों के खिलाफ मुखरता से बयान दिए। उन्होंने इस्लाम की आलोचना जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने अक्सर डच संस्कृति और पश्चिमी मूल्यों के लिए इस्लाम के लिए खतरा बताया है। विवादित टिप्पणियों के कारण वाइल्डर्स को कानूनी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा है। 2016 में नफरत फैलाने वाले भाषण के लिए सजा मिली थी, लेकिन अपील में उन्हें अदालत से राहत मिली थी।

मुसलमानों के खिलाफ वाइल्डर्स की बयानबाजी–वाइल्डर्स इस्लाम की आलोचना में कितने मुखर रहे हैं इसका अंदाजा उनके बयानों से होता है। अक्सर इस्लाम को चरमपंथ के साथ जोड़ने वाले वाइल्डर्स कई ऐसे बेतुके बयान दे चुके हैं, जो यूरोपीय संस्कृति के साथ-साथ उदारवाद को चुनौती देते हैं। इस्लाम को पश्चिमी मूल्यों के साथ असंगत बताने वाले वाइल्डर्स मुसलमानों को दोयम दर्जे का नागरिक बताते हैं। ऐसे बयानों के कारण बड़ी आबादी को हाशिए पर धकेले जाने का खतरा है। वह नीदरलैंड से मुस्लिमों को निकाले जाने को लेकर डी-इस्लामीकरण की वकालत करते हैं।

वाइल्डर्स की बयानबाजी और नीतियों के कारण मुसलमानों के खिलाफ भेदभाव को वैधता मिलने और ऐसे मामले बढ़ने की क्षमता है। उनके प्रधानमंत्री बनने पर नागरिकों के बीच व्यक्तिगत सुरक्षा को लेकर चिंताएं भी पनपने का खतरा है। मुसलमानों के प्रति शत्रुता भड़कने का भी खतरा है। खबरों के अनुसार, राजनीतिक विमर्श में इस्लाम और मुसलमानों का लगातार नकारात्मक चित्रण हो रहा है। इससे मुस्लिम समुदाय पर गहरा मनोवैज्ञानिक असर होने का डर है। इससे अलगाव की भावना पैदा हो सकती है और अपने ही देश में अपनापन न होने की भावना पैदा हो सकती है।

वाइल्डर्स पर मुसलमानों के विचार–यूरोपीय देश के सत्ता परिवर्तन और वाइल्डर्स के पीएम बनने को लेकर रिपोर्ट के अनुसार, नीदरलैंड में रहने वाले कुछ डच मुसलमानों ने अलग-थलग महसूस होने की शिकायत की है। इनका कहना है कि समाज के कुछ वर्गों से घृणा का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर सोशल मीडिया पर शत्रुता बढ़ रही है। हेट स्पीच का भी सामना करना पड़ रहा है। कुछ लोग उत्पीड़न से बचने के लिए नीदरलैंड छोड़ने जैसे बड़े विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

लोकतंत्र के महापर्व में महादान कर लोगों ने निभाया अपना फर्ज

जोधपुर (हिंस)। लोकतंत्र का महापर्व मतदान शनिवार की सुबह सात बजे शुरू हो गया। सुबह से ही लोगों ने उत्साह के साथ महादान कर अपना फर्ज निभाया और भावी सरकार को चुन लिया। 3 दिसम्बर को प्रत्याशियों के भाज्य का पिटारा खुलेगा और किस्मत के धनी सत्ता पर बैठेंगे। एक तरफ सत्ताधारी पार्टी ने अपनी चुनावी गारंटियों को लेकर मैदान में रही तो दूसरी तरफ विपक्ष ने कई मुद्दों पर सरकार को घेरे रखा। जोधपुर जिले की दस विधानसभा सीटों पर सुबह सात बजे से मतदान की प्रक्रिया आरंभ हो गई। सुबह से ही लोगो ने उत्साह के साथ मतदान की प्रक्रिया में भाग लेकर निष्पक्ष और स्वतंत्र और विकासवादी सरकार को चुन लिया। हालांकि जोधपुर शहर में कुछ स्थानों पर ईवीएम की खराबी के साथ समय पर वोटिंग शुरू नहीं होने, कईयों का मतदाता सूचियों में नाम नहीं होने की शिकायतें भी मिलती रही तो कुछ स्थानों पर फर्जी वोटिंग को लेकर भी विरोध देखा गया। पुलिस के साथ आर्मी के जवानों ने चाक चौबंद व्यवस्था के साथ मतदान को संपन्न करवाया। प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, पूर्व सांसद एवं पूर्व नरेश गजसिंह सहित कई स्थानीय प्रत्याशियों की तरफ से अपने सपरिवार वोटिंग में हिस्सा लिया। सुबह से ही नेताओं ने अपने अपने मतदान स्थल पर पहुंच कर लोगों की हौंसला अफजाई की और वोटिंग के प्रेरित किया। नेताओं ने अपने वक्तव्य में अलग अलग विचार रखें। प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपनी पत्नी सुनीता गहलोत, पुत्र वैभव गहलोत सहित भतीजे के साथ मतदान के लिए महामंदिर जैन स्कूल पर वोट देने पहुंचे। यहां मतदान के बाद मीडिया से बाचतीत में उन्होंने फिर से प्रदेश में कांग्रेस सरकार आने का दावा किया और केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी की गारंटियां फेल हो गई है। कांग्रेस की गारंटियां ही उन्हे फिर से रिपीट करेगी। मतदान से पहले मुख्यमंत्री प्रतीक बालाजी मंदिर में दर्शन करने भी गए और मन्नत मांगी। उन्होंने कहा पूजा करना व्यक्तिगत मामला होता है। आरसीए चैयरमैन वैभव गहलोत ने मतदान के बाद कहा कि कांग्रेस फिर से राजस्थान में सरकार बनाएगी। उन्होंने लोगों से अधिकाधिक मतदान की अपील करते हुए कहा कि सात गारंटियां मास्टर स्ट्रोक बनकर सरकार बनाने में मदद करेगी। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत अपनी पत्नी, दो बेटियो के साथ एक सरकारी स्कूल पर मतदान के लिए पहुंचे। यहां मतदान के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि इस बार प्रदेश में भाजपा प्रचंड बहुमत से सरकार बनाने जा रही है। लोगों में मतदान को लेकर जो उत्साह दिख रहा है उससे साफ लगता है कि इस बार जनता प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाएगी। आजादी के समय मतदान प्रतिशत 35 हुआ करता था जोकि अब 70 प्रतिशत तक हो गया है। उन्होंने लोगों से शत प्रतिशत मतदान की अपील की। कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते कहा कि अपराध और महिलाओं पर अपराध बढ़े है। पेपर लीक की घटनाएं और महिलाओं द्वारा उत्साह से किया जा रहा मतदान इस बात का साफ संकेत है कि राजस्थान में सरकार बदलने वाली है। पशुपालन एवं खादी बोर्ड के अध्यक्ष राजेंद्रसिंह सोलंकी ने सुबह मतदान के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि जनता में कांग्रेस को फिर से सत्ता में लाने का उत्साह है। कांग्रेस सरकार द्वारा जो योजनाएं चलाई है वह अतुल्यनीय है। योजनाओं का असर से ही इस बार राजस्थान में फिर से कांग्रेस की सरकार बनेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा शुरू की गई योजनाओं के जानकारी दी कि किस प्रकार उन्होंने जनता को राहत प्रदान की है। उन्होंने चिरंजीवी योजना से लेकर सस्ते दाम पर मिलने वाले गैस सिलेण्डरों का जिक्र किया। शहर विधायक मनीषा पंवार आज अपने पति के साथ में मतदान करने पहुंची। उन्होने मीडिया से बातचीत मतदाताओं को लोकतंत्र के इस महापर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि जो व्यक्ति देश और समाज हित में काम करें उसे चुने ताकि देश का विकास हो सकें। राज्यसभा के पूर्व सांसद नारायण पंचारिया ने मतदान के बाद कहा कि मतदाता अधिकाधिक मतदान करें। जिससे ऐसे सरकार बनें जोकि राष्ट्रहित में कार्य करें। भय मुक्त होकर सरकार का चयन करें। राज्यसभा से सांसद राजेंद्र गहलोत ने मतदान के बाद मीडिया से बातचीत की और कहा कि यह बात साफ हो गई है कि इस बार प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी। भाजपा संगठन पर कार्य करती है, बूथ से लेकर संगठन तक कार्यकर्ता काम करते है। सात गारंटियों पर कहा कि काठ की हांडी बार बार नहीं चढ़ती जनता सब जानती है। इस बार कांग्रेस की विदाई तय है। भारतीय जनता पार्टी के शहर अध्यक्ष देवेंद्र सालेचा ने मतदान के बाद मीडिया से कहा कि आमजन विकासवाद को ध्यान में रखते हुए वोट करें। लोगों को इस भ्रष्ट सरकार से मुक्ति पानी है तो सही वोटिंग करें।

हरियाणा में आठ राज्य मार्गों का होगा सुधार

चंडीगढ़(हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने एक साथ कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए प्रशासनिक मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं में 75.16 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से आठ राज्य राजमार्गों के सुधार के अलावा 1.47 करोड़ रुपए की लागत से सिवाह-पिल्लूखेड़ा सड़क का चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण भी शामिल है। सरकारी प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि इनमें 6.80 करोड़ रुपए के अनुमानित बजट के साथ अंबाला जिले में 12.72 किलोमीटर तक फैली जगाधरी-बिलासपुर साढौरा-नारायणगढ़-रायपुर रानी का सड़क सुधार शामिल है। साथ ही 1.69 करोड़ रुपए की अनुमानित राशि के साथ भिवानी जिले में बरवाला-हिसार-सिवनी सिंघानी सड़क (एसएच-19) का सुधार शामिल है, इस सड़क की लंबाई 5.40 किमी है। 5.38 करोड़ रुपए की लागत से भिवानी जिले में 9.23 किलोमीटर तक फैली रेवाडी-दाहिना-कनीना-महिंदरगढ़-सतनाली-लोहारू सड़क (एसएच संख्या 26) का सुधार भी इसमें शामिल है। इसके अलावा, 17.72 करोड़ रुपए की लागत से 32.00 किलोमीटर लंबी महेन्दरगढ़-सतनाली-लोहारू सड़क (एसएच-24) का सुधार भी किया जाएगा। हिसार जिले में 7.62 करोड़ रुपए की लागत से 11. 67 किलोमीटर लंबी आदमपुर से झांसल रोड का सुधार शामिल है। करीब 27.58 करोड़ रुपए से हिसार जिले में 26.038 किलोमीटर लंबी करनाल असंध-जींद-हांसी रोड (एसएच-12) का सुधार भी है। इसमें करनाल जिले में कुल 3.8 करोड़ रुपए की लागत से 0.500 किलोमीटर लंबी कुंजपुरा करनाल रोड (एसएच-08) पर आरसीसी साइड ड्रेन प्रदान करना शामिल है।

दिल्ली कूच से रोका तो पूर्व सैनिकों ने अंबाला में ट्रेनें रोकी

चंडीगढ़ (हिंस)। वन रैंक वन पेंशन को लेकर दिल्ली में हो रही रैली में भाग लेने के लिए पंजाब से दिल्ली जा रहे सैनिकों को पंजाब-हरियाणा के शंभू बार्डर पर रोक लिया गया। जिसके बाद गुस्साए पूर्व सैनिक रेल की पटरियों पर ही बैठ गए। जिसके चलते अमृतसर-दिल्ली रेलवे लाइन से निकलने वाली गाड़ियां प्रभावित हुईं। पंजाब से बड़ी संख्या में पूर्व फौजी वाहनों पर सवार होकर दिल्ली के लिए निकले थे, लेकिन शनिवार को उन्हें शंभू बॉर्डर पर रोक लिया गया। वन रैंक वन पेंशन के अलावा अन्य मांगों को लेकर यह सभी रिटायर फौजी दिल्ली की तरफ जा रहे थे। बॉर्डर पर तैनात पुलिस ने सूचना मिलने के बाद इन्हें दिल्ली नहीं जाने दिया। इस दौरान करीब एक घंटे तक पूर्व फौजी व पुलिस कर्मचारी आपस में उलझते रहे। कोई नतीजा न निकलने पर पूर्व सैनिकों ने रेलगाड़ियों रोक दी। पूर्व सैनिक पानी की टंकी पर चढ़ गए और प्रदर्शन शुरू कर दिया। पूर्व सैनिकों के हंगामे को देखते हुए पंजाब-हरियाणा सीमा पर भारी पुलिस बल को तैनात किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पंजाब के घनौर से नायब तहसीलदार हरीश कुमार तथा हरियाणा के अंबाला से पुलिस व सिविल प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पूर्व सैनिक दिल्ली कूच की मांग पर अड़े हुए हैं। जिस कारण पिछले पांच घंटे से रेल व सड़क मार्ग बाधित है। दोनों प्रदेशों के अधिकारी पूर्व सैनिकों के साथ बातचीत में जुटे हुए हैं।

फिरोजपुर में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में कोताही पर तत्कालीन एसपी निलंबित

चंडीगढ़ (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक के मामले में गृह मंत्रालय ने फिरोजपुर (पंजाब) जिले के तत्कालीन एसपी गुरबिंदर सिंह को निलंबित कर दिया है। वह इस समय पंजाब के बठिंडा में तैनात हैं। यह कार्रवाई पुलिस महानिदेशक द्वारा की गई जांच के आधार पर हुई है। पुलिस महानिदेशक ने बीती 18 अक्टूबर को गृह मंत्रालय को भेजी गई रिपोर्ट में कहा था कि प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान उक्त एसपी ने अपनी डयूटी सही तरीके से नहीं निभाई। पंजाब में विधानसभा के चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 जनवरी, 2022 को बठिंडा पहुंचे थे। यहां से सड़क मार्ग के जरिए प्रधानमंत्री फिरोजपुर जा रहे थे। रास्ते में किसानों ने जाम लगा दिया। उसके बाद फिरोजपुर में प्यारेआला फ्लाईओवर पर प्रधानमंत्री का काफिला बीस मिनट तक रुका रहा। यह फ्लाई ओवर भारत-पाकिस्तान हुसैनीवाला बार्डर से कुछ दूरी पर है। बीस

मिनट तक इंतजार करने के बाद प्रधानमंत्री को लौटना पड़ा। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान एसपी गुरबिंदर सिंह के पास सुरक्षा की जिम्मेदारी थी। फिरोजपुर में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में अनदेखी को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित जांच कमेटी की रिपोर्ट में तत्कालीन मुख्य सचिव अनिरुद्ध तिवारी और डीजीपी सिद्धार्थ चट्टोपाध्याय को भी आरोपी करार दिया गया था। कमेटी ने यह रिपोर्ट आठ महीने पहले अगस्त 2022 में सुप्रीम कोर्ट और सरकार को सौंपी थी। इस रिपोर्ट के आधार पर केंद्र ने दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सितंबर 2022 में पंजाब सरकार को पत्र लिखा था। छह महीने बीत जाने के बावजूद इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई। पहले इस पूरी घटना के लिए एसएसपी हरमनदीप हंस को जिम्मेदार ठहराया गया था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर बनी कमेटी की रिपोर्ट में तत्कालीन मुख्य सचिव और डीजीपी की लापरवाही सामने आई। कहा गया कि अधिकारियों के पास जो भी जिम्मेदारी थी, वे उसका ठीक से निर्वहन नहीं कर पाए। गुरबिंदर सिंह इस समय बठिंडा में तैनात हैं। सरकार द्वारा जारी आदेशों के अनुसार निलंबन के दौरान उनका मुख्य कार्यालय डीजीपी ऑफिस चंडीगढ़ होगा। बिना अनुमति प्राप्त किए वे अपना मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे। बठिंडा से रिलीव कर उन्हें तुरंत डीजीपी कार्यालय आने के लिए कहा गया है।

भारतीय सिख श्रद्धालु गुरुपर्व मनाने के लिए पाकिस्तान रवाना

चंडीगढ़ (हिंस)। गुरुद्वारा ननकाना साहिब में श्री गुरु नानकदेव जी का प्रकाश पर्व मनाने के लिए सिख श्रद्धालुओं का एक जत्था शनिवार सुबह अमृतसर से पाकिस्तान रवाना हुआ। इस जत्थे का नेतृत्व शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की आंतरिक समिति के सदस्य खुशविंदर सिंह भाटिया कर रहे हैं। कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए जाता है। यह यात्रा दोनों देशों की आपसी सहमति से आयोजित होती है। एसजीपीसी के सचिव प्रताप सिंह ने बताया कि इस साल कमेटी ने 1684 श्रद्धालुओं के लिए वीजा मांगा था लेकिन पाकिस्तानी उच्चायोग ने सिर्फ 788 श्रद्धालुओं को ही पाकिस्तान जाने की मंजूरी दी। उन्होंने बताया कि 26 नवंबर को यह जत्था गुरुद्वारा ननकाना साहिब और गुरुद्वारा सच्चा सौदा शेखूपुरा में नतमस्तक होगा। 27 नवंबर को यह जत्था प्रकाशोत्सव समारोह में भाग लेगा। उन्होंने बताया कि 29 नवंबर को सिख श्रद्धालु गुरुद्वारा पंजा साहिब के लिए रवाना होंगे। 30 नवंबर को भारतीय सिख श्रद्धालु गुरुद्वारा डेहरा साहिब लाहौर में पहुंचेगे। दो नंवबर को यह संगत लाहौर से गुरुद्वारा रोड़ी साहिब एमनाबाद तथा करतारपुर साहिब के दर्शन करके शाम को वापस लाहौर लौटेगी। तीन दिसंबर को गुरुद्वारा डेहरा साहिब लाहौर में रुकने के बाद चार दिसंबर को सिख संगत भारत वापस आएगी।

राजस्थान में अगली सरकार बनने में होगी जेजेपी की अहम भूमिका : दुष्यंत चौटाला

जींद (हिंस)। राजस्थान में हो रहे विस चुनाव को लेकर डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि राजस्थान की जनता बदलाव चाहती है। जिस तरह के ट्रेंड सामने आए हैं उससे लगता है कि राजस्थान में जन नायक जनता पार्टी अच्छे वोट शेयर लेगी और हमारे विधायक जीत कर अगली सरकार को बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। दुष्यंत चौटाला शनिवार शाम को हलके के गांव घोघडिड़ा पहुंचे थे। यहां पहुंचने पर उनका स्वागत कार्यकर्ताओं ने किया। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि राजस्थान में 19 सीटों पर जेजेपी ने चुनाव लड़ा है लोगों का भरपूर समर्थन, प्यार हमें मिला है। जिस लक्ष्य के साथ हम राजस्थान गए थे कि पार्टी को और बढ़ाया जाए राजस्थान के अंदर चौ. देवीलाल के विचारों से जुड़े लोगों को संगठित किया जाए उसमें हम कामयाब रहे। युवाओं, महिलाओं के हितों के लिए कैसे कार्य किया जाए, कैसे चौ. देवीलाल की टीम

को आगे बढ़ाया जाए उस लक्ष्य को लेकर कार्य पार्टी कर रही है। प्राइवेट नौकरियों में 75 प्रतिशत आरक्षण के कानून को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा रद्द करने के आदेश पर डिप्टी सीएम ने कहा कि अभी तो हाई कोर्ट का निर्णय है हमने वकीलों से चर्चा की है। एसएलपी लेकर सुप्रीम कोर्ट हम जाएंगे और सुप्रीम कोर्ट से राहत लेकर आएंगे। क्योंकि जिस तरह के ऑब्जेक्शन हाई कोर्ट ने लगाए है उस ऑब्जेक्शन के अंदर साफ दर्शाया जाता कि उन्हें गुजरात, उत्तराखंड, हिमाचल, महाराष्ट्र का एक्ट है उनको देखा भी नहीं एक तरफा फैसला दिया है। भाजपा सांसद बृजेंद्र सिंह के राजस्थान में प्रचार के दौरान न तो उन्हें ताला दिखा न चाबी के बयान पर डिप्टी सीएम ने कहा कि जब ताला खुलेगा खाता खुलेगा तो चॉबी भी दिख जाएगी। बिना किसी का नाम लिए दुष्यंत चौटाला ने कहा कि अब तो कई लोगों ये होना लगा है कि दुष्यंत को बाहर (उचाना हलके से चुनाव न लड़े) करने के लिए कहते है कि उचाना विस चुनाव में सभी पार्टी महिलाओं को चुनाव मैदान में उम्मीदवार के तौर पर उतरे इस तरह के बयान से उनकी जो घबराहट है वो सामने आ रही है। इस मौके पर डिप्टी सीएम निजी सचिव प्रो. जगदीश सिहाग, काला नंबरदार, अनिल शर्मा, कर्ण सिंह दरोली, राजेश खरकभूरा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अकाल तख्त जत्थेदार ने सुल्तानपुर लोधी घटना पर एसजीपीसी को दिए जांच के आदेश

चंडीगढ़ (हिंस)। गुरूपर्व के अवसर पर कपूरथला जिला के अंतर्गत आते सुल्तानपुर लोधी में हुई गोलीबारी घटना पर अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह काफी मायूस हैं। अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए एसजीपीसी को इसकी जांच के आदेश दिए हैं। सुल्तानपुर लोधी के गुरुद्वारा बुंगा साहिब में दो दिन पहले निहंगों व पुलिस के बीच फायरिंग हुई थी। जिसमें एक होमगार्ड कर्मचारी की मौत हो गई थी और पंजाब पुलिस के डीएसपी समेत दस कर्मचारी घायल हुए थे। श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने चिंता व्यक्त की है। ज्ञानी रघबीर सिंह ने इस दुर्घटना की जांच के लिए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) को निर्देश दिए हैं। जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने शनिवार को कहा कि हाल ही में सुल्तानपुर लोधी में निहंग सिंह संगठनों के बीच संघर्ष की घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। ये घटना बिल्कुल भी उचित नहीं है। दुनिया भर में रहने वाले सभी सिख गुरुद्वारा साहिब की गरिमा से जुड़े हुए हैं।

भारतीय सेना के अधिकारियों व जवानों के लिए हुआ नेशनल डायलॉग कार्यक्रम

गुरुग्राम (हिंस)। वर्तमान समय मन को शांत और स्थिर बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती है। वैश्विक स्तर पर हो रहे युद्ध यही दर्शाते हैं कि मानव अशांति के भंवर में फंसा हुआ है। यह बात उत्तर प्रदेश अग्निशमन के महानिदेशक अविनाश चन्द्र ने ब्रह्माकुमारीज के बोहड़ाकलां स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर में कही। उन्होंने प्रेरणादाई नेतृत्व एवं स्व-सशक्तिकरण विषय पर भारतीय सेना एवं सुरक्षा बलों के अधिकारियों तथा जवानों को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि मानव चाहे कितना भी धन कमा ले, मान-शान और प्रतिष्ठा प्राप्त कर लें, लेकिन शांति के बगैर सब बेकार है। मन की शांति के लिए आध्यात्मिकता ही मात्र एक उपाय है। ब्रह्माकुमारीज विश्व शांति के लिए अद्भुत कार्य कर रही है। इस अवसर पर ओआरसी की

निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदी ने कहा कि आज शारीरिक सुरक्षा से पहले मानसिक सुरक्षा जरूरी है। काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसे मन के विकृत भाव ही मानव के सबसे बड़े शत्रु हैं। उन्होंने कहा कि परिवर्तन की शुरुआत हमें स्वयं से करनी है। तभी हम विश्व को प्रेरणादाई नेतृत्व प्रदान कर सकते हैं। भारतीय सेना के पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल ओम प्रकाश ने अपना अनुभव सांझा किया। उन्होंने कहा कि वो काफी समय से राजयोग का अभ्यास कर रहे हैं। राजयोग से उनके दृष्टिकोण में एक महान परिवर्तन आया। उन्होंने कहा कि सेना में धर्म के प्रति बड़ी आस्था है। लेकिन आध्यात्मिकता के द्वारा ही हमें स्वयं की सही पहचान मिल सकती है। कमोडोर अरविन्द शुक्ला ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज विश्व में एकमात्र संस्था है, जो सुरक्षा बलों के सशक्तिकरण का कार्य कर रही है। जिसके लिए सुरक्षा प्रभाग का गठन किया गया है। राजयोगिनी शुक्ला दीदी ने कहा कि ओम वास्तव में भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र है। ओम हमें स्वयं से परिचित कराता है। ओम के उच्चारण मात्र से ही मन शांति की अनुभूति करता है। भारतीय नौसेना के पूर्व वाइस एडमिरल एसएन घोरमड़े ने कहा कि वो वर्ष 2011 से राजयोग का नियमित अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आंतरिक चेतना की शुद्धि ही वास्तव में सबसे बड़ी शुद्धि है।

संविधान देश का सर्वोच्च विधान ही नहीं भारतीय संस्कृति का प्रतिबिंब : राज्यपाल

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि संविधान देश को शासित करने से जुड़ा पवित्र ग्रंथ भर नही है बल्कि यह भारतीय संस्कृति से जुड़ा दर्शन और उदात्त जीवन मूल्यों का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान विश्वभर के लोकतंत्रों की सर्वश्रेष्ट व्याख्या है। राज्यपाल कलराज मिश्र ने संविधान दिवस (26 नवंबर) की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि नागरिकों में बंधुता, स्वाभिमान और राष्ट्र की एकता से जुड़ा हमारा संविधान देश के आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन का घोषणा पत्र है। संविधान की आस्था *लोकतंत्रात्मक शासन पद्धति* में है। उन्होंने कहा कि देश में संविधान लागू कर उसे अंगीकृत करने के पीछे मंशा यही रही है कि हम सभी भारतीयों को सार्वभौम जनतांत्रिक गंणतंत्र का आदर्श मिल सके। राज्यपाल मिश्र ने संविधान दिवस पर संविधान से जुड़ी संस्कृति और इससे जुड़े अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों का उदात्त अधिकाधिक प्रसार किए जाने का आह्वान किया है। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजस्थान में पदभार ग्रहण करने के बाद से ही निरंतर संविधान संस्कृति के प्रसार में महती भूमिका निभाई है। उन्हीं की पहल पर राजभवन, राजस्थान में देश का पहला संविधान उद्यान निर्मित किया गया है। इसमें संविधान को सभी भागों और मूल प्रति पर उकेरे गए चित्रों को विभिन्न कला-रूपों में जीवंत किया गया है। राज्यपाल ने विधानसभा के अपने अभिभाषण से पूर्व भी संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों के वाचन की परंपरा का सूत्रपात राजस्थान में किया।

नेता होना आसान हो सकता है पर जनसेवक होना आसान नहीं : सांसद सुनीता दुग्गल

फतेहाबाद (हिंस)। भाजपा पंचायत समिति प्रशिक्षण प्रकोष्ट की ओर से जिला कार्यालय में जिला फतेहाबाद व सिरसा के भाजपा समर्थित ब्लॉक समिति चेयरमैनों व सदस्यों के लिए एक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। चार सत्रों में आयोजित हुए इस प्रशिक्षण शिविर के प्रथम सत्र में मुख्यातिथि के रूप में पहुंची सांसद सुनीता दुग्गल ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित करके किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा के जिलाध्यक्ष बलदेव सिंह ग्रोहा ने की। कार्यक्रम विशेष रूप से पंचायत समिति प्रशिक्षण प्रकोष्ट के प्रदेश संयोजक जगदीश चोपड़ा व जिला संयोजक एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य वेद जांगड़ा ने शिरकत की। कार्यक्रम का मंच संचालन जिला महामंत्री रिंकू मान, जगदीश शर्मा ने किया। पहले चरण में मुख्य वक्ता के रूप में सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा कि ब्लॉक समिति के चेयरमैन व सदस्य ग्रामीण जनता के प्रतिनिधि होते हैं। ग्रामीण जनता उनके द्वारा ही अपनी आवाज को सरकार तक पहुंचाती है, इसलिए सभी ब्लॉक समिति सदस्यों की जिम्मेदारी अहम हो जाती है। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार ने ग्रामीण जनता के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं लागू की हुई। ब्लॉक समिति सदस्यों का कर्तव्य बनता है कि उन योजनाओं को जन जन तक पहुंचाए और धरातल पर लाकर जन जन को लाभांवित करें। उन्होंने ने कहा कि आज हमारा ग्रामीण हरियाणा खूब उन्नति कर रहा है। गांवों में शिक्षा का स्तर बढ़ रहा है। सड़कें, बिजली, स्वच्छ पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं की कोई कमी नहीं है। शहरों के तर्ज पर गांवों का विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि नेता होना आसान हो सकता है।

फिरोजपुर में बीएसएफ ने पकड़ा पाकिस्तानी घुसपैठिया

चंडीगढ़(हिंस)। बीएसएफ ने भारत-पाक सीमा पर फिरोजपुर सेक्टर से एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को काबू किया है। पकड़ा गया घुसपैठिया पाकिस्तानी नागरिक है। बीएसएफ के अनुसार आरोपी को शुक्रवार की रात जेसीसी बैरियर के पास से बीएसएफ 155 बटालियन के जवानों द्वारा भारतीय सीमा में घुसपैठ करते हुए पकड़ा गया है। पाक नागरिक से बरामद हुए आधार कार्ड के अनुसार युवक की पहचान रबीब बिलाल निवासी फैसलाबाद के तौर पर हुई है। आधार कार्ड के अनुसार वह पाकिस्तान स्थित कोसी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड पर मशीन ऑपरेटर के रूप में काम करता है। तलाशी के दौरान उसके पास से दो आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, माचिस व टूथब्रश बरामद हुआ। पकड़े गए आरोपी से बीएसएफ के जवानों द्वारा पूछताछ की जा रही है। इसके बाद ही पता चल सकेगा कि उसका भारत की सीमा में दाखिल होने के पीछे क्या कारण है।

महर्षि दयानंद सरस्वती ने सत्यार्थ प्रकाश में की थी देश को स्वतंत्र कराने की घोषणा : आर्य

हिसार (हिंस)। वैदिक विद्वान प्रोफेसर डॉ. बलबीर आर्य ने कहा है कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने आधुनिक भारत के पुनर्जागरण में अभूतपूर्व योगदान दिया। उन्होंने ही सर्वप्रथम 1875 में सत्यार्थ प्रकाश में देश को स्वतंत्र कराने की घोषणा की थी। प्रो. बलबीर सिंह आर्य शनिवार को आर्य समाज लाला लाजपत राय चौक नागोरी गेट के 137वें वार्षिक उत्सव की बैठक के बाद उपस्थित विद्यार्थियों व विद्वानजनों के समक्ष विचार रख रहे थे। उन्होंने कहा कि अमर शहीद सरदार भगत सिंह के दादा सरदार अर्जुन सिंह पंजाब में सबसे पहले आर्य समाज में दीक्षित हुए थे और देश को आजाद कराने के लिए उन्होंने अथक प्रयास किया। देश की आजादी के लिए अपना बलिदान देने वाले पंडित रामप्रदसाद बिस्मिल,

अश्फाक उल्ला खां, श्याम जी, श्री कृष्ण वर्मा आदि सभी महर्षि दयानंद से प्रभावित थे। शेर-ए-पंजाब लाला लाजपतराय आर्य समाज के 137वें वार्षिक उत्सव पर कलकत्ता से आए डॉ. कैलाश कर्मठ ने बताया कि अमर शहीद लाल लाजपत राय महर्षि दयानंद को अपना धर्मपिता और आर्य समाज को धर्म माता मानते थे। उन्होंने आर्य समाज हिसार की स्थापना की थी। आर्य समाज और महर्षि दयानंद ने ही सर्वप्रथम दलितोद्धार, महिला शिक्षा और समाज सुधार का कार्य किया था। भजनोपदेशक कैलाश कर्मठ ने ईश्वर भक्ति के भजन में मधुर स्वर में गाया कि *बावरे मनवा क्यूं न प्रभु की याद आती है, प्रभु तो तेरा ही साथी है।* यज्ञ के यज्ञमान प्रधान हरिसिंह सैनी थे तथा यज्ञ का संपादन कर्मवीर शास्त्री ने किया। मंच संचालन स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती ने किया। सत्संग में हरिसिंह सैनी, नरेंद्र मिगलानी, देवेंद्र सैनी, दलबीर आर्य, नंदलाल चौपड़ा, सुरेंद्र रावल, बलराज मलिक, सतेंद्र रावल, प्रेम गाबा, चेतराम सैनी, राधेश्याम आर्य, रामकुमार आर्य, अशोक गौतम, बलवंत आर्य, रतन सिंह आर्य, चिरंजीलाल, राजपाल, ईश आर्य, सुभद्रा देवी, गीता मित्तल, ललिता शास्त्री, लाजवंती खन्ना, सुरेश मदान, आचार्य सत्यकाम आर्य, प्रमोद योगार्थी, सूर्यदेव वेदांशु, कुलदीप ग्रोवर, श्याम, मांगेलाल आर्य आदि उपस्थित रहे।

सिटी बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और इंडियन ओवरसीज बैंक पर लगा 10.34 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली ।
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को सिटी बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और इंडियन ओवरसीज बैंक पर कुल 10.34 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। रिजर्व बैंक ने एक बयान में कहा कि जमाकर्ता शिक्षा व जागरूकता कोष योजना से जुड़े नियमों और वित्तीय सेवाओं की आउटसोर्सिंग के मामले में आचार संहिता का अनुपालन नहीं करने के कारण सिटीबैंक एनए पर सबसे अधिक पांच करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

एक अन्य विज्ञप्ति में कहा गया है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा पर लॉर्ज कॉमन एक्सपोजर के केंद्रीय भंडार के निर्माण से संबंधित कुछ निर्देशों के उल्लंघन के लिए 4.34 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया

चेन्नई स्थित सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता इंडियन ओवरसीज बैंक पर ऋण और अग्रिम से संबंधित निर्देशों के उल्लंघन के लिए एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि इन तीनों मामलों में जुर्माना नियामकीय अनुपालन में कमियों के कारण लगाया गया है और इसका मकसद बैंकों की ओर से अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर सवाल उठाना नहीं है।

अभ्युदय सहकारी बैंक का निदेशक मंडल एक साल के लिए भंग

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने खराब संचालन मानकों के कारण अभ्युदय सहकारी बैंक के निदेशक मंडल को एक साल के लिए भंग कर दिया है। आरबीआई ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक सत्य प्रकाश पाठक को एक साल की अवधि के लिए मुंबई स्थित बैंक के मामलों का प्रबंधन करने के लिए प्रशासक बनाया गया है।

इसके साथ ही प्रशासक को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में सहायता करने के लिए सलाहकारों की एक समिति नियुक्त की गई है। आरबीआई ने अभ्युदय सहकारी बैंक के निदेशक मंडल को भंग करते हुए कहा, बैंक में खराब संचालन मानकों के कारण उत्पन्न कुछ भौतिक चिंताओं के कारण यह कार्रवाई की गई है।

न्यूज ब्रीफ

घरेलू विमान यात्रियों की संख्या ने नया रिकॉर्ड छुआ, गुरुवार को 4,63,417 यात्रियों ने भरी उड़ान

नई दिल्ली। घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या गुरुवार को नए उच्चतम स्तर 4,63,417 पर पहुंच गई। नवंबर महीने में कम से चार बार घरेलू हवाई यात्रियों का आंकड़ा उच्चतम स्तर पर पहुंचा। कोरोना काल के बाद भारत के घरेलू विमानन क्षेत्र में कायाकल्प न केवल जबरदस्त है बल्कि प्रेरणादायक भी है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की ओर से एक्स पर पोस्ट कर बताया गया कि सकारात्मक रवैया, प्रगतिशील नीतियों और यात्रियों के विश्वास से उनकी संख्या में हर दिन हर उड़ान में बढ़ोतरी हुई।आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार घरेलू यात्रियों की संख्या 23 नवंबर यानी 4,63,417 पर पहुंच गया। इस दौरान उड़ानों की संख्या 5,998 रही। दूसरी ओर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि घरेलू विमानन के क्षेत्र में नया रिकॉर्ड बना है। इस पहले लगातार तीन दिनों 18, 19 और 20 नवंबर को घरेलू विमान यात्रियों की संख्या नई ऊंचाईयों पर पहुंची।

खुदरा निवेशकों ने दिखाया दम, 7377 करोड़ जुटाने थे, 2.59 लाख करोड़ के मिले आवेदन

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में इस सप्ताह खुले पांच कंपनियों की प्रारंभिक पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) को खुदरा निवेशकों के दम पर जबरदस्त सब्सक्रिप्शन मिला है। ये कंपनियां बाजार से 7,377 करोड़ रुपये जुटाने उतरीं थीं। इसके बदले इनको 2.59 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के आवेदन मिले हैं। सबसे ज्यादा 3,042 करोड़ रुपये जुटाने वाली टाटा टेक ने एलआईसी के रिकॉर्ड को तोड़ भारतीय आईपीओ बाजार में इतिहास रचा है। टाटा टेक को कुल 73.58 लाख आवेदन मिले हैं। पिछले साल एलआईसी के इश्यू में कुल 73.34 लाख आवेदन मिले थे। हालांकि, उसमें भी 20 लाख से ज्यादा आवेदन विभिन्न कारणों से खारिज हो गए थे। 2008 में अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर को 48 लाख आवेदन मिले थे। करीब 18 महीने बाद आए सरकारी आईपीओ इरेडा को कुल 30.92 लाख आवेदन प्राप्त हुए। फ्लेयर को 17 लाख, गांधार ऑयल को 28.47 लाख और फेडफिना को 3.67 लाख आवेदन मिले हैं। इस साल अब तक 45 आईपीओ आ चुके हैं। इनमें से लिस्टेड 40 आईपीओ में से 38 में निवेशकों ने जमकर कमाई की है। बीते दस साल में 2017-18 में छोटी कंपनियों को मिलाकर सर्वाधिक 188 कंपनियां आईपीओ लाई थीं। हालांकि इन सभी ने केवल 30,090 करोड़ रुपये ही जुटाए थे। 2021-22 में 120 कंपनियों ने 1.1 लाख करोड़ रुपये की रकम जुटाई।

पेट्रोल और डीजल कई राज्यों में महंगा

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है लेकिन इस गिरावट का देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर शनिवार को कोई बड़ा असर देखने को नहीं मिल रहा है। हालांकि कुछ राज्यों में ईंधन की कीमतों मामूली बढ़ोतरी हुई है। उत्तर प्रदेश में डीजल 89.49 (0.31 पैसे महंगा) प्रति लीटर मिल रहा है। हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल 97.58 (0.29 पैसे महंगा), जम्मू-कश्मीर में 99.81 (0.22 पैसे महंगा) मिल रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 111.35 रुपये और डीजल 97.28 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.54 रुपये और डीजल 94.32 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

5वें और 6वें वेतनमान के केंद्रीय कर्मचारियों का डीए बढ़ा

दिसंबर माह में 9 से 15 प्रतिशत बढ़कर मिलेगी सैलरी, जुलाई से नवंबर का एरियर भी मिलेगा

नई दिल्ली।
केंद्र सरकार ने 5वें और 6वें वेतन आयोग के अनुसार सैलरी पाने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। सेन्ट्रल पब्लिक सेक्टर इंटरप्राइजेज में काम कर रहे इन कमर्चारियों के डीए में ये बढ़ोतरी 1 जुलाई 2023 से प्रभावी होगी। इन कर्मचारियों के डीए में 15 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक का इजाफा किया गया है, जिससे इनकी सैलरी में बढ़ जाएगी। वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेस ने एक ऑफिस मेमोरेडम जारी कर इसकी घोषणा की है। इस फैसले के बाद कर्मचारियों को दिसंबर से बढ़ी हुई सैलरी मिलेगी। इसमें जुलाई और नवंबर के बीच की अवधि का एरियर भी शामिल होगा।

7वें वेतनमान के कर्मचारियों का बढ़ा था डीए

इससे पहले सरकार ने 7वें वेतन आयोग के अनुसार सैलरी पाने केंद्रीय कर्मचारियों का डीए 4 प्रतिशत बढ़ाकर 46 प्रतिशत कर दिया था। इसका सीधा फायदा करीब 48.67 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 67.95 लाख पेंशनर्स को होगा। कर्मचारियों को नवंबर से बढ़ी हुई सैलरी मिलेगी। इसमें जुलाई और अक्टूबर के बीच की अवधि का एरियर भी शामिल होगा। इस फैसले से सरकार पर हर साल 12,857 करोड़ रुपए का भार आएगा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी।

डीए बढ़ने के बाद कितना फ़ायदा होगा

बेसिक सैलरी में ग्रेड सैलरी को जोड़ने के बाद जो सैलरी बनती है, उसमें महंगाई भत्ते की दर का गुणा किया जाता है। जो नतीजा आता है, उसे ही महंगाई भत्ता यानी डिअरनेस अलाउंस डीए कहा जाता है। यानी, (बेसिक पे + ग्रेड पे) म डीए प्रतिशत = डीए अमाउंट

इसे एक उदाहरण से समझते हैं, मान लीजिए बेसिक सैलरी 10 हजार रुपए और ग्रेड पे 1000 रुपए है। दोनों को जोड़ने पर टोटल 11 हजार रुपए हुआ। 11 हजार रुपए का 46 प्रतिशत निकालने पर 5,060 रुपए हुआ। सबको जोड़कर 16,060 रुपए हुए। अब 42 प्रतिशत डीए के हिसाब से इसका कैलकुलेशन देखते हैं। 11 हजार रुपए का 42 प्रतिशत होता है 4620 रुपए। 11000 + 4620 = 15,620 रुपए होता है। यानी 4 प्रतिशत डीए बढ़ने के बाद हर महीने कर्मचारियों को 420 रुपए का फायदा होगा।

जीवन स्तर को बनाए रखने के लिए दिया जाता है भत्ता

महंगाई भत्ता ऐसा पैसा है जो महंगाई बढ़ने के बावजूद सरकारी कर्मचारियों के जीवन स्तर को बनाए रखने के लिए दिया जाता है। यह पैसा सरकारी कर्मचारियों, पब्लिक सेक्टर के कर्मचारियों और पेंशनधारकों को दिया जाता है। महंगाई भत्ता साल में दो बार बढ़ाया जाता है।

इसका कैलकुलेशन देश की मौजूदा महंगाई के अनुसार हर 6 महीने पर किया जाता है। इसकी गणना संबंधित वेतनमान के आधार पर कर्मचारियों के मूल वेतन के अनुसार की जाती है। महंगाई भत्ता शहरी, अर्ध-शहरी या ग्रामीण क्षेत्र के कर्मचारियों का अलग-अलग हो सकता है।

महंगाई भत्ते का कैलकुलेशन कैसे होता है

महंगाई भत्ता निर्धारण के लिए एक फॉर्मूला दिया गया है। केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए ये फॉर्मूला है [(पिछले 12 महीने के ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स का औसत - 115.76)/115.76] ×100।

अब अगर पब्लिक सेक्टर यूनिट्स में काम करने वाले लोगों के महंगाई भत्ते की बात की जाए तो इसके कैलकुलेशन का तरीका यह है- महंगाई भत्ता प्रतिशत= (बीते 3 महीनों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक का औसत (बेस ईयर 2001=100)-126.33))×100

ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स क्या है

भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरा थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी कहते हैं।

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में हल्की तेजी रही

मुंबई । बीते सप्ताह वैश्विक बाजारों में मिलेजुले कारोबार के दौरान घरेलू शेयर बाजार में सप्ताह भर उतार -चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया, जिससे सप्ताह के आखिर में सेंसेक्स 0.07 फीसदी और निफ्टी 0.04 फीसदी कमजोरी के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई पर सेंसेक्स 30 अंकों के गिरावट के साथ 65,758 पर खुला और 139.58 अंकों की गिरावट के साथ 65,655.15 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई पर निफ्टी 0.0071 फीसदी के गिरावट के साथ 19,730 पर खुला और 37.80 अंक टूटकर 19,694 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में बीते दो दिनों की गिरावट के बाद हरियाली लौट आई है। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 259.32 अंकों की बढ़त के साथ 65,919.52 पर खुला और 276 अंक चढ़कर 65,931 अंक के लेवल पर बंद हुआ। निफ्टी 81.71 अंक चढ़कर 19,775.70 के स्तर पर खुला और 276 अंक चढ़कर 65,931 अंक के लेवल पर बंद हुआ।

एलन मस्क की एक्स को लगा बड़ा झटका

यहूदियों पर किए गए एक ट्वीट से साढ़े 7 करोड़ डॉलर का नुकसान!

वॉशिंगटन।
एलन मस्क की सोशल मीडिया कंपनी एक्स (पूर्व में ट्विटर) को इस साल के अंत तक करीब साढ़े सात करोड़ डॉलर का नुकसान हो सकता है। दरअसल यह नुकसान कंपनी के एडवरटाइजिंग राजस्व में होगा क्योंकि एक्स पर कई बड़ी कंपनियों ने अपनी मार्केटिंग कैंपेन पर रोक लगा दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह सब एलन मस्क के एक ट्वीट के चलते हो रहा है, जिसे लेकर मस्क पर यहूदी विरोधी होने के आरोप लगे हैं।

कई बड़ी कंपनियों ने एक्स पर रोके अपने मार्केटिंग कैंपेन-बता दें कि एलन मस्क ने हाल ही में एक यहूदी विरोधी सोशल मीडिया पोस्ट का समर्थन किया था। जिसे लेकर मस्क पर यहूदी विरोध को बढ़ावा देने का आरोप लगा। अमेरिका की सरकार ने भी इसकी आलोचना की थी। अब खबर आ रही है कि कई बड़ी कंपनियों में जिनमें वाल्ट डिज्नी और वार्नर ब्रदर्स आदि ने एक्स पर अपने मार्केटिंग कैंपेन को रोक दिया है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हफ्ते ही 200 से ज्यादा एड यूनिट रोक दी गई हैं, जिनमें एयरबीएनबी, अमेजन, कोका कोला और माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी कंपनियों के विज्ञापन शामिल हैं।

एक्स ने किया मुकदमा-बताया जा रहा है कि कंपनी का 1.1 करोड़ डॉलर का राजस्व फिलहाल खतरे में है और यह आंकड़ा बढ़ या घट भी सकता है क्योंकि ऐसी खबरें हैं कि कुछ कंपनियां जिन्होंने एक्स पर अपनी मार्केटिंग रोक दी है, वह वापसी कर सकती हैं और कुछ कंपनियां अपने प्रचार का खर्च भी बढ़ा सकती हैं। वहीं एक्स ने मीडिया वाचडॉग ग्रुप मीडिया मैटर्स पर मुकदमा कर दिया है। एक्स का आरोप है कि मीडिया मैटर्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स को बदनाम कर रहा है। दरअसल मीडिया मैटर्स ने रिपोर्ट चलाई थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि कई बड़े ब्रांड्स जैसे एपल और ओरेकल आदि को एडोल्फ हिटलर और नाजी पार्टी से संबंधित पोस्ट के पास डिस्प्ले किया गया था। बता दें कि जब से एलन मस्क ने एक्स का अधिग्रहण किया है, तब से एक्स के एडवरटाइजिंग राजस्व में गिरावट आई है। इसकी वजह मस्क द्वारा कंटेंट मॉडरेशन को घटाना है, जिससे एक्स पर घृणित पोस्ट की संख्या में तेजी आई है।

इस ट्वीट पर है विवाद-दरअसल हाल ही में यहूदी विरोध के खिलाफ एक वीडियो एक्स पर पोस्ट किया गया था। इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने लिखा कि यहूदी समुदाय, गोरे लोगों के खिलाफ उसी द्वंदात्मक नफरत को बढ़ावा दे रहा है, जिसे वह चाहते हैं कि लोग उनके खिलाफ इस्तेमाल करना बंद कर दें। इस पोस्ट को एलन मस्क ने लाइक किया और इस पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि आपने असल सच्चाई बताई है। मस्क के इस ट्वीट को यहूदी विरोध को रूप में देखा गया और इसे लेकर उनकी खूब आलोचना हुई।

29 महीने के उच्च स्तर से कम हो सकती है देश में बेरोजगारी, 3 हफ्ते में 10% से कम रही औसत दर

नई दिल्ली।
देश में 15 साल और उससे अधिक उम्र के लोगों की बेरोजगारी दर नवंबर, 2023 में घट सकती है। ग्रामीणइलाकों में बेरोजगारी बढ़ने से यह अक्तूबर में 29 महीने के उच्च स्तर 10.1 फीसदी पर पहुंच गईथी। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, इस महीने के पिछले तीनों सप्ताह (19 नवंबर तक) के दौरान औसत बेरोजगारी दर 10 फीसदी से नीचे रही है ।ऐसे में नवंबर में बेरोजगारी दर कम होकर करीब 9 फीसदी रहने की उम्मीद है।

आंकड़ों के मुताबिक, 19 नवंबर तक तीनों सप्ताह को मिलाकर देश की औसत बेरोजगारी दर 8.8 फीसदी रही। 5 नवंबर को समाप्त पहले सप्ताह में यह दर 9.1 फीसदी रही। 12 नवंबर को समाप्त सप्ताह में देश में बेरोजगारी दर 0.4 फीसदी बढ़कर 9.5 फीसदी पर पहुंच गई ।तीसरे सप्ताह में यह दर 1.6 फीसदी की गिरावट के साथ7.9 फीसदी पर आ गई।

सीएमआईई ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि अक्तूबर की तुलना में नवंबर में ग्रामीणइलाकों में बेरोजगारी घटने की संभावना है, जबकि शहरी बेरोजगारी बढ़ सकती है। नवंबर के पहले तीन सप्ताह में

ग्रामीणइलाकों में औसत बेरोजगारी दर 8.4 फीसदी रही। यह अक्तूबर के 10.8 फीसदी से कम है ।वहीं, शहरी इलाकों में 19 नवंबर तक बेरोजगारी दर औसतन 9 फीसदी से ज्यादा रही ।अक्तूबर में शहरी बेरोजगारी दर 8.4 फीसदी रही थी। 19 नवंबर तक तीन सप्ताह में ग्रामीणइलाकों में रोजगार मिलने की औसत दर 38.2 फीसदी से बढ़कर 38.4 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई ।शहरों में यह घटकर 35.1 फीसदी रही। रिपोर्ट के मुताबिक, नवंबर में ग्रामीणऔर शहरी इलाकों दोनों में श्रम भागीदारी दर (एलपीआर) घट सकती है ।इस महीने के पहले तीन सप्ताह के दौरान शहरी इलाकों में एलपीआर 39.4 फीसदी से घटकर औसतन 38.9 फीसदी पर आगई। ग्रामीणइलाकों में औसत एलपीआर 41.9 फीसदी रही, जो अक्तूबर के 42.8 फीसदी से कम है।

बफे की कंपनी ने पेटीएम में अपना पूरा हिस्सा 1371 करोड़ में बेचा, प्रति शेयर 31 प्रतिशत का हुआ घाटा

नई दिल्ली।
दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे की कंपनी बर्कशायर हैथवे ने पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशन में अपनी पूरी 2.46 फीसदी हिस्सेदारी 1,371 करोड़ में बेच दी है। इसमें बफे को प्रति शेयर 31 प्रतिशत का घाटा हुआ है, जिससे दिग्गज निवेशक को 620 करोड़ से ज्यादा का घाटा हुआ है।

2018 में उन्होंने करीब 2,200 करोड़ रुपये में कंपनी में 2.6 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी थी। बर्कशायर के पास 1.56 करोड़ शेयर थे। एनएसई के मुताबिक, इन शेयरों को 877.29 रुपये प्रति शेयर पर बेचा गया। कोपथाल मॉरिशस इन्वेस्टमेंट व घिसालो फंड ने पेटीएम में 1.86 फीसदी हिस्सेदारी 1,039.52 करोड़ में खरीदी है।

एनएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार को शेयरों का निपटान औसतन 877.29 रुपये प्रति शेयर पर किया गया, जिससे लेनदेन का मूल्य 1,370.63 करोड़ रुपये हो गया। शेयरों की खरीद और बिक्री मूल्य की

तुलना से पता चलता है कि प्रत्येक शेयर पर 31 प्रतिशत का नुकसान हुआ है।

एनएसई के पास उपलब्ध थोक सौदे के आंकड़ों के अनुसार, बीएच इंटरनेशनल होल्डिंग्स ने नोएडा स्थित पेटीएम में 1,56,23,529 शेयर या 2.46 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी।

सितंबर तिमाही के अंत में, बीएच इंटरनेशनल होल्डिंग्स के पास पेटीएम में 2.46 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जैसा कि बीएसई के शेयरहोल्डिंग डेटा से पता चला है। यह तुरंत पता नहीं चल सका कि इकाई ने 0.14 प्रतिशत हिस्सेदारी कब बेची थी।

0.67 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर हैं शेयर-इस बीच, शुक्रवार को कॉप्थॉल मॉरीशस इन्वेस्टमेंट ने 75,75,529 शेयर और घिसालो मास्टर फंड एलपी ने 42.75 लाख शेयर हासिल किए, जो पेटीएम में क्रमशः 1.19 प्रतिशत और 0.67 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। शेयर औसतन 877.20 रुपये प्रति पीस की कीमत पर खरीदे गए, जिससे कुल सौदा मूल्य 1,039.52 करोड़ रुपये हो गया। अन्य खरीदारों का विवरण सुनिश्चित नहीं किया जा सका।

शेयर गिरावट के साथ 895 रुपए पर बंद हुए-वन 97 कम्युनिकेशंस के शेयर शुक्रवार को एनएसई पर 3.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 895 रुपये पर बंद हुए। अक्तूबर में, फिनटेक कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस, जो पेटीएम ब्रांड के तहत काम करती है, ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में समेकित घाटा कम होकर 291.7 करोड़ रुपये होने की सूचना दी।

अगले साल फरवरी के अंत तक टर्मिनल 1 का विस्तार होगा पूरा

घरेलू हवाई यात्रियों की हैंडलिंग क्षमता 2.3 करोड़ तक बढ़ेगी

नई दिल्ली।
दिल्ली हवाई अड्डा चालू वित्त वर्ष में महामारी से पहले के यात्री यातायात स्तर को पार कर सात करोड़ से अधिक हो जाएगा। उम्मीद है कि अगले साल फरवरी के अंत तक टर्मिनल 1 का विस्तार पूरा हो जाएगा, जिससे घरेलू हवाई यात्रियों की हैंडलिंग क्षमता में 2.3 करोड़ तक की वृद्धि होगी।

इसके अलावा हवाई अड्डा संचालक डायल के सीईओ विदेह कुमार जयपुरियार ने कहा कि टर्मिनल 2 (टी2) को थोड़े समय के लिए अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल में बदला जाएगा। वर्तमान में, टी 2 घरेलू उड़ानों के लिए है और इसकी यात्री हैंडलिंग क्षमता 1.5 करोड़ है।

राष्ट्रीय राजधानी में स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा (आईजीआईए) देश का सबसे बड़ा हवाईअड्डा है और इसका संचालन दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा लिमिटेड करता है। वर्तमान में, हवाई अड्डे में तीन टर्मिनल हैं- टी 1, टी 2 और टी 3 - और यातायात के रुझान के आधार पर, ऑपरेटर टी 4 रखने पर निर्णय कर सकता है। वर्तमान में, केवल टी 3 के जरिए अंतरराष्ट्रीय परिचालन होता है।

जयपुरियार ने दिए साक्षात्कार में कहा कि यात्रियों की संख्या में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, इस वित्त वर्ष में हम कोविड-पूर्व (यात्री यातायात स्तर) से अधिक रहने जा रहे हैं। कोविड से पहले हमारे पास अधिकतम 6.93 करोड़ यात्री थे। पिछले वित्त वर्ष में हमने 6.53 करोड़ का आंकड़ा पार किया था और इस वित्त वर्ष में हम सात करोड़ का आंकड़ा पार कर लेंगे।

कुल यात्रियों में 5.2 करोड़ से अधिक घरेलू यात्री होंगे और लगभग 1.8 करोड़ अंतरराष्ट्रीय यात्री होंगे। डायल हवाई

अड्डे के लिए अपने मास्टर प्लान पर भी फिर से विचार करेगा जो 2016 में तैयार किया गया था और वर्तमान क्षमता स्तर उस योजना पर आधारित हैं। टी 1 का विस्तार अगले साल फरवरी के अंत तक पूरा होने की संभावना है। जयपुरियार ने कहा कि एक बार यह पूरा हो जाने के बाद, टर्मिनल की यात्री हैंडलिंग क्षमता 1.7 करोड़ से बढ़कर 4 करोड़ हो जाएगी।

उन्होंने कहा, इसके बाद हमारे पास टी1 में चार करोड़ और टी3 में 2.5 करोड़ की कुल घरेलू क्षमता होगी। (वर्तमान में), टी 2 पर घरेलू क्षमता 1.5 करोड़ है। उन्होंने कहा कि टी 3 पर अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की हैंडलिंग क्षमता लगभग 2 करोड़ है।

अनुमानों के आधार पर उन्होंने कहा, हम घरेलू क्षमता को लेकर काफी सहज हैं लेकिन अब से दो साल बाद (जब अंतरराष्ट्रीय क्षमता की बात आती है) हम कड़ी प्रतिस्पर्धा पेश करने जा रहे हैं। 2016 के मास्टर प्लान के हिस्से के रूप में, टी 4 को लगभग 4 करोड़ की क्षमता के साथ विकसित किया जाना है। उन्होंने कहा कि इसलिए मास्टर प्लान में टी4 के पूरी तरह से घरेलू बनाने, टी3 को पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय और टी-1 को पूरी तरह से घरेलू बनाने की बात कही गई है।

डायल प्रमुख के अनुसार, योजना यह है कि घरेलू टर्मिनल होने के बजाय, टी2 को कुछ समय के लिए एक अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल में बदल दिया जाएगा। टी2 के बदलाव पर जयपुरियार ने कहा कि डायल को अब भी इस मामले में हितधारकों के साथ परामर्श करना है।

उन्होंने कहा, अगर सब कुछ तय हो जाता है तो अगले साल जून-जुलाई तक हम टी2 को अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल में बदलने में सक्षम हो जाएंगे। एक बार रूपांतरण हो जाने के बाद, टी 2 पर यात्री हैंडलिंग क्षमता लगभग सात से नौ करोड़ हो जाएगी। क्योंकि अंतरराष्ट्रीय संचालन के लिए अधिक प्रसंस्करण क्षेत्र की आवश्यकता होती है।

हवाई अड्डे पर अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात चालू वित्त वर्ष में 1.8 करोड़ होने की उम्मीद है और इसका मतलब है कि यह पूर्व-कोविड स्तर पर वापस आ जाएगा। हवाई अड्डे से रोजाना करीब 1500 उड़ानों की आवाजाही होती है। जीएमआर समूह के नेतृत्व वाला कंसोर्टियम डायल स्थिरता के मोर्चे पर भी विभिन्न उपाय कर रहा है और इसका लक्ष्य 2023 तक शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन हवाई अड्डा बनना है।

कार्तिक के जन्मदिन पर नई फिल्म की घोषणा

-करण जौहर की फिल्म में कार्तिक करेंगे अभिनय

मुंबई (ईएमएस)। करण जोहर ने बॉलीवुड स्टार कार्तिक आर्यन के जन्मदिन के अवसर पर एक नई फिल्म की घोषणा की गई। कार्तिक आर्यन और निर्देशक-निमार्ता करण जौहर एक बार फिर साथ आ रहे हैं। इस अनाम फिल्म का निर्देशन संदीप मोदी करेंगे। जो पहले सुष्मिता सेन अभिनीत स्ट्रीमिंग सीरीज आर्या और आदित्य रॉय कपूर और अनिल कपूर अभिनीत द नाइट मैनेजर के लिए काम कर चुके हैं। यह फिल्म 15 अगस्त 2025 को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सिनेमाघरों में आएगी। करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम पर घोषणा साझा करते हुए कैप्शन में एक नोट लिखा, आज एक विशेष दिन पर कुछ विशेष समाचारों के साथ श-ुरूआत हो रही है। असाधारण प्रतिभाशाली संदीप मोदी द्वारा निर्देशित फिल्म की घोषणा करते हुए बेहद रोमांचित हूं। मैं 15 अगस्त, 2025 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने वाली इस कहानी के लिए हमारे नायक के रूप में अत्यंत प्रतिभाशाली कार्तिक आर्यन की घोषणा करते हुए खुद को उत्साहित महसूस कर रहा हूं। भूल भुलैया 2 स्टार को शुभकामनाएं देते हुए करण ने आगे लिखा, कार्तिक, आपको जन्मदिन की शुभकामनाएं, हमारा सहयोग यहां से और मजबूत होता जाए और बड़े पर्दे पर जादू पैदा करना कभी बंद न करे। कार्तिक ने अपने एक्स पर लिखा, शौर्य और बलिदान से भरा हमारे गौरवशाली भारतीय इतिहास का एक अविस्मरणीय अध्याय अब मेरे जीवन का हिस्सा बनने जा रहा है, यह विषय मेरे दिल के करीब है। एक नई यात्रा शुरू करने के लिए बेहद गौरवान्वित और उत्साहित हूं।

नया सिंगल गाना लुट्ट पुट्ट गया हो गया है रिलीज

-शाहरुख की फिल्म डंकी : ड्रॉप 2 का है यह गाना

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड की फिल्म डंकी : ड्रॉप 2 का नया सिंगल लुट्ट पुट्ट गया रिलीज हो गया है। सुपरस्टार शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित इस फिल्म में शाहरुख एक पंजाबी डांस ट्रैक में तापसी पन्नू के साथ रोमांटिक अंदाज में नजर आएंगे। अरिजीत सिंह द्वारा गाया गया गाना एक धमाकेदार फिल्मी गीत है जो वास्तव में नृत्य के साथ-साथ किसी के रोमांस को व्यक्त करने के लिए एकदम सही है, भले ही प्यार एकतरफा हो। प्रीतम द्वारा रचित, लुट्ट पुट्ट गया में पूर्ण पंजाबी शैली, भांगड़ा, फिल्म संगीत और कुछ पॉप का मिश्रण, एक बहुत ही विशिष्ट बॉलीवुड गीत का सार शामिल है। दूसरी ओर, वीडियो में मुख्य रूप से शाहरुख पूरी तरह से फिल्मी शैली में सपने में सड़कों पर नाचते हुए तापसी के साथ चलते हैं और कहते हैं कि कैसे उसने उनका दिल चुरा लिया है। इसके अलावा, म्यूजिक वीडियो में इन दोनों के अलावा उनके उल्लू के पट्ठे गैंग के कुछ अन्य सदस्य भी शामिल हैं, जब वह उनके साथ खाना खाते हुये तापसी से शादी करने का सपना देखते हैं। वीडियो में एक बहुत ही बारीक सांकेतिक टिप्पणी भी है। पीछे ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के झंडे हैं और साथ ही कुछ बैकग्राउंड एक्टरों की शर्ट पर भी ये झंडे दिखाए गए हैं। एक तरह से यह पंजाब के लोगों की मानसिकता को दर्शाता है जो हमेशा इन देशों में जाने के सपने देखते रहते हैं। हालांकि फिल्म के गहरे हिस्से का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन इसमें तापसी को बोमन ईरानी द्वारा कुश्ती सिखाने और लगभग चूमे जाने के कुछ अंश भी हैं। फि ल्मी संगीत की विशिष्ट धुनों के अलावा, जिसे गाने में छिपाने की कोशिश भी नहीं की गई है, यह पंजाबी स्वभाव को भी बखूबी अपना रहा है। वास्तविक जीवन के अनुभवों से प्रेरित, डंकी : ड्रॉप 2 एक सामाजिक-राजनीतिक ड्रामा है, जिसमें प्यार और दोस्ती की कहानी है, जो पांच बिल्कुल अलग-अलग कहानियों को एक साथ लाती है। इसमें गुदगुदाने वाली कॉमेडी का मिश्रण भी है।

रोहित बनाएंगे सिंघम का तीसरा भाग, कर दी घोषणा

-सिंघम अगेन से अजय देवगन का फर्स्ट लुक जारी

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के निर्देशक रोहित शेट्टी ने अपनी सफल फ्रेंचाइजी सिंघम के तीसरे भाग को बनाने की घोषणा कर दी है। साथ ही उन्होंने अपने कॉप यूनिवर्स को एक साथ लाने का प्रयास शुरू कर दिया है। रोहित शेट्टी ने अपनी फिल्म के नायक सिंघम का लुक दर्शकों के सामने पेश किया है। दर्शकों को अजय देवगन के लुक का लम्बे समय से इंतजार था। रोहित शेट्टी ने अजय देवगन का लुक शेयर करते हुए लिखा- शेर आतंक मचाता है और जख्मी शेर तबाही। सबका फेवरेट पुलिसवाला। बाजीराव सिंघम वापस आ गया है। सिंघम अगेन। अजय देवगन का सिंघम अगेन से पहला लुक देखने के बाद प्रशंसक खासे उत्तेजित हो गए हैं। वह रोहित शेट्टी के पोस्ट पर ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- सुपर सर। साथ में फायर इमोजी पोस्ट की, वहीं दूसरे ने लिखा- अब इंतजार नहीं हो रहा है। सिंघम अगेन को रोहित शेट्टी निर्देशित कर रहे हैं। ये सिंघम फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। अजय देवगन बाजीराव सिंघम में किरदार में नजर आएंगे। अजय के इस किरदार को हमेशा पसंद किया गया है। अजय देवगन के अलावा करीना कपूर फिल्म में फीमेल लीड में नजर आएंगी। अजय ने हाल ही में करीना का लुक शेयर किया था। अजय ने फोटो शेयर करते हुए लिखा था- भयंकर, मजबूत और सिंघम की ताकत। अवनी सिंघम। फोटो में करीना हाथ में गन ताने नजर आ रही हैं और उनके चेहरे पर चोट के निशान हैं। करीना के अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण और टाइगर श्रॉफ भी नजर आने वाले हैं।

जवान और पठान क्रमशः नंबर 2 और 3 सबसे बड़ी हिंदी फिल्में

-सितारों की शीर्ष 10 सूची में सुपरस्टार शाहरुख सबसे आगे

मुंबई (ईएमएस)। साल 2023 में सुपर स्टार शाहरुख ने दो प्रमुख ब्लॉकबस्टर, जवान और पठान दी, जो दुनिया भर में क्रमशः नंबर 2 और 3 सबसे बड़ी हिंदी फिल्में हैं। सबसे लोकप्रिय भारतीय सितारों की आईएमडीबी 2023 की शीर्ष 10 सूची में बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान सबसे आगे हैं। एक्ट्रेस आलिया भट्ट और दीपिका पादुकोण नंबर 2 और नंबर 3 पर जगह बनाने में सफल रही हैं। नयनतारा, तमन्ना भाटिया, करीना कपूर खान और शोभिता धूलिपाला क्रमशः पांचवें, छठे, सातवें और आठवें स्थान पर हैं। बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार नौवें स्थान पर हैं। अक्षय के बाद दस-वें स्थान पर स्टार विजय सेतुपति हैं। इस मौके पर आलिया ने कहा, मैं आज जिस मुकाम पर हूं, वहां तक पहुंचने के लिए मैं अपने दर्शकों को धन्यवाद देती हूं। मैं उनका मनोरंजन करना जारी रखने की उम्मीद करती हूं, लेकिन मैं केवल प्यार और कृतज्ञता से भरी हूं। मैं कड़ी मेहनत जारी रखने, अधिक प्रेरक कहानियों और पात्रों को स्क्रीन पर लाने का वादा करती हूं।चौथे स्थान पर अभिनेत्री वामीका गब्बी हैं, जिन्होंने कहा, आईएमडीबी की सबसे लोकप्रिय भारतीय सितारों की सूची में मेरी पहली फिल्म है, और मैं बहुत खुश हूं। आईएमडीबी वैश्विक दर्शकों की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है, यह मेरे लिए इसे और भी खास बनाता है। उन्होंने कहा, विभिन्न शैलियों और भाषाओं में काम करने में मेरा पूरा साल व्यस्त रहा। यह मुझे खुश और आभारी बनाता है कि मेरे प्रशंसकों ने इसकी सराहना की है। मैं अपनी आगामी प्रोजेक्ट्स पर उसी समर्पण के साथ काम करने और मुझ पर बरसाए गए प्यार को लौटाने के लिए उत्सुक हूं।

सना खान अब फिल्म दुनिया में भी जमा रही पैर

-धीरे-धीरे काफी बढ़ रही एक्ट्रेस की पॉपुलैरिटी

मुंबई (ईएमएस)। छोटे परदे की मशहूर एक्ट्रेस सना मकबूल खान अब फिल्म दुनिया में भी अपने पैर जमा रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस के साथ एक लॉन्च इवेंट में मिस-हैपनिंग हो गई, जिसका वीडियो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। दरअसल, हाल ही में सना मकबूल एक रेस्टोरेंट लॉन्च इवेंट में स्पॉट हुईं। जैसे ही वह रेड कार्पेट पर फोटोज के लिए आई तो अचानक ही घुटना के बल बुरी तरह गिर पड़ीं। हालांकि, एक्ट्रेस इस स्थिति को काफी अच्छी तरह से हैंडल करती हैं। गिरने के बाद वह वापस से उठती हैं और बहुत ही कॉन्फिडेंट के साथ पैपराजी को पोज देती हैं। हालांकि, वह बीच-बीच में अपना दर्द भी छलकाती नजर आती हैं। इस वीडियो को देखने के बाद कई लोग सना का खूब मजाक उड़ा रहे हैं तो कई उनका साथ दे रहे हैं। काम की बात करें तो सना मकबूल खान टीवी सीरियल कितनी मोहब्बत है और इस प्यार को क्या नाम दूं जैसे सीरियल्स में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा वह रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी में भी हिस्सा ले चुकी हैं। वहीं, अब वह फिल्मी दुनिया में अपने कदम रख रही हैं। बता दें कि सना खान की धीरे-धीरे पॉपुलैरिटी काफी बढ़ रही है। उन्होंने अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को दिल जीता है।

करण अपने शो में शादीशुदा पुरुषों पर करते हैं अटैक

शो कॉफी विद करण के एपिसोड के दौरान बालीवुड एक्टर वरुण धवन ने कहा कि इस बार करण अपने शो में शादीशुदा पुरुषों पर अटैक कर रहे हैं। शुरूआती हंसी-मजाक के बाद, वरुण ने मजाक में करण से कहा, बस सुनिश्चित करें कि हमारे रिश्ते बरकरार रहें। आप शो में जाहिर तौर पर श-ादीशुदा पुरुषों पर अटैक कर रहे हैं। सिड ने चिल्लाते हुए कहा, हमारी शादियां अभी-अभी हुई हैं।

करण ने कहा, क्या बकवास है! मैंने किसी भी शादीशुदा आदमी पर अटैक नहीं किया है। आप ऐसा कैसे कह सकते हैं? खुद मेरा कोई नहीं... इस प्वाइंट पर, सिड ने उनके अकेलेपन पर मजाक उड़ाया और कहा, हां तो आप चाहते हो किसी और का भी ना हो। एक मिनट तक, करण कुछ नहीं बोल सके क्योंकि सिड और वरुण आपस में बात कर रहे थे। कॉफी विद करण सीजन 8 डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा। बता दें कि पॉपुलर चैट शो कॉफी विद करण में वरुण धवन अपने स्टूडेंट ऑफ द ईयर के को-एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ कॉन्ट्रोवर्शियल शो में नजर आए।

कार्तिक ने तारा सुतारिया के साथ मनाया जन्मदिन

डेटिंग की अफवाहों के बीच अभिनेता कार्तिक आर्यन को अभिनेत्री तारा सुतारिया के साथ अपना जन्मदिन मनाते देखा गया। कार्तिक के जन्मदिन समारोह में शामिल होने वाले अन्य लोगों में वाणी कपूर, राशा थडानी, अभिषेक कपूर जैसे नाम शामिल थे। उनकी पार्टी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। एक तस्वीर में धमाका स्टार को काले कपड़े पहने तारा और राशा के साथ पोज देते हुए दिखाया गया है। तारा और कार्तिक के बारे में अफवाहें तब उड़ने लगीं, जब उन्हें मुंबई में एक साथ घूमते देखा गया। कथित तौर पर दोनों अनुराग बसु की आगामी फिल्म आशिकी 3 में भी स्क्रीन शेयर करेंगे। तारा ने एक ब्रांड के लिए अपने फोटोशूट की तस्वीर के साथ कार्तिक को शुभकामनाएं भी दीं। पोपट के साथ अपनी फोटो शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन दिया, हैप्पी बर्थडे पोपट! हमारी स्कॉर्पियो एनर्जी हमेशा ब्रांड शूट्स को ऐसी बनाए रखे। दोनों ने डेटिंग की अफवाहों की पुष्टि या खंडन नहीं किया है। बता दें कि बॉलीवुड में इस हॉट कपल के लव अफेयर्स की चर्चा आम है। खैर, इस बारे में सच्चाई तो यह कपल ही जानता है।

होम्बले फिल्म्स ने की डिवाइन ब्लॉकबस्टर कांतारा के प्रीक्वल की घोषणा

होम्बले फिल्म्स की एक्शन थ्रिलर "कांतारा" बड़े पर्दे पर आने के बाद से अपनी सफलता की मिसाल कायम करती चली गई। यह फिल्म भारत के दिल से एक दिव्य और भावपूर्ण कहानी लेकर आई और लाखों लोगों के दिलों को छू गई। इसके बाद से "कांतारा" का क्रेज दर्शकों के बीच लगातार देखा गया और जिसे और ऊंचाइयों पर पहुंचाते हुए मेकर्स ने फिल्म के अगले पार्ट की घोषणा की। अब, मेकर्स फिल्म की एक मच अवेटेड अपडेट के साथ फिल्म का टाइटल लेकर सामने आए हैं, जो "कांतारा चैप्टर 1" है। फिल्म के विरासत को आगे बढ़ाते हुए, मेकर्स ने सभी को चौंका दिया है जब उन्होंने "कांतारा" के प्रीक्वेल का बड़ा एलान किया, जिसका आधिकारिक टाइटल "कांतारा - चैप्टर 1" है। फिल्म की ग्रैंड अनाउंसमेंट को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए, निमार्ताओं ने इसके फर्स्ट लुक रिलीज के बारे में भी अपडेट दिया और साथ ही बताया कि ये फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, बंगाली और अंग्रेजी में "पैन-वर्ल्ड" रिलीज होगी। मेकर्स ने लिखा, अतीत की पवित्र गूंज में कदम रखें, जहां दिव्यता हर फ्रेम से जुड़ी है। अनदेखी एक झलक पाने के लिए जुड़े रहें! प्रोडक्शन हाउस द्वारा की गई घोषणा निश्चित रूप से दर्शकों को बहुत पसंद आएगी क्योंकि "कांतारा" ने ग्लोबल दर्शकों को हैरान कर दिया था, और उन्होंने इसकी कहानी, प्रदर्शन, एडिटिंग और दिव्य संगीत के लिए फिल्म की स-राहना की थी। जबकि फिल्म ने इंसानों के भगवान के साथ संबंध की खोज की, यह सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बन गई। इसके अलावा, फिल्म के इंटेंस क्लाइमैक्स का दर्शकों के दिलों में एक खास स्थान है और ऋषभ शेट्टी के पहले कभी नहीं देखे गए अवतार ने देश को हिलाकर रख दिया। क्लाइमेक्स से पहले के 25 मिनट के लंबे सीक्वेंस ने भारतीय सिनेमा के लिए बेंचमार्क ऊंचा कर दिया है और प्रीक्वल के आने के साथ, फिल्म से उम्मीदें आसमान पर हैं।

दर्शकों के बीच आ रही है "मनी हाइस्ट" की पॉपुलर स्पिन-ऑफ सीरीज "बर्लिन"

नेटफ्लिक्स की "मनी हाइस्ट" वेब सीरीज का भूत अभी भी दर्शकों के दिमाग से नहीं उतरा है। मूल रूप से स्पैनिश भाषा में बनी इस सीरीज ने अपनी अनोखी पटकथा के कारण पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया। इस सीरीज के अब तक 5 एपिसोड रिलीज हो चुके हैं। इस सीरीज के फैंस इसके आखिरी एपिसोड के दौरान काफी इमोशनल थे। एक प्रोफेसर जिसके पास खोने के लिए कुछ नहीं है, एक बड़ी डकैती की योजना बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के आठ लोगों को एक साथ लाता है। इस शानदार चोरी ने दर्शकों को आखिरी क्षण तक बांधे रखा। सबसे लोकप्रिय किरदारों में से एक है "बर्लिन" पात्र की कहानी वास्तव में पहली डकैती के बाद समाप्त हो गई। लेकिन दर्शकों ने "बर्लिन" को जो प्यार दिया उसे देखते हुए इस सीरीज के मेकर्स अगले एपिसोड में भी बर्लिन को एक अलग अंदाज में लेकर आए। बर्लिन को उनकी वाणी, हाव-भाव, सम्मोहक व्यक्तित्व और इस श्रृंखला में उनके महत्व के कारण हर कोई याद करता है। पांचवें सीजन के खत्म होने के बाद भी चर्चा थी कि "बर्लिन" दोबारा आएगा। कई प्रशंसकों को बर्लिन का अंत नहीं पता था। लेकिन अब नेटफ्लिक्स ने "मनी हाइस्ट" फैंस के लिए खुशखबरी दी है। कुछ महीने पहले सोशल मीडिया पर "बर्लिन" की स्पिनऑफ सीरीज की चर्चा चल रही थी और मेकर्स ने इसकी पुष्टि भी की थी। अब नेटफ्लिक्स ने सोशल मीडिया पर इस स्पिनऑफ सीरीज का नया पोस्टर और रिलीज डेट की घोषणा करते हुए एक पोस्ट शेयर किया है। इससे "मनी हाइस्ट" और "बर्लिन" के फैंस काफी खुश हैं। नेटफ्लिक्स ने घोषणा की है कि सीरीज "बर्लिन" 29 दिसंबर को रिलीज होगी। इतना ही नहीं इस पोस्ट से साफ है कि इस सीरीज में हमें सिर्फ बर्लिन ही नहीं बल्कि उसके परिवार की भी कहानी देखने को मिलेगी। इस किरदार को निभाने वाले अभिनेता पेड्रो अलोंसो कई अन्य नए किरदारों के साथ बर्लिन की भूमिका में नजर आएंगे। यह स्पष्ट है कि इससे भी बड़ी डकैती को अंजाम देने में बर्लिन का हाथ होने वाला है। दर्शक इसे लेकर काफी उत्साहित हैं, वहीं कुछ ने मांग की है कि सीरीज में एक प्रोफेसर हो। कुछ लोगों ने टिप्पणी की है कि वे प्रोफेसर के बिना मनी डकैती के बारे में सोच भी नहीं सकते। अब ठीक-ठीक पता चल जाएगा कि 29 दिसंबर को नेटफ्लिक्स के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इस सीरीज में क्या देखने को मिलेगा।

सूडोकु नवताल- 6623

मध्यम

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6622 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

शब्दजाल - 7370

दि	हु	मे	अ	मि	ता	भ	ब	च्च	न	वि	
ली	ख	शा	ह	रु	ख	खा	न	या	ड़	नो	
प	पी	अ	हे	र	ग	बा	द	ह	प	द	
कु	ग	ए	ज	जा	बा	बू	ल	ह	लि	ख	
मा	र	रा	जा	य	ह	ला	कि	यो	रि	न्ना	
र	इ	वि	मो	ग	दे	वा	शी	स	ति	श	
न	रा	ल	रा	व	म	व	न	ल	क	क्ति	
क	र	ज	र	य	र	ह	ग	मा	रो	रे	
र	या	बा	कु	आ	मि	र	खा	न	श	ड्डी	
र	ग	ल	न	मा	व	शि	का	री	न	ल	
रा	जें	द्र	कु	मा	र	ले	स	सु	रा	ल	

शब्दजाल में दस सफल अभिनेताओं के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

दिलीप कुमार, राजकुमार, राजेंद्र कुमार, विनोद खन्ना, अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान,आमिर खान, सलमान, अजय देवगन, रितिक रोशन

शब्दजाल - 7369 का हल

गां	धी	न	ग	र	मा	ज	वा	ज	पे	यी
द	ह	ल	प्रे	व	जी	य	द	ह	कां	रा
वि	स	मा	म	को	ह	पु	म	ल	ख	म
मि	बें	ग	लो	र	वा	र	ध	श्री	श	दु
श	आ	र	ग	बा	ज	ना	तू	न	झ	प
है	ल	ला	र	दि	द	मुं	ती	ग	घ	ट
द	व	भो	पा	ल	प	ब	ज	र	व	ना
रा	एं	वा	ई	द	ब	ई	डू	ए	श	व्हा
बा	ड	ल	को	ल	का	ता	आ	ग	शी	आ
द	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	भु	व	ने	श्व	र	त	ब	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6323

5		3		7		4
	34	6	33	1	33	
	5			6		2
1	26	2	29	4	33	
4			6		7	3
	30	4	37		33	6
2			5	3		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6322 का हल

3	5	4	6	7	1	2
2	33	1	34	6	30	5
5	6	7	1	2	3	4
4	42	2	25	1	22	6
7	6	5	4	3	2	1
6	36	6	34	4	31	3
1	2	3	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

पंजाब ने उत्तराखंड को 13-0 से हराया, हरमनप्रीत की हैट्रिक

चेन्नई । एशियाई खेलों की विजेता भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह की हैट्रिक की मदद से पंजाब ने शुक्रवार को यहां उत्तराखंड को 13-0 से हराकर हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। हरमनप्रीत (22वें, 23वें, 55वें मिनट) के अलावा युवा भारतीय डिफेंडर जुगराज सिंह (14वें, 18वें, 39वें) ने भी हैट्रिक लगाई। राष्ट्रीय टीम के उनके साथी दिलप्रीत सिंह (37वें, 48वें) और सुखजीत सिंह (52वें) ने भी पंजाब के लिए गोल दागे। रविंदर सिंह (12वें), हरसाहिब सिंह (15वें, 54वें) और कंवरजीत सिंह (58वें) ने पंजाब के लिए अन्य गोल किए।

उत्तर प्रदेश ने राजस्थान को 8-1 से हराया-भारत के टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता और एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता टीम का हिस्सा रहे ललित उपाध्याय (11वें) ने भी उत्तर प्रदेश को एक अन्य मैच में राजस्थान पर 8-1 से जीत दिलाने में मदद की जिससे टीम पूल में शीर्ष पर रही। हॉकी 'पावरहाउस' ओडिशा ने भी तेलंगाना को 7-0 से हराकर क्वार्टरफाइनल में स्थान सुनिश्चित कर लिया। भारतीय टीम के डिफेंडर और ओडिशा के कप्तान दिप्सन टिर्की ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिये पहला गोल दागा जबकि मौजूदा राष्ट्रीय उप कप्तान अमित रोहिदास ने भी विजेता टीम के लिए गोल किया। अन्य मैच में पुडुचेरी ने केरल को 6-0 से जबकि दिल्ली ने अरुणाचल प्रदेश को 23-0 से शिकस्त दी।

सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंची, प्रणय बाहर

शेनजेन। एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष जोड़ी ने चीन मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में यहां इंडोनेशिया के लियो रोली कारनांडो और डेनियल मार्टिन की जोड़ी पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय युगल जोड़ी ने विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज इंडोनेशियाई जोड़ी को 46 मिनट में 21-16 21-14 से हराया। एकल में दुनिया के 8वें नंबर के खिलाड़ी एच एस प्रणय को विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता जापान के कोदाई नाराओका के हाथों 9-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस साल इंडोनेशिया सुपर 1000, कोरिया सुपर 500 और स्विस सुपर 300 जीतने वाले सात्विक और चिराग के सामने अंतिम चार में चीन की जोड़ी की चुनौती होगी। चीन की दो जोड़ियों के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हे जी टिंग और रेन जियांग यू की जोड़ी आठवीं वरीयता प्राप्त लियू यू चेन और ओयू जुवान यी से भिड़ेगी।

न्यूज ब्रीफ

गुजरात टाइटंस से मुंबई इंडियंस में जा सकते हैं हार्दिक पांड्या

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पांड्या अपनी पुरानी टीम मुंबई इंडियंस में वापसी कर सकते हैं। गुजरात और मुंबई के बीच इसको लेकर चर्चा हुई है। हालांकि, अभी यह नहीं पता चला है कि इसमें खिलाड़ियों की ट्रेडिंग होगी या कोई और डील हुई है। अभी रोहित शर्मा मुंबई के कप्तान हैं और वह भारतीय वनडे टीम के भी कप्तान हैं। रोहित ने पिछले एक साल से अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट नहीं खेला है। उनके आराम लेने के समय हार्दिक सबसे छोटे प्रारूप में टीम भारत की कप्तानी करते हैं। बीसीसीआइ के एक पदाधिकारी ने कहा कि सभी टीमों को अपनी अंतिम लिस्ट रविवार तक देनी है। तब ही आधिकारिक तौर पर कुछ कहा जा सकता है। एक सूत्र ने कहा कि इतना तो तय है कि हार्दिक मुंबई जा रहे हैं। अब क्या डील हो रही है इसे अभी नहीं बताया जा सकता है। हो सकता है कि मुंबई भविष्य की तैयारी कर रही हो। रोहित अगले साल होने वाले आइपीएल तक मुंबई की कप्तानी करें और उसके बाद टी-20 विश्व कप खेलकर इस प्रारूप को अलविदा कह दें। उसके बाद से हार्दिक मुंबई की कप्तानी करें।

सूत्र ने बताया कि हार्दिक और मुंबई के बीच डील विश्व कप से कुछ महीने पहले ही हो गई थी। डील को औपचारिक रूप कब देना है यह इन दोनों पर निर्भर है। हार्दिक पहले भी मुंबई से खेल चुके हैं। हालांकि हार्दिक अगर मुंबई में आते हैं तो उसे कोई खिलाड़ी छोड़ना पड़ेगा या ट्रेड करना होगा। मुंबई के पर्स में करीब 50 लाख रुपये बचे थे और इस साल खिलाड़ियों को खरीदने के लिए बीसीसीआइ ने पांच करोड़ रुपये का बजट बढ़ाया है।

पाकिस्तान के इमाद वसीम ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के स्पिन-ऑलराउंडर इमाद वसीम ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। 34 साल के खिलाड़ी ने पाकिस्तान के लिए अब तक 55 वनडे और 66 टी-20 मुकाबले खेले। इमाद को टेस्ट स्क्वॉड में जगह नहीं मिली। उन्होंने आखिरी बार इस साल अप्रैल में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 मैच में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया था। इमाद ने 2015 में जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 और उसी साल श्रीलंका के खिलाफ वनडे में डेब्यू किए थे। उनका इंटरनेशनल क्रिकेट करियर आठ साल का रहा। बाएं हाथ के ऑर्थोडॉक्स स्पिनर इमाद ने 55 वनडे में 44 विकेट और 66 टी-20 में 65 विकेट लिए. वहीं उन्होंने वनडे में 986 रन और टी-20 में 486 रन बनाए। इमाद पाकिस्तान सुपर लीग में कराची किंग्स का हिस्सा हैं। साथ ही वह हंड्रेड, कैरेबियन प्रीमियर लीग और लंका प्रीमियर लीग का भी हिस्सा रहे हैं। वह इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में भी खेलते रहे हैं।

महिला मित्र की हत्या करने वाले पिस्टोरियस को 10 साल बाद पैरोल, पांच जनवरी से होगी प्रभावी

प्रिटोरिया। अपनी गर्लफ्रेंड की हत्या करने वाले पैरालंपिक स्टार और फर्राटा धावक ऑस्कर पिस्टोरियस (36) को 10 साल बाद पैरोल मिल गई है। प्रिटोरिया के पास स्थित अटेरिजविले सुधार केंद्र के पैरोल बोर्ड ने सुनवाई के दौरान पैरोल देने की पिस्टोरियस की याचिका पर विचार किया। सुधारात्मक सेवा विभाग के प्रवक्ता ने हत्या के मामले में पिछले एक दशक से जेल में बंद पिस्टोरियस को पैरोल देने की पुष्टि की, जो 5 जनवरी से प्रभावी होगी। ऑस्कर पिस्टोरियस कार्बन-फाइबर के बने अपने कृत्रिम पैरों के लिए ब्लेड रनर के रूप में जाने जाते हैं। वह पैरालंपिक में 6 बार स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। पिस्टोरियस ने 2013 में वैलेंटाइन डे पर प्रिटोरिया स्थित अपने घर पर अपनी गर्लफ्रेंड रीवा स्टीनकैंप की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पिस्टोरियस ने कहा था कि उन्होंने रीवा को घुसपैठिया समझकर गोली मारी थी, हालांकि उनके इस दावे पर सवाल भी उठते रहे हैं। इस हफ्ते 37 साल के होने वाले ऑस्कर 2014 से जेल में हैं। उन्हें इस शर्त पर पैरोल दी गई है कि वह अधिकारियों की अनुमति के बगैर प्रिटोरिया नहीं छोड़ेंगे। अपने गुस्से पर काबू पाने के लिए एक कार्यक्रम और सामुदायिक सेवा में हिस्सा लेंगे।

भारतीय मूल के 13 वर्षीय ईश्वर शर्मा बने चैंपियन

योग में विलक्षण प्रतिभा के धनी स्वीडन में बने स्वर्ण पदक विजेता

लंदन। दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड के 13 वर्षीय भारतीय मूल के ईश्वर शर्मा ने यूरोपीय योग खेल चैम्पियनशिप में योग की विलक्षण प्रतिभा का प्रदर्शन कर स्वीडन में एक और स्वर्ण पदक हासिल किया। केंट के सेवेनओक्स के ईश्वर ने तीन साल की उम्र में अपने पिता को देखकर योग का अभ्यास करना शुरू किया था। वे पहले भी कई विश्व योग चैंपियनशिप जीत चुके हैं।

कोविड में किया था 14 देशों में बच्चों के लिए दैनिक कक्षाओं का संचालन

पिछले सप्ताहांत उन्होंने स्वीडन के माल्मो में अंतरराष्ट्रीय योग स्पोर्ट्स फेडरेशन की ओर से आयोजित यूरोपीय प्रतियोगिता में लड़कों के 12-14 आयुवर्ग में यूरोप कप 2023 जीता। उनके परिवार ने कहा कि ईश्वर को विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए योग का संदेश फैलाने का शौक है। इसके पहले ईश्वर ने कोविड लॉकडाउन के दौरान 14 देशों में 40 बच्चों के लिए दैनिक योग कक्षाओं का संचालन किया था। इसके लिए उन्हें तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने पॉइंट्स ऑफ लाइट पुरस्कार से सम्मानित किया था।

जॉनसन ने शर्मा को लिखे 2021 के एक व्यक्तिगत पत्र में कहा था, 'आपने लॉकडाउन के दौरान विश्व स्तर पर सैकड़ों बच्चों के लिए योग का आनंद पहुंचाया है। मैं विशेष रूप से यह सुनकर प्रेरित हुआ कि आपने किस प्रकार विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को उस गतिविधि का आनंद लेने में मदद की है, जिसका आप आनंद लेते हैं और उसमें उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं।' बता दें कि उन्होंने योग के प्रति अपने योगदान के लिए पांच विश्व चैंपियनशिप और हाउस ऑफ लॉर्ड्स में ब्रिटिश सिटीजन यूथ अवार्ड जीता है। अपने पिता डॉ. विश्वनाथ के साथ, ईश्वर ब्रिटेन में योग और इसके कई लाभों के बारे में प्रचार करने के लिए I Yoga Solutions चलाते हैं।

अनीश ने शूटिंग विश्व कप फाइनल में कांस्य पदक जीतकर रचा इतिहास

दोहा। अनीश भानवाला ने शुक्रवार को लुसैल शूटिंग रेंज में पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल (आरएफपी) में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यह प्रतिष्ठित सत्र के अंत में अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) विश्व कप फाइनल (डब्ल्यूसीएफ) में देश के लिए पहला पदक है। अनीश ने शुक्रवार शाम को फाइनल में 27 का स्कोर किया और कांस्य पदक जीता जबकि विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता जर्मन पीटर फ्लोरियन ने 35-हिट के साथ स्वर्ण पदक जीता। मौजूदा विश्व चैंपियन और चीन के दोहरे ओलंपिक पदक विजेता ली यूहोंग 33-हिट के साथ दूसरे स्थान पर रहे। अनीश ने अंतिम छह में पहुँचने के लिए 581 का स्कोर किया और छठे स्थान पर रहे। लेकिन फाइनल में बाकू विश्व चैंपियनशिप के तीनों पदक विजेताओं के होने के बावजूद उन्होंने बेहतरीन फोन दिखाते हुए पोडियम फिनिश किया। इससे पहले दिन में, अखिल श्योराण पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन (3पी) स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहे। वह इस साल के डब्ल्यूसीएफ में पदक से चूकने वाले पांचवें भारतीय फाइनलिस्ट बन गए। अनुभवी अखिल ने भी बाकू विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और सिफ्त कौर समरा ने भी 3पी शूटिंग में प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया था, लेकिन टूर्नामेंट से पहले ही उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया।

टी20 वर्ल्ड कप में पहली बार उतरेगी 20 टीमें

नई दिल्ली । वर्ल्ड कप 2023 के मुकाबले 19 नवंबर को खत्म हुए। टूर्नामेंट में 10 टीमें उतरी थीं। ऑस्ट्रेलिया ने टीम इंडिया को हराकर विजेता बनी। 6 महीने बाद एक और वर्ल्ड कप होना है। टी20 वर्ल्ड कप जून 2024 में वेस्टइंडीज और अमेरिका में संयुक्त रूप से खेला जाना है। इसमें कुल 20 टीमें उतरेंगी। अब तक 18 टीमों ने प्रवेश कर लिया है। 2 टीमों पर फैसला जल्द होगा। टी20 और वनडे वर्ल्ड कप के इतिहास में पहली बार किसी आयोजन में 20 टीमें उतरेंगी। इतना ही नहीं भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत अमेरिका में हो सकती है। हालांकि अब तक टूर्नामेंट का कार्यक्रम जारी नहीं हुआ है। क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए आईसीसी लगातार छोटे देशों को मौका दे रहा है।

टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 2007 में हुई। अब तक 8 सीजन हो चुके हैं। पहले 4 सीजन 2007, 2009, 2010 और 2012 में टूर्नामेंट में 16-16 टीमों को मौका मिला। वहीं अंतिम 4 सीजन 2014, 2016, 2021 और 2022 में 16-16 टीमें टूर्नामेंट में उतरीं। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने सबसे अधिक 2-2 बार टी20 वर्ल्ड कप के खिताब पर कब्जा किया है। इसके अलावा भारत, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका और पाकिस्तान को एक-एक टाइटल मिला है। टीम इंडिया ने 2007 में एमएस धोनी की कप्तानी में वर्ल्ड कप जीता।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के मुकाबले 4 से 30 जून तक होने हैं। 20 टीमों को 4 ग्रुप में बांटा जाएगा। यानी हर ग्रुप में 5 टीमें रहेंगी जबकि सभी को 4-4 मैच खेलने हैं। हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सुपर-8 में आएगी। यहां भी 2 ग्रुप होगा। हर ग्रुप की टॉप -2 टीम को सेमीफाइनल में जगह मिलेगी। इसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल खेला जाएगा। मेजबान होने के कारण वेस्टइंडीज और अमेरिका को टी20 वर्ल्ड कप में डायरेक्ट प्रवेश किया है। पिछले टी20 वर्ल्ड कप की टॉप-8 टीमें ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, नीदरलैंड, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका भी खेलती हुई दिखेंगी। टी20 रैंकिंग के आधार पर अफगानिस्तान और बांग्लादेश को टी20 वर्ल्ड कप खेलने का मौका मिला है।

12 टीमों के अलावा 8 टीमें क्वालिफायर खेलकर टी20 वर्ल्ड कप में उतरेंगी। यूरोप क्वालिफायर के बाद आयरलैंड और स्कॉटलैंड ने टॉप पर रहकर आईसीसी टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया।

मैंने कोच से बात कर लगातार अपनी बल्लेबाजी पर काम किया:ईशान किशन

विशाखापत्तनम । एकदिवसीय विश्व कप के दौरान ईशान किशन को भले ही शुरुआती मुकाबलों के बाद खेलने का मौका नहीं मिला हो लेकिन उन्हें विशेषज्ञ कोच के मार्गदर्शन में अपने खेल पर काम किया। उन्होंने नेट पर बल्लेबाजी का कड़ा अभ्यास किया और इस दौरान कल्पना की कि मैच की परिस्थितियों में कुछ गेंदबाजों को कैसे खेलना है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किशन को अपनी मेहनत का फल मिला। उन्होंने लेग स्पिनर तनवीर संघा को निशाना बनाते हुए उनकी 10 गेंद पर 30 रन बनाए। किशन ने कहा, विश्व कप के दौरान जब मैं नहीं खेल रहा था तब मैंने हर अभ्यास सत्र से पहले खुद से पूछा कि अब मेरे लिए क्या महत्वपूर्ण है। मैं क्या कर सकता हूं। मैंने नेट पर बहुत अभ्यास किया। मैं कोच से लगातार खेल के बारे में बात कर रहा था, मैच को अंत तक कैसे ले जाएं, कुछ खास गेंदबाजों को कैसे निशाना बनाया जाए।

उन्होंने कहा, लेग स्पिनर के खिलाफ बाएं हाथ का बल्लेबाज होने के नाते मैं अच्छी स्थिति में था। मुझे पता था कि विकेट कैसा है क्योंकि मैंने 20 ओवर तक विकेटकीपिंग की थी। जब आप 209 रन के लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं, तब आपको एक गेंदबाज को निशाना बनाना होता है जिसके खिलाफ आप बड़े शॉट खेल सकते हैं। मेरी सूर्या भाई (कप्तान सूर्यकुमार यादव) से बात हुई थी कि मैं इस खिलाड़ी (संघा) के खिलाफ बड़े शॉट खेलूंगा, फिर वह चाहे जहां भी गेंदबाजी करे क्योंकि हमें रन और गेंद के बीच के अंतर को कम करना है। किशन ने कहा, आप पुछल्ले बल्लेबाजों के लिए ज्यादा रन नहीं छोड़ सकते। उनके लिए सीधे आकर बड़े शॉट खेलना आसान नहीं होगा। मुझे जोखिम लेना था और मुझे खुद पर भरोसा था। किशन के 39 गेंद में 58 रन और सूर्यकुमार यादव के 42 गेंद में 80 रन की बदौलत भारत ने 209 रन के लक्ष्य को एक गेंद शेष रहते हासिल कर लिया और पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। कुल मिलाकर विकेटकीपर बल्लेबाज किशन ने मैच में 'ठोस ऑलराउंड प्रदर्शन करार दिया। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि गेंदबाजों के लिए चीजें आसान नहीं थी। खासकर इस तथ्य के साथ कि उनमें से ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लंबे समय के बाद खेल रहे हैं। इसलिए श्रेय सभी को जाता है। किशन ने कहा, 'जब आप ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हैं तो यह दबाव वाला मुकाबला होता है। कुल मिलाकर मुझे लगता है कि हम बहुत अच्छे थे। सूर्यकुमार और किशन के अर्धशतक और दोनों के बीच शतकीय साझेदारी के बाद रिंकू सिंह ने 14 गेंद में नाबाद 22 रन बनाकर भारत को जीत दिलाई।

विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद रेड-बॉल क्रिकेट में स्थिति के अनुसार ढलना चाहते हैं रचिन रवींद्र

सिलहट। बांग्लादेश के खिलाफ 28 नवंबर से शुरू होने वाली न्यूजीलैंड की दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले, ऑलराउंडर रचिन रवींद्र का लक्ष्य अब परिस्थितियों के अनुसार समायोजन करके अपने ए-गेम को रेड-बॉल क्रिकेट में लाना है। उन्होंने 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में शानदार समय बिताया था।

रवींद्र ने न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के साथ एक वीडियो चैट में कहा, मुझे उसके बाद (विश्व कप में हाल ही में सफेद गेंद के अनुभव) लाल गेंद क्रिकेट में वापस जाने का आनंद मिलता है क्योंकि इसका मतलब है कि आपका इरादा (सकारात्मक है), आप लगभग स्कोर करना चाह रहे हैं। तो, मेरा मतलब है, (वह) आपको स्कोर करने के लिए अच्छी स्थिति में रखता है।

लेकिन शायद यहां यह परिस्थितियों पर निर्भर करता है। पिच जो कर रही है, वह शायद उसे थोड़ा पीछे कर देगी, उतने जोखिम नहीं। आप अभी भी अपना स्वाभाविक खेल खेल सकते हैं, सतह को समझकर और खेल की स्थिति आपको निर्देशित करती है।

रवींद्र ने वनडे विश्व कप में अपने शानदार

प्रदर्शन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया, उन्होंने दस मैचों में 64.22 की औसत से 578 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और दो अर्द्धशतक शामिल थे। उन्होंने अपनी बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी से पांच विकेट भी लिए, जिसमें 2/21 का आंकड़ा उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

टेस्ट के संदर्भ में, रवींद्र ने प्रारूप में केवल तीन मैच खेले हैं, जिनमें से आखिरी 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू मैच में था और उन्हें लगता है कि उपमहाद्वीप में स्पिन के अनुकूल पिचों पर अनुकूलनशीलता महत्वपूर्ण होगी।

मुझे लगता है कि हम कभी-कभी यह नहीं समझ पाते कि वास्तव में टेस्ट मैच कितना लंबा होता है। आपके पास हर दिन 90 ओवर के पांच दिन हैं, इसलिए यहां काफी समय है। इसलिए उम्मीद है कि हम वनडे से लेकर रेड-बॉल तक, ग्रुप में वह शांति ला सकते हैं।

आपके पास थोड़ी संक्रमण अवधि है, और संभवतः आपके पास खुद को संभालने के लिए उतना समय नहीं है; लेकिन यह टेस्ट क्रिकेट भी है, इसलिए आपके पास वास्तव में बहुत समय होता है। यह निश्चित रूप से एक अलग भूमिका है; यह नई गेंद नहीं है (बांग्लादेश में भूमिका) - मैं अंदर आ सकता हूं और सीधे एक स्पिनर का सामना कर सकता हूं।

रवींद्र यह भी अच्छी तरह से जानते हैं कि वह अपने बाएं हाथ की स्पिन के साथ योगदान दे सकते हैं और न्यूजीलैंड को स्पिन-गेंदबाजी कोच के रूप में सकलैन मुश्ताक की वापसी के साथ, वह लंबे प्रारूपों में गेंदबाजी को लेकर कुछ तरकीबों के लिए उन पर भरोसा कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, घर पर हम जिस गति से गेंदबाजी करने के आदी हैं, उसकी बजाय तेज गति से गेंदबाजी करें; यदि आप इसे क्षेत्र में लगा रहे हैं और गति को थोड़ा और बढ़ा रहे हैं, तो उम्मीद है कि आपको थोड़ी सफलता मिलेगी।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने आईपीएल में अपने करियर को याद करते हुए कहा

मुंबई के साथ बहुत अच्छा सफर रहा, सीएसके में जाना और भी खास था

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने करियर को याद करते हुए कहा कि मुंबई इंडियंस के साथ उनका समय एक शानदार सफर था, लेकिन उनका चेन्नई सुपर किंग्स में समय और भी खास रहा।

रायुडू ने 2010 में मुंबई इंडियंस के साथ अपना आईपीएल डेब्यू किया और 2017 संस्करण तक टीम के लिए खेले, 2013, 2015 और 2017 में उनके साथ तीन खिताब जीते। फिर 2018 सीज़न से पहले उन्हें सीएसके ने अपने साथ जोड़ा।

उस संस्करण में, रायुडू ने बल्ले से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था, उन्होंने 16 पारियों में 43 की औसत से 602 रन बनाए थे, जिसमें उनका नाबाद 100 रन का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर भी शामिल था, क्योंकि स्पॉट फिक्सिंग और सट्टेबाजी में एक प्रमुख अधिकारी की संलिप्तता के कारण दो साल के निलंबन के बाद टीम ने ट्रॉफी जीती थी।

वह तब आईपीएल 2021 और 2023 का खिताब जीतने वाली सीएसके टीम के सदस्य थे और लीग से संन्यास लेने से पहले उन्होंने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पिछले सीज़न के बारिश से प्रभावित फाइनल में गुजरात टाइटन्स पर जीत हासिल की थी।

मैं अपने आप को एक टीम के माहौल में बहुत लचीले होने के रूप में याद रखूंगा। मैं ओपन के साथ-साथ मध्य क्रम और निचले मध्य क्रम में भी बल्लेबाजी करूंगा। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां मुझे टीम के लिए योगदान देने पर बहुत गर्व है, और मैं अपने करियर में उस पहलू को बहुत संजोता हूं।

यूट्यूब पर प्रसारित द रणवीर शो पॉडकास्ट पर रायडू ने कहा, बेशक, मैंने उनके लिए आठ साल तक खेला। मैंने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत मुंबई से की। यह एक शानदार यात्रा थी और हमने तीन आईपीएल और दो चैंपियंस लीग ट्रॉफी जीतीं। हमने बहुत अच्छा समय बिताया।

सीएसके में अपने समय के बारे में बात करते हुए, रायडू ने आगे कहा, सीएसके में जाना और भी खास था, लेकिन दूसरे ड्रेसिंग रूम में बैठना, नीले के बजाय पीले पैड पहनना और मुंबई का सामना करना बहुत अजीब था, जो मुझसे दो विकेट दूर सिर्फ अभ्यास कर रही थी।

यह मेरे दिमाग में एक फ्लैशबैक की तरह चल रहा था, यह याद करते हुए कि हम हर दिन क्या करते थे। तब से, हाँ, मुझे सीएसके में रहने की आदत हो गई थी।

दाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज ने भारतीय क्रिकेट और आईपीएल में एक लीडर के रूप में एमएस धोनी की विरासत के बारे में भी विस्तार से बात की। हर कोई जानता है कि उन्होंने कई खिलाड़ियों और सभी प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है, यहां तक कि उन्होंने सीएसके के लिए खेलने वाले कई विदेशी खिलाड़ियों में भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन निकलवाया है। मुझे लगता है कि उनमें यह क्षमता है। मुझे यह भी नहीं पता इसे कैसे व्यक्त किया जाए क्योंकि या तो वह धन्य है या उसने इतने वर्षों तक खेल खेलते हुए इसे विकसित किया है।

लेकिन कई बार मुझे आश्चर्य होता है कि वह ऐसा कुछ क्यों कर रहा है जो मुझे उचित नहीं लगता। लेकिन दिन के अंत में, नतीजे बताते हैं कि वह सही था और 99.9 प्रतिशत बार वह सही है, इससे पता चलता है कि वह जानता है कि वह क्या कर रहा है और उन्होंने इसे इतने लंबे समय तक और इतनी सफलतापूर्वक किया है कि मुझे नहीं लगता कि भारतीय क्रिकेट में कोई भी अब उनके फैसलों पर सवाल उठाने की स्थिति में है क्योंकि वह इतने सफल रहे हैं।

छोटे कद के पुरुषों में गंजेपन की समस्या ज्यादा

जिन पुरुषों का कद छोटा होता है, उन्हें गंजेपन की समस्या जल्दी हो सकती है। कद के साथ ही त्वचा के पीलेपन की वजह से भी बाल झड़ सकते हैं। जर्मनी के बॉन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने अध्ययन कर इस समस्या की वजहें पता लगाई हैं। शोधकर्ताओं ने गंजेपन के 11 हजार जीन की तुलना सामान्य स्थिति से की। समय से पहले बाल झड़ने की तुलना में उन्हें 63 आनुवांशिक अंतर मिले, जो शारीरिक विषमताओं और बीमारियों से भी जुड़े थे। इनमें समय से पहले बाल झड़ने वाले पुरुषों की तुलना में हृदय रोग और प्रोस्टेट कैंसर होने की संभावना अधिक थी। अध्ययन से शोधकर्ता इस नतीजे पर पहुंचे कि शारीरिक कद, पीली त्वचा और हड्डियों के घनत्व बढ़ने से समय से पहले बाल झड़ने की समस्या हो सकती है। प्रमुख शोधकर्ता डॉ. स्टीफैनी हैलीमेन ने कहा, हम मानव शरीर के 63 जीनोम में होने वाले बदलाव को पहचाने में कामयाब हुए, जो समय से पहले बालों के झड़ने के लिए जिम्मेदार हैं। इसमें से कुछ बदलाव खास बीमारियों जैसे जल्दी परिपक्वता आना और तमाम तरह के कैंसर से भी संबंधित थे।

फेंगशुई : नहीं मिल रही बच्चे की खुशी तो करिए ये काम

कई बार होता है कि शादी के वर्षों बाद भी परिवार में बच्चे खुशी की कोई उम्मीद नहीं जगती। जांच में सबकुछ सही मिलता है, लेकिन फिर भी दंपती को इसका सुख नहीं मिलता। फेंगशुई में इससे संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए अनेक उपाय बताए गए हैं। इन उपायों को करने से दम्पति को लाभ अवश्य मिलता है। जानिए कुछ टिप्स जिससे गर्भधारण में दिव ?कत नहीं होगी।

- शयन कक्ष के पश्चिम दिशा वाले भाग में दो अनार रखें या दो अनारों वाला चित्र रखें।
- सौ बच्चों का चित्र एक धातु के फ्रेम में जड़वाकर दम्पति अपने शयनकक्ष के पश्चिमी दिशा वाले भाग में दीवार पर टांगें अथवा रखें।
- दंपति का बिस्तर किसी छोटी अथवा बड़ी बीम के नीचे नहीं होना चाहिए।
- घर के प्रमुख प्रवेश द्वार के ठीक सामने कोई बाधा जैसे सीढ़ियां, दीवार और खंभा नहीं होना चाहिए।
- शयनकक्ष में रखे फर्नीचर के कोने नुकीले नहीं होने चाहिए

सौंदर्य

अखरोट में छिपे हैं सेहत से जुड़े कई राज

नट्स का सेवन तो हर कोई करता है। यह ऊर्जा का बेहतर स्रोत होते है। ऐसे ह कुछ लोगों को अखरोट खाने का भी बहुत शौक होता है। अखरोट हमारी स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद भी है। इनमें शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्व, मिनरल्स, एंटीआक्सीडैंट्स और विटामिन्स प्रचुर मात्रा में मौजूद होते हैं। अखरोट का नियमित सेवन खून में बुरे कोलेस्ट्रोल को कम कर अच्छे कोलेस्ट्रोल को बढ़ाता है।

1. हर दिन 25 ग्राम अखरोट के सेवन से 90 फीसदी ओमेगा-3 फैटी एसिड्स मिलते हैं। इससे रक्तचाप, कोरोनरी आर्टरी डिजीज और स्ट्रोक का खतरा कम होता है।

2. अखरोट का सेवन ब्रैस्ट कैंसर, कोलोन कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव करता है। अखरोट को ब्रेन फूड भी कहा जाता है। अखरोट में मौजूद मेलाटोनिन, विटामिन ई, कैरोटिनायड हमारे स्वास्थ्य को सही रखने में मदद करते हैं। इसका सेवन कैंसर, बुढ़ापे, सूजन संबंधित बीमारियों से बचाता हैं।

3. गर्भवती महिलाओं के शरीर के लिए अखरोट का सेवन सबसे ज्या फायदेमंद होता है। इसके सेवन से गर्भ में पलने वाले बच्चे को एलर्जी नहीं होती है और उसकी ग्रोथ के लिए आवश्यक तत्व भी मिल जाते हैं।

4. अखरोट रोज खाने से शरीर अंदर से मजबूत होता है। शरीर में यह र प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। यह शरीर के मेटाबोलिज्म को भी ठीक करता है।

5. अखरोट में प्रचुर मात्रा में विटामिन ई मौजूद होता है। विटामिन ई शरीर क हानिकारक ऑक्सीजन से सुरक्षा देता है। इससे हमारी त्वचा भी ढीली नहीं पड़ती।

6. अखरोट के तेल में बेहतरीन खुशबू होती है। यह तेल त्वचा के सूखेपन को दूर करता है।

7.अखरोट खाने से मोटापे से ग्रसित लोगों का लाभ मिलता है। इसके सेवन से वजन कम होता है। कसरत करने के साथ अगर अखरोट खाया जाए तो ज्यादा फायदा होता है।

8. अखरोट मिनरल्स का भी बेहतरीन स्रोत माना जाता है। जैसे मैंगनीज , कॉपर, पोटाशियम, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, जिंक और सेलेनियम।

स्टाइलिश दिखना है तो कपड़ों का खास तरीके से करें चयन

भीड़ में अलग दिखने के लिए अक्सर लोग स्टाइलिश लुक अपनाना चाहते है। खासतौर पर कार्यस्थल पर यदि आप एक जैसी ड्रेस पहनते-पहनते बोर हो चुके हैं और इस एकरसता को तोड़ना चाहते हैं तो आधुनिक ड्रेस डिजाइनर्स आपके लिए काफी कुछ नया लाए हैं। ऑफिस में औरों से हटकर और एकरसता को खत्म करने के लिए आप परंपरा से हटकर डिजाइन किए गए, विशेष डिजाइन की आस्तीनों वाली, धारीदार और खाकी रंग के कपड़े पहन सकती हैं, इससे आप फैशनेबल और स्मार्ट दिखेंगी।

डिकंस्ट्रक्टेड ड्रेस दिखने में बेहद आकर्षक और खूबसूरत होते हैं। इस तरह की ड्रेस में झालर लगे होते हैं, आड़ी-तिरछी हेमलाइन होती है। इस ड्रेस की खासियत यह है कि एक ही परिधान में कई डिजाइनों का संयोजन होता है। ज्यादा झालर वाले ड्रेस पहनने पर आपको उलझन महसूस हो सकती हैं, इसलिए ऐसा ड्रेस खरीदें जो उचित रूप से झालरदार होने के साथ आपको पहनने में सहज भी लगें।

धारीदार कपड़े हमेशा फैशन में बने रहते हैं, यह आपको बोल्ड और आकर्षक लुक देते हैं। खड़ी लाइनों वाले धारीदार कपड़े पहनें, इसमें आप सबसे अलग नजर आएंगी। ऑफ शोल्डर कपड़े अब ज्यादा प्रचलन में नहीं हैं। खुद को बोल्ड लुक देने के लिए आप स्लीट स्लीव यानी बीच से खुली लंबी आस्तीन वाली ड्रेस पहनें, यह आजकल फैशन में हैं। आप वन शोल्डर और पफ शोल्डर टॉप भी आजमा सकती है।

स्पोर्टी लुक के लिए कढ़ाई वाले ट्रैक सूट, वेलवेट टिरैक पैंट्स, संदेश लिखे टॉप पहन सकती हैं। खाकी शर्ट, स्कर्ट, जेगिंग्स कार्यस्थल पर पहन सकती है, इससे आपको प्रोफेशनल लुक भी मिलेगा। रंगीन फुटवेयर भी आपके व्यक्तित्व को अलग लुक देंगे। साल 1970 के दशक से प्रेरित रंगीन और प्रिंटेड जूते, फुटवेयर पहनने पर बरबस ही सबकी निगाहें आपके कदमों पर पड़ जाएंगी। मोजे के साथ ऊंची हील की जूतियां और फ्लैट फुटवेयर भी आप पहन सकती है।

सेहत

जाने जापानी महिलाओं के स्लिम और फिट रहने का राज

जापानी महिलाएं दुनिया के अन्य देशें की महिलाओं की तुलना में अधिक छरहरे बदन की होती है। बहुत ही कम महिलाएं मोटापा से पीड़ति होती है। इसका प्रमुख कारण यह है कि जापान के लोग हेल्दी रहने और लंबे जीवन के सिद्धांत पर जीते हैं। यहां तक की जापान दुनिया का ऐसा देश है जहां लोग 100 से ज्यादा साल तक आसानी से जीते हैं। जापान के लोग सिर्फ टेस्ट के लिए नहीं बल्कि हेल्थ बेनिफिट के लिए फूड खाते हैं। चलिए जानते हैं जापानियों के लाइफस्टाइल की कुछ जरूरी बातों के बारे में कि कैसे वहां की महिलाएं रहती हैं हरदम फिट।

ग्रीन टी

जापान के लोग ग्रीन टी पीना बहुत पसंद करते हैं। वहां ग्रीन टी 'माचा' के नाम से पॉपुलर है। ग्रीन टी सिर्फ टेस्ट में ही अच्छी नहीं होती बल्कि वो बहुत फायदेमंद भी होती है। ये दुनिया की सबसे हेल्दी टी है। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर ग्रीन टी फ्री रेडिकल्स से फाइट करने में मदद करती है। साथ ही एजिंग को रोकती है। यहां तक की वो वजन भी कम करती है। ग्रीन टी पीने से हार्ट डिजीज और कैंसर का खतरा भी कम होता है।

फर्मेन्टड फूड

जैपनीज अक्सर फर्मेन्टड फूड खाना पसंद करते हैं। जैसे, दही, कोमबूचा, गोभी, मिस्सो, टेम्हे, नैट्टो, पिकल्स, लस्सी और किमची जैसी चीजें खाते हैं। फर्मेन्टड फूड में एंजाइम्स, विटामिन बी, ओमेगा-3 फैटी एसिड और कई तरह के प्रोबायोटिक्स पाए जाते हैं। जो आपको हेल्दी रखते हैं। अमेरिका के लोगों के विपरीत जैपनीज लोग रेड मीट के बजाय सीफूड खाना ज्यादा पसंद करते हैं। रेड मीट खाने से कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम्स जैसे मोटापा, हाई कॉलेस्ट्रॉल और इन्फ्लैमटरी डिजीज हो सकती हैं। जैपनीज फिश, टूना, सैमन और श्रीम्प्स खाना पसंद करते हैं। सीफूड में प्रोटींस, जरूरी न्यूट्रिशंस और ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है। जो कि ब्रेन, हार्ट और ऑर्गस के लिए अच्छा होता है।

छोटा-छोटा खाते हैं

जापान के कल्चर में लोग स्मॉल पोर्शन में खाना पसंद करते हैं। स्मॉल पॉर्शन में खाने की वजह से कम खाया जाता है। इससे वजन कम करने में आसानी होती है। इतना ही नहीं, छोटी प्लेट में भी यहां खाया जाता है। छोटी प्लेट में खाना अधिक दिखता है। इससे हाई कैलोरी और ओवरईटिंग से बचा सकता है।

जैपनीज़ लोग वॉक बहुत करते हैं। इसलिए वहां लोग इतने फिट रहते हैं। वॉक करने से ना सिर्फ वजन कम होता है बल्कि इससे कार्डियोवस्कुलर हेल्थ पर भी अच्छा इफेक्टस होता है। इससे एनर्जी बूस्ट होती है, मूड फ्रेश रहता है। साथ ही स्ट्रेस भी दूर होता है।

जापान में लोग खाने के दौरान ना टीवी देखते हैं और ना ही काम करते हैं। वे फूड के प्रजेंटेशन में बहुत ध्यान देते हैं। वे धीरे-धीरे खाते हैं। ताकि पेट को खाना पचाने का वक्त मिल सके। चोपस्टिक से धीरे-धीरे ही खाया जाता है।

...ताकि आपका बच्चा बन जाए दुनिया वालों का रोल मॉडल

परवरिश

हर माता-पिता की ये इच्छा होती है कि उनके बच्चे पढ़े-लिखें और उनका नाम रोशन करें. उनमें वह तमाम आदतें हों जो एक अदार्श बच्चे में होती हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि अपने बच्चे को आदर्श बनाने के लिए आपको भी उतनी ही मेहनत करने की दरकार है जितनी की आपके बच्चे को. आइए जानते हैं एक माता-पिता को अपने बच्चे को आदर्श बनाने के लिए क्या करना चाहिए.

अपने बच्चों के सामने चिल्लाने या फिर बहस करने से बचें. अपने गुस्से पर नियंत्रण कर अपने बच्चे के आगे एक उदाहरण क्रिएट करें. बच्चों की अत्यधिक मांगों को पूरा करने या फिर उनपर अधिक प्रतिबंध लगाने से बचें. इन सब के जरिए आप अपने बच्चे को गुस्सैल होने से आसानी से बचा सकते हैं.

माता-पिता को चाहिए कि वह बच्चों के प्रति अपने प्यार को जाहिर करें. यह भी जरूरी है कि माता-पिता अपने बच्चों से जिम्मेदाराना उम्मीदें रखें, क्योंकि जीवन में अनुशासन होना बहुत जरूरी है.

बच्चों को अनुशासन का पालन करना सिखाएं. अनुशासन का मतलब है नियम, सिद्धान्त और आदेशों का ठीक से पालन करना है. अनुशासन का अर्थ है, खुद को वश में रखना. अनुशासन सफलता की वजह भी बनता है. इसलिए अपने बच्चों को अनुशासित जरूर बनाएं.

जब भी बच्चा कुछ कहना या पूछना चाहें, तो उन्हें रोकें या टोकें नहीं. बच्चे को अपने मन की बात कहने दें और उसे प्रोत्साहित करें कि वह अपने मन की बात को बेझिझक होकर कह सके. इससे वह मुखर होगा और आगे अपने जीवन में खुल कर जी सकेगा. अगर परिवार में कोई ऐसी समस्या है, जिसका संबंध बच्चे से है, तो कोई भी फैसला लेने से पहले बच्चे की सलाह जरूर लें या फिर उस फैसले में बच्चे को भी शामिल करें. बच्चों के सुझावों के लिए खुद को नकारात्मक करने की बजाए उनके सुझावों को गंभीरता से लें.

बच्चे के लिए एक अच्छा उदाहरण बनें. अपने बच्चों के सामने चिल्लाने या फिर बहस करने से बचें. अपने गुस्से पर नियंत्रण कर अपने बच्चे के आगे एक उदाहरण क्रिएट करें. बच्चों की अत्यधिक मांगों को पूरा करने या फिर उनपर अधिक प्रतिबंध लगाने से बचें. इन सब के जरिए आप अपने बच्चे को गुस्सैल होने से आसानी से बचा सकते हैं.

माता पिता को चाहिए कि वह बच्चों के प्रति अपने प्यार को जाहिर करें. आप उन्हें जितना प्यार और सहारा देंगे वे जीवन में उतने ही मुखर और आत्मविश्वासी बनेंगे. जरूरी है कि माता-पिता अपने बच्चों से जिम्मेदाराना उम्मीदें रखें, इसलिए बच्चे में अनुशासन का पालन करने की आदत ड़ाले.

अपने अनुशासन पर अपना हावी न होने दें. ये ध्यान रखें कि आज आपकी थोड़ी-सी कठोरता, बच्चे के जीवन के लिए लाभदायी साबित होगी.

जब भी बच्चा कुछ कहना या पूछना चाहें, तो उन्हें रोके या टोके नहीं. बच्चे को अपने मन की बात कहने दें और उसे प्रोत्साहित करें कि वह अपने मन की बात को बेझिझक होकर कह सके. इससे वह मुखर होगा और आगे अपने जीवन में खुल कर जी सकेगा.

रेसिपी

लजीज टमाटर की चटनी

- तीन कप पीसे हुए टमाटर
- आधा चम्मच सरसों
- आधा चम्मच जीरा
- कढ़ी पते,
- चुटकी भर हींग,
- दो कटी हुई हरी मिर्च
- एक चम्मच कद्दूकस किया अदरक
- आधा चम्मच हल्दी पावडर
- आधा चम्मच लाल मिर्च पावडर
- एक चम्मच चीनी
- दो चम्मच तेल
- नमक स्वादानुसार।

विधि

कढ़ाही में तेल गर्म करें और उसमें सरसों, जीरा, हींग और कढ़ी पत्ता डालें। जब जीरा चटक जाए तो बची हुई सारी सामग्री कढ़ाही में डालकर ढंक दें और धीमी आंच पर दस से पंद्रह मिनट तक पकाएं। ऊपर से हरा धनिया डालने से और भी बढ़िया दिखेगी टमाटर की चटनी। यह 3-4 दिन तक खराब नहीं होती।

मटर पनीर

- 300ग्राम मटर के दाने
- 500 ग्राम पनीर
- आधी कटोरी मलाई
- आधा प्याला टमाटर प्यूरी
- दो बड़े प्याज
- 1/4 बड़ा चम्मच मैदा
- एक छोटा चम्मच अदरक-लहसुन व हरी मिर्च पिसी
- नमक स्वादानुसार
- 1/4 छोटा चम्मच हल्दी
- डेढ़ छोटा चम्मच पिसी धनिया
- एक छोटा चम्मच पिसी लाल मिर्च
- ढाई बड़े चम्मच तेल।

विधि

लजीज मटर पनीर बनाने के लिए सबसे पहले मटर को भाप में पका लें। इसके बाद टमाटर प्यूरी में नमक व मसाले मिलाकर रखें। प्याज को छोटा व चौकोर काट लें। अब पनीर के टुकड़े भी अच्छी तरह से काट लें।

अब तेल गरम करके प्याज डालकर नरम करें। अदरक मिश्रण व मैदा डालकर भूनें। मलाई डालकर कसकर रगड़ें। जब सौंधी महक उठने लगे तो टमाटर प्यूरी डालकर अच्छी तरह भूनें। अब एक कटोरी पानी डालकर उबल जाने दें। अब इसके बाद पनीर के टुकड़े डालें व एक-दो उबाल देकर उतार लें। अब तैयार है आपका स्वादिष्ट मटर- पनीर। पूरे परिवार के साथ सर्व करें।

कपड़े और जूते ही नहीं बैग भी होना चाहिए स्टाइलिश

एक नजर डालें, ऐसे 5 तरह के बैग पर जो आपके हर अवसर को बना देंगे बेहद खास-

1. क्लासी क्लच- आप किसी डेट पर जा रही हों, दोस्तों के साथ पार्टी करने या फिर किसी शादी के रिसेप्शन में...क्लच एक ऐसा बैग है जो हर तरह के अकेजन के लिए बेहद सटीक है। ब्लैक एंड गोल्ड कलर का क्लच सबसे ज्यादा वर्सेटाइल है और किसी भी ड्रेस के साथ मैच करता है। इस बात का ध्यान रखें कि आपके क्लच में इतनी जगह हो कि उसमें पैसे, आइडी कार्ड, लिपस्टिक, मोबाइल फोन आदि रख सकें।

2. बैकपैक- आम दिनों में इस्तेमाल करने के लिए आप न्यूट्रल कलर का सॉफ्ट लेदर बैकपैक इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर कहीं हॉलिडे पर जा रही हों तो फ्लोरल प्रिंट वाला बैकपैक चुनें। बैकपैक में मौजूद ढेर सारे पॉकेट इसे काम के साथ ही सफर के लिए भी बेहद उपयोगी बना देते हैं।

3. सैचल- इस तरह के बैग्स आपके वर्कप्लेस के लिए बेस्ट हैं। ऑफिस के लिए इस्तेमाल करने के मकसद से ले रही हैं तो ब्लैक या ब्राउन कलर ही चुनें। अपना वर्कप्लेस का बैग कभी भी हल्के रंग का ना लें। यह बहुत जल्दी गंदा हो जाता है और इसे साफ करना आसान नहीं होता। ध्यार रखें कि इसमें ढेर सारे पॉकेट हों ताकि आप अपना सारा सामान इसमें रख सकें।

4. क्रॉसबॉडी- किसी कैजुअल आउटिंग पर जा रही हैं तो इस तरह का बैग आपके लिए बेहद सटीक है। फंकी शेप और ब्राइट कलर के बैग चुनें। इन दिनों एंब्रॉयडरी किए हुए डेनिम क्रॉसबॉडी बैग्स काफी फैशन में हैं।

5. टोटे बैग या बड़ा झोला- अचानक कोई वीकेंड ट्रिप बन गया तो इसके लिए आपके पास एक बड़ा सा टोटे बैग होना ही चाहिए। किसी भी रंग का कैनवस टोटे बैग खरीदें। लेकिन ध्यान रहे कि आपका बैग ऊपर से खुलता हो ताकि उसमें सामान भरने में आसानी हो।

चाकू की धार को आसानी से घर पर करें तेज

कई बार किचन में काम करते हुए या सब्जी काटने से चाकू की धार कम होने के कारण परेशानी होती है। इससे चाकू हाथ पर लगने का भी डर रहता है। बिना धार वाले चाकू को इस्तेमाल करने में बहुत परेशानी होती है। यह फिसल कर हाथ पर भी लग सकता है। इतने से काम के लिए बाजार जाकर धार तेज करवाना और अपने कामों से समय निकालना भी मुश्किल हो जाता है। आज हम आपकी इसी परेशानी को देखते हुए घर पर ही चाकू की धार को तेज करने से आसान उपाय बता रहे हैं।

1. स्टील

चाकू की धार को तेज करने के लिए स्टील के ठोस पीस को पानी के साथ थोड़ा-सा गीला करें। अब स्टील को थोड़ी देर के लिए धूप में रखें। जब यह गर्म हो जाए तो इस पर चाकू रगड़ दें। इससे चाकू की धार तेज हो जाएगी।

2. लोहा

लोहे की प्लेट पर चाकू रगड़ने से इसकी धार तेज हो जाती है। आपको इसके लिए बार-बार बाजार जाने की भी कोई जरूरत नही है। घर पर आसानी से ही चाकू को तेज कर सकते हैं।

3. ग्रेनाइट

रसोई की स्लैब ग्रेनाइट की बनी होती है। चाकू के तेज करने के लिए आप इस पर चाकू को रगडिए। लगातार 10-15 मिनट रगडने से धार तेज हो जाएगी।

4. ईंट

इसके लिए ईंट भी बेहद कारगर है। चाकू को ईंट पर रगडने से भी इसकी धार तेज हो जाती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)